ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 12 नवंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-312

स्वामी का कथन बच्चों को कलम के बदले तलवार दो सही नहीं: परमेश्वर @ नम्मा बेंगलूरु

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने किया हजारों करोड़ का घोटाला

मुख्यमंत्री समेत सरकार के 33 मंत्री घोटाले में लिप्त / राज्यपाल एवं लोकायुक्त को दिए गए घोटाले के दस्तावेजी सबूत

बेंगलुरु, 11 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने 40 हजार करोड़ का घोटाला किया है। घोटाले में सिद्धारमैया सरकार के 33 मंत्री लिप्त बताए गए हैं। घोटाले के दस्तावेजी सबूत राज्यपाल और लोकायुक्त के साथ-साथ गृह मंत्रालय, सतर्कता अधिष्ठान एवं अन्य संबंधित एजेंसियों को भेजे गए हैं। कर्नाटक में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ कई आरोपों ने भ्रष्टाचार को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा की हैं, जिसमें बड़े पैमाने पर घोटाले, सार्वजनिक धन का दुरुपयोग और सरकारी अनुबंधों का व्यवस्थित शोषण शामिल है। भाजपा नेताओं और भ्रष्टाचार विरोधी कार्यकर्ताओं ने बार-बार प्रशासन के भीतर कुप्रबंधन और संदिग्ध निर्णयों के पैटर्न की ओर इशारा किया है, जिसमें सत्तारूढ़ पार्टी पर पारदर्शिता को कम करने, उचित प्रक्रिया की अवहेलना करने और चुनिंदा ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने के लिए सिस्टम में हेरफेर करने का आरोप लगाया गया है।

बीबीएमपी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन घोटाला

कांग्रेस सरकार के सामने इस समय सबसे विवादास्पद मुद्दों में से एक कथित तौर पर

बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) के भीतर 40,000 करोड़ रुपए का ठोस अपशिष्ट प्रबंधन घोटाला है। भ्रष्टाचार विरोधी मंच के अध्यक्ष एनआर रमेश ने शिकायत दर्ज कराई है कि सरकार ने कई खरीद और निविदा कानूनों का उल्लंघन करते हुए एक पूर्व-चयनित ठेकेदार को अपशिष्ट निपटान के लिए 25 साल का अनुबंध दिया है। शिकायत में 1,570 पन्नों के दस्तावेज शामिल हैं, जिसमें सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कैबिनेट के सभी 33 मंत्रियों पर धोखाधड़ी, सत्ता का दुरुपयोग और सार्वजनिक धन के गबन की साजिश का आरोप लगाया गया है।

रमेश का आरोप है कि यह अनुबंध रम्मी इंसा स्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया था, जो कथित तौर पर अतीत में ब्लैकलिस्ट की गई कंपनी है। शिकायत के अनुसार, 25 वर्षों में संभावित रूप से दुरुपयोग किए गए सार्वजनिक धन का कुल मूल्य 40,000 करोड़ से अधिक हो सकता है, जो इसे कर्नाटक के इतिहास में सबसे बड़े भ्रष्टाचार के मामलों में से एक बनाता है।

▶10 पर

देश में चल रहे षडयंत्र पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जताई गहरी चिंता

समाज को बांटने की साजिश चल रही है, इसे रोकना जरूरी

श्री स्वामीनारायण मंदिर की 200वीं वर्षगांठ बोले मोदी

राष्ट्र के दुश्मनों को पहचानें और मिलकर परास्त करें

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। भारत में जाति, धर्म, भाषा, ऊंच-नीच, पुरुष-महिला, गांव-शहर के आधार पर समाज को बांटने का नियोजित षडयंत्र चल रहा है। इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गंभीर चिंता जताई है। प्रधानमंत्री ने कहा, यह जरूरी है कि हम राष्ट्र के दुश्मनों की इस कोशिश की गंभीरता को समझें, इस संकट को पहचानें और मिलकर ऐसी हरकत को परास्त करें।

प्रधानमंत्री ने कहा, हमें मिलकर काम करना है। हमें मजबूत, सक्षम और शिक्षित युवा तैयार करने हैं। विकसित भारत के लिए युवाओं को सशक्त बनाना होगा। कुशल युवा हमारी सबसे बड़ी ताकत बनेंगे। हमारे युवाओं की वैश्विक मांग और बढ़ने वाली है। आज मैं दुनिया के जितने भी नेताओं से मिलता हूं, उनमें से ज्यादातर नेताओं की यही अपेक्षा होती है कि भारत के युवा, भारत की कुशल जनशक्ति, भारत के आईटी सेक्टर के युवा उनके देश जाएं और उनके देश में काम करें। भारत के युवाओं की क्षमता से पूरी दुनिया आकर्षित होती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्री स्वामीनारायण मंदिर की 200वीं वर्षगांठ समारोह में वर्चुअली हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि भगवान स्वामी नारायण की कृपा से वडताल धाम में भव्य द्विशताब्दी समारोह का आयोजन हो रहा है, देश-विदेश से तमाम हरि भक्त वहां आए हैं। आए लोग भी सेवा कार्य में बढ़-चढ़कर योगदान दे रहे हैं। द्विशताब्दी समारोह केवल एक आयोजन या इतिहास की तारीख नहीं है।

▶10 पर

झारखंड की चुनावी जनसभाओं में अमित शाह और योगी की धूम

वोट के लिए घुसपैठियों को पालते हैं सीएम सोरेन : अमित शाह

भाजपा की सरकार बनते ही निकाले जाएंगे घुसपैठिए

जमीन हस्तांतरण रोकने के लिए सख्त कानून लाएंगे

रांची, 11 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड में चुनाव अभियान तेज है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भाषणों की धूम मची हुई है। सोमवार को सरायकेला की जनसभा में केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली झामुमो सरकार झारखंड में वोट के लिए बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण दे रही है। अगर झारखंड में भाजपा की सरकार बनी तो वह घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें राज्य से बाहर निकालेंगे। साथ ही घुसपैठियों द्वारा हड़पी गई जमीन भी वापस ली जाएगी। आदिवासी महिलाओं से शादी करने पर घुसपैठियों को होने वाले जमीन हस्तांतरण को रोकने के लिए कानून बनाया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, झारखंड में आदिवासी आबादी घट रही है। घुसपैठिए हमारी बेटियों से शादी करके जमीन हड़प रहे हैं। अगर घुसपैठिए आदिवासी महिलाओं से शादी करते हैं तो हम उन्हें जमीन के हस्तांतरण को रोकने के लिए कानून लाएंगे।

▶10 पर

घुसपैठियों के लिए झारखंड धर्मशाला : योगी आदित्यनाथ

रांची, 11 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाले गठबंधन पर राज्य को रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए धर्मशाला में बदलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य में माफिया, पत्थरबाजों, अराजकता फैलाने वालों का इलाज करने के लिए डबल इंजन सरकार की जरूरत है। इसके साथ ही उन्होंने लोगों से एकजुट होने की अपील की। यूपी के सीएम ने आरोप लगाया कि झारखंड की सरकार ने राज्य में भ्रष्टाचार, अराजकता और प्राकृतिक संसाधनों की लूट को बढ़ावा दिया है। योगी आदित्यनाथ ने कहा, झारखंड को रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए धर्मशाला में बदल दिया गया है। उन्हें अराजकता फैलाने की खुली छूट दी गई है। योगी ने दोहराया, बंटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे।

▶10 पर

जस्टिस संजीव खन्ना बने भारत के 51वें मुख्य न्यायाधीश

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज राष्ट्रपति भवन में देश के 51वें मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव खन्ना को शपथ दिलाई। राष्ट्रपति भवन के अशोक हॉल में सर्वोच्च न्यायालय के नए मुख्य न्यायाधीश ने शपथ ली। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई केंद्रीय मंत्री और कई उच्च पदस्थ अधिकारी उपस्थित थे।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना का न्यायिक करियर अत्यंत उल्लेखनीय रहा है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना उस पीठ का हिस्सा रहे हैं जिसने कई महत्वपूर्ण और विवादास्पद निर्णय सुनाए हैं। इनमें प्रमुख फैसले हैं, ईवीएम की उपयोगिता को बरकरार रखना। चुनावी बांड खारिज करना। अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के फैसले पर मुहर लगाना और दिल्ली शराब घोटाले के किंगपिन अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देना।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना के पिता न्यायमूर्ति देशराज खन्ना दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश थे। लेकिन इंदिरा गांधी के कार्यकाल में उन्हें सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश बनने से रोक दिया गया था। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना को 18 जनवरी 2019 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। इसके बाद, उन्होंने 17 जून 2023 से 25 दिसंबर 2023 तक सर्वोच्च न्यायालय कानूनी सेवा समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

▶10 पर

अनुच्छेद 370 तो हट गया, पर छेद अब भी बरकरार है

फिर लगा जम्मू में सत्ता का दरबार

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 11 नवंबर। जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटा लिए जाने के बावजूद प्रदेश की पुरानी परंपराएं बहाल हैं, बस नाम उलट पलट दिया गया है। अनुच्छेद 370 हटने के बाद दरबार-मूव की पुरानी व्यवस्था समाप्त हो गई थी। लेकिन नाम बदल कर उसे फिर से चलन में ले आया गया। पहले शीतकाल में जम्मू कश्मीर की राजधानी श्रीनगर से जम्मू शिफ्ट हो जाती थी। उसे दरबार-मूव कहा जाता था। अब उसे प्रशासनिक-मूव नाम देकर फिर से जम्मू को शीतकालीन राजधानी बनाया गया है। आज शीतकालीन राजधानी जम्मू में लगभग 500 कर्मचारियों और अफसरों के साथ दरबार फिर से लग गया। इतना जरूर हुआ कि पहले दरबार-मूव के तहत 10 हजार के लगभग सरकारी अमला 6-6

जम्मू फिर से बनी शीतकालीन राजधानी

नाम बदल कर किया गया दरबार-मूव

माह दोनों राजधानियों में रहता था। अब वह संख्या कम कर दी गई है, लेकिन अभी भी जम्मू कश्मीर की दो राजधानियां कायम हैं। भले ही दो संविधान और दो निशान समाप्त हो चुके हों।

बदले हुए नाम के साथ दरबार-मूव की नई व्यवस्था के तहत प्रदेश की राजधानी श्रीनगर में उप राज्यपाल तथा मुख्यमंत्री का दरबार पिछले महीने बंद हो गया। हालांकि दरबार मूव के साथ जरूरत के आधार पर कर्मचारियों के अलावा मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मंत्रियों और उप राज्यपाल मनोज सिन्हा, पुलिस महानिदेशक, मुख्य सचिव और प्रशासनिक सचिव के कार्यालयों ने आज से जम्मू में कामकाज संभाल लिया है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शीतकालीन राजधानी जम्मू में सोमवार को काम करना शुरू कर दिया।

▶10 पर

सड़क मार्ग से जम्मू पहुंचे सीएम उमर अब्दुल्ला

जम्मू, 11 नवंबर (ब्यूरो)। जम्मू और आसपास के इलाकों में सोमवार को कम दृश्यता के कारण उड़ानें रद्द कर दी गईं, जिसके कारण मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को भी शीतकालीन राजधानी सड़क मार्ग से पहुंचना पड़ा। रविवार की शाम को जम्मू जाने वाली उड़ानें रद्द कर दी गई थीं। खराब दृश्यता के कारण आज भी उड़ानों में देरी के कारण सीएम उमर अब्दुल्ला को सड़क मार्ग से ही जम्मू के लिए निकलना पड़ा।

झारखंड के जनसंख्या असंतुलन की त्रासदी भरी जमीनी रिपोर्ट

आफत में है हजारों मुस्लिमों से घिरा 35 हिंदुओं का परिवार

रांची, 11 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा चुनावों में मतदान के लिए अब कुछ ही दिन बाकी हैं। इस बीच राज्य में बांग्लादेशी घुसपैठियों और जनसांख्यिकी बदलाव मुद्दा गरम है। समय-समय पर झारखंड के विभिन्न जगहों से लव जेहाद, लैंड जेहाद, अवैध घुसपैठ और जबरन धर्मांतरण आदि की खबरें आती रहती हैं। भाजपा ने इस बार इस मुद्दे को गंभीरता के साथ उठाया है।

गहरे आदिवासी इतिहास से जुड़ा क्षेत्र साहिबगंज, दुमका और पाकुर जैसे जिलों के साथ चुनावी लड़ाई का केंद्र बिंदु बन गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) महिलाओं के लिए 2,500 रुपए मासिक की सहायता और किसानों को अधिक न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) देने का वादा कर रही है। दूसरी ओर भाजपा का अभियान आदिवासी पहचान

कुएं से पानी भरने पर भी हिंदुओं को लगी है रोक

पर्व-त्यौहार और शादी ब्याह तक पर हैं पाबंदियां

(आदिवासी अस्मिता) को लेकर है। भाजपा राज्य में अवैध प्रवास का मुद्दा जोर-शोर से उठा रही है, जिसके कारण अवैध रूप से बनाई गईं अनियंत्रित बस्तियां क्षेत्र की जनसांख्यिकी को बदल रही हैं। वहीं, झामुमो जनसांख्यिकी बदलाव के आरोपों को खारिज कर रही है। उसका कहना है कि भाजपा डर पैदा कर रही है।

लेकिन जमीनी सच्चाई त्रासदी से भरी कहानी बयां कर रही है। संवाददाताओं की एक टीम ने झारखंड के संथाल परगना जैसे मुस्लिम बहुल में परिवर्तित हुए इलाकों का दौरा किया। वहां पर 35 हिंदू परिवार कई तरह की चुनौतियों के बीच अपनी परंपरा को बचाए एवं बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ये हिंदू परिवार उस क्षेत्र के 11,000 से ज्यादा मुस्लिम परिवारों से घिरे हुए हैं।

संवाददाताओं की टीम जब संथाल परगना पहुंची तो कुछ हिंदू परिवार इलाके के मुस्लिम परिवारों के दबाव के बावजूद छठ पूजा मना रहे थे। मानसिंहा और राजमहल जैसे गांवों में हिंदू परिवार लगभग गायब हो चुके हैं। हर कुछ किलोमीटर पर मस्जिद और मदरसे स्थापित हो चुके हैं। इसके कारण पूरा इलाका किसी मुस्लिम मुल्क जैसा दिखता है। ये वो इलाके हैं, जिसको लेकर भाजपा लगातार चिंता जाहिर करती रहती है।

▶10 पर

आंध्र प्रदेश सरकार ने पेश किया 2.94 लाख करोड़ का बजट

स्कूली शिक्षा के लिए 29 हजार करोड़, स्वास्थ्य के लिए 18 हजार करोड़

अमरावती, 11 नवंबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 2,94,427.25 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया। इसमें राजस्व व्यय 2,35,916.99 करोड़ रुपए और पूंजीगत व्यय 32,712.84 करोड़ रुपए रहने का अनुमान लगाया गया है। राज्य के वित्त मंत्री पय्यवुला केशव ने विधानसभा में बजट पेश करते हुए कहा कि चालू वित्त वर्ष के लिए अनुमानित राजस्व घाटा करीब 34,743.38 करोड़ रुपए (जीएसडीपी का 2.12 प्रतिशत) और राजकोषीय घाटा लगभग 68,742.65 करोड़ रुपए (जीएसडीपी का 4.19 प्रतिशत) रहने का अनुमान है। राज्य के वित्त मंत्री ने कहा, आज मैं जो बजट प्रस्ताव पेश कर रहा हूं, वह राज्य की वित्तीय स्थिति को

▶10 पर

मेंबर्स कनेक्ट बिजनेस सिनेर्जी का आयोजन

उचित नेटवर्किंग उपलब्ध कराना इस अभियान का उद्देश्य

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो बेंगलूरु साउथ ने अपने सदस्यों के बीच व्यवसाय संबंधित नेटवर्किंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मेंबर्स कनेक्ट-बिजनेस सिनेर्जी कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें संस्था के मूल सिद्धांतों को और भी गतिशील बनाने की दिशा में अनेक प्रोजेक्ट्स पर रोशनी डाली गई। इस पहल के उद्घाटन समारोह में जीतो बेंगलूरु साउथ के चेयरमैन रंजीत सोलंकी ने सबका स्वागत किया।

नवकार मंत्र और दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुए इस कार्यक्रम में उन्होंने इस पहल के मूल मकसद पर रोशनी डाली। सदस्यों के बीच व्यापार- व्यवसाय के नए अवसरों की संभावना को तराशना मेंबर्स कनेक्ट- बिजनेस सिनर्जी का प्रमुख उद्देश्य रहेगा। कार्यक्रम में जीतो एपेक्स के पूर्व उप-चेयरमैन व जीतो बेंगलूरु के पूर्व चेयरमैन प्रकाश सिंघवी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रमों का मूल मकसद सदस्यों के बीच नेटवर्किंग को बढावा देना है, जिससे आपसी बिजनेस को संबल मिल सके।

अपने अनुभव का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि जीतो की मदद से वे अपने कारोबार को सौ-गुना विकसित कर पाए थे। जीतो एपेक्स के श्रमण आरोग्यम के प्रभारी निदेशक भेरुमल भंडारी ने परियोजना पर प्रकाश डाला। उन्होंने जानकारी दी कि 13 हजार से भी अधिक जैन साधु साध्वी इस योजना से जुड़े हैं। श्रमण आरोग्यम की सफलता का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि इतनी बडी संख्या में जैन साधु-साध्वियों के आरोग्य की सुरक्षा का लाभ मिल रहा है। जीतो से जुड़ने के बाद अपनी कारोबारी कामयाबी का भी उन्होंने वर्णन किया। जीतो बेंगलूरु साउथ के प्रमुख सचिव नितीन लूनिया ने इस नवीन पहल पर रोशनी डालते हुए कहा कि सदस्यों के व्यवसाय को समझाना और बेहतर विकास व विस्तार के लिए उचित नेटवर्किंग उपलब्ध कराना इस अभियान का उद्देश्य है। इस कार्यक्रम की खासियत यह थी कि अंग्रेजी अक्षरों के आधार पर सदस्यों के नाम वर्गीकृत किए गए है। तमाम 880 सदस्यों को विधिवत शामिल किया जाएगा, जिससे हर एक को लाभ मिल सके। कार्यक्रम में उप चेयरमैन महेंद्र जियानी व महेंद्र रांका, सह-कोषाध्यक्ष महावीर दांतेवाडिया व नरेंद्र सांखलेचा, सचिव प्रतीक गांधी, कार्यक्रम संयोजक मनीष गुलेछा तथा प्रबंध समिति सदस्यों की उपस्थिति रही।

श्रावक जीवन की श्रेष्ठतम आराधना है उपधान: आचार्य

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सीमंधर-शांतिसूरि जैन संघ वी. वी. पुरम में प्रवचन के दौरान उपधान तप के महत्व के बारे में बताते हुए आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि नमस्कार महामंत्र जैसे महान मंत्र आदि गिनने का वास्तविक अधिकार 47 दिन तक गुरुकुलवास में रहकर तप आराधना कर गुरुमुख से विधिपूर्वक ग्रहण करने पर ही प्राप्त होता है। अतः यह प्रत्येक श्रावक का अनिवार्य कर्तव्य है। उपधान द्वारा साधु भगवंतों के सान्निध्य में रहकर साधु जैसा जीवन जीने का प्रशिक्षण प्राप्त होता है।

उपधान यानी कुछ दिनों तक घर-परिवार व्यापार - व्यवहार से दूर होकर सीमित संसाधनों के बीच आंतरिक आनंद की अनुभूति करने का अनोखा अनुष्ठान है। साधक के जीवन में ठोस सकारात्मक परिवर्तन लाने में उपधान महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भी देखा जाएँ तो उपधान प्रत्येक उम्र वर्ग के लोगों के लिए फायदेमंद है। बच्चों के लिए बचपन में ही संस्कारों की नीव उपधान द्वारा डाली जा सकती है। किशोरों एवं युवानों को आज के विलासी वातावरण से दूर कर सदाचार एवं सही समझ द्वारा उन्हें भटकने से बचाया जा सकता है। वयस्कों को भागदौड भरी जिंदगी से दूर तनावमुक्त जीवन जीने का मौका उपधान देता है तो वरिष्ठजनों के लिए सांसारिक संबंधों की ममता और मोह को कम कर अपेक्षा रहित जीवन जीने की कला भी उपधान सिखाता है। पर्यावरण के दृष्टिकोण से देखा जाएं तो प्राकृतिक जीवनशैली अपनाकर उपधान के आराधक प्रदूषण से होने वाली जीवों की त्रासदी में अपनी हिस्सेदारी समाप्त कर देते हैं। सृष्टि के तमाम जीवों के जीने के अधिकार का सम्मान जैन धर्म की अहिंसा की अवधारणा में बताया गया है, जिसका पालन उपधान द्वारा किया जाता है। उपधान याने जीवन की वह पाठशाला जहां प्रवचन एवं वाचना द्वारा औचित्य-पालन, विनय-विवेक आदि गुणों का थियरिटिकल कोर्स कराया जाता है और सच्चा श्रावक बनने की प्रेक्टिकल ट्रेनिंग दी जाती है।

साध्वीवृंद के दर्शन वंदन का लिया लाभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जैन महिला मंडल अलसूर ने चातुर्मास समाप्ति के पूर्व गुरु दर्शन यात्रा का आयोजन कर दोड्डबल्लापुर में महासती श्री चंद्र यशाजी के दर्शन कर यशवंतपुर में दर्शन प्रभा जी, मंजूनाथ नगर में वीरेंद्र मुनि जी, श्रीराम पुरम में विपुलदर्शना जी, वी वी पुरम में चैतन्या श्री जी के दर्शन कर हीरा बाग में विराजित आगम श्री जी के दर्शन सेवा का लाभ लिया एवं ज्ञान चर्चा कर शंका समाधान किया।

इससे पूर्व महिला मंडल ने चेन्नई में चातुर्मास कर रहे शशिप्रभा जी, युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी एवं स्वर्ण प्रभाजी के दर्शन सेवा व जिनवाणी श्रवण का भी लाभ लिया।

तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु द्वारा दम्पति शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आचार्य श्री महाश्रमण जी की विदुषी शिष्या साध्वी उदितयशा जी के पावन सानिध्य में तेरापंथ युवक परिषद बेंगलूरु द्वारा दम्पति शिविर का आयोजन तेरापंथ सभा भवन गांधीनगर में प्रातः 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक सफलतापूर्वक किया गया।

इस शिविर में विभिन्न उम्र के 32 विवाहित जोड़ों सहित कुल 110 लोगों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने पारंपरिक परिधानों में उपस्थित होकर सामूहिक एकता और अनुशासन का परिचय दिया, जिससे शिविर का वातावरण और भी भव्य हो गया। शिविर का शुभारंभ साध्वी श्री उदितयशा जी के मंगलपाठ से हुआ। इस शिविर को विभिन्न चरणों में विभाजित किया गया था। प्रथम चरण में साध्वी उदितयशा जी ने आध्यात्म के रंग, परिवार के संग विषय पर विस्तार से चर्चा की और परिवार का एक संविधान कैसा होना चाहिए, इस पर विचार साझा किए। दूसरे चरण में साध्वी संगीत प्रभा जी ने मै सत्र में बस आपका ध्यान चाहता हूं के अंतर्गत सवाल-जवाब का सत्र रखा गया। इसमें जोड़ों को अपने रिश्तों को नई ऊर्जा और दिशा देने के लिए प्रेरित किया गया। तीसरे चरण में साध्वी भव्ययशा जी ने 18 पापों की अनुप्रेक्षा करवाई, जिससे आत्म-चिंतन और आत्म-परिष्कार का अवसर मिला। चौथे चरण में अपनी प्रतिभा का परीक्षण करें के माध्यम से पति-पत्नी के बीच सौहार्द, समन्वय और सामंजस्य स्थापित करने की प्रेरणा दी गई। शिविर के दौरान ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ, डॉ. प्रशांत जैन का सम्मान किया गया। जीतो के अध्यक्ष विमल कटारिया ने जीतो की गतिविधियों और योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के महामंत्री विजय सिंघवी, उपाध्यक्ष कमल पुनमिया, श्रमण आरोग्यम के संयोजक दिनेश खिवेंसरा, सचिव अशोक भंडारी, मदन मुणोत, प्रीतेश जैन तथा जीतो महिला विंग उपाध्यक्ष सुमन सिंघवी भी उपस्थित थी।

गोपाष्टमी के पावन अवसर पर श्याम गौशाला में सेवा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मारवाड़ी युवा मंच, सेंट्रल बेंगलूरु ने गोपाष्टमी के पावन अवसर पर श्याम गौशाला, बनेरघट्टा रोड में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों का सम्मान किया गया। श्याम गौशाला एक प्रतिष्ठित स्थान है, जहाँ 100 से अधिक गायें रहती हैं और उनके पालन-पोषण के लिए विशेष देखभाल की जाती है। यह गौशाला न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि पर्यावरण और समाज के लिए भी एक प्रेरणा स्रोत है। यहाँ गायों को पूरी तरह से शुद्ध आहार, आचार

और देखभाल मिलती है, जो हमारी परंपरा और संस्कृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी को दर्शाता है। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान गोपाल जी की पूजा से हुई, जिसके बाद गौ दान का आयोजन किया गया। इसके पश्चात हवन का आयोजन किया गया, जो एक शुद्धिकरण और आशीर्वाद की प्रक्रिया थी। गायों के लिए छप्पन भोग अर्पित किया गया, जिसमें विभिन्न प्रकार की सब्जियाँ, फल, पत्तियाँ, अनाज और दालें शामिल थीं। अंत में सभी भक्तों को प्रसाद प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक श्रद्धालुओं ने भाग लिया और सभी ने इस विशेष आयोजन के माध्यम से न केवल आध्यात्मिक उन्नति और आंतरिक शांति का अनुभव किया, बल्कि प्रकृति और प्राणियों के प्रति सम्मान और करुणा की भावना को भी अपनाया। गोपाष्टमी का यह पर्व हमारे जीवन में संपूर्णता और आत्मिक संतुलन लाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है, जो हमें सद्गुणों और परंपराओं के साथ जुड़ने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम के आयोजक, गोपाल गोयल और मंच के अन्य सदस्यों ने इस आयोजन की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर सतीश गोयल, शिशिर अग्रवाल, रोहित केडिया, गौतम लोहीया, आयुष भिमसारिया, क्रतिक बंसल, पवन केजरीवाल और विश्वदीप उपस्थित थे।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** श्री वसी मालाणी बाड़मेर जैन संघ के सदस्यों ने श्री जिनकुशल सूरि जैन आराधना भवन के पवित्र प्रागण में चातुर्मास हेतु बिराजित मुनि मलयप्रभ सागरजी एवं प्रिय स्वर्णजना श्री के दर्शन वंदन कर मंगल आशीर्वाद लिया। मुनिराज मलयप्रभ सागरजी ने मंगल आशीर्वाद देते हुए यह प्रेरणा दी कि बाड़मेर खरतर-गच्छ संघ की राजधानी हैं। आप सभी को महीने में एक बार कोई भी सामूहिक धार्मिक कार्यक्रम रखना चाहिये। अध्यक्ष कैलाश संखलेचा ने सभी का धन्यवाद व्यक्त किया।*

दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित

भागवत कथा का आयोजन 23 से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सीरवी समाज ट्रस्ट हेब्बाल आईमाता वडेर में रविवार को दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। सर्व प्रथम आईमाताजी की आरती की गई। संस्था के अध्यक्ष पुनाराम बर्फा ने दीपावली की शुभकामनाएं दी। सचिव भलाराम सोलंकी ने बताया कि कथा वाचक संत कृपाराम महाराज व संत राजाराम के सानिध्य में सात दिवसीय भागवत कथा के आयोजन को लेकर चर्चा की गई। भागवत कथा का आयोजन 23 से 29 नवम्बर तक वडेर भवन में किया जाएगा। कथा वाचक संत कृपाराम कथा का वाचन करेंगे। 23 नवम्बर को विशाल शोभा यात्रा व वरघोड़ा निकाला जाएगा। इस अवसर पर संस्था के पूर्व सचिव सोहनलाल राठौड़, चिमनाराम चोयल, वीरमराम राठौड़ आदि मौजूद रहे।

गुरुदेव चौथमल की 147वीं जन्म जयंती मनाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सकल जैन संघ, मंजुनाथनगर, शिवनगर के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित स्वर्ण संयम आराधक वीरेन्द्रमुनि जी की पावन निश्रा में जैन दिवाकर, जगतवल्लभ गुरुदेव चौथमल जी की 147वीं जन्म जयंती श्री सिद्धगंगा सामूहिक भवन में मनाई गई। इस कार्यक्रम में पावन सान्निध्य प्रदान करने हेतु राजाजीनगर स्थानक से श्रमण संघीय उप प्रवर्तक, सेवा सुमेरु श्री पंकजमुनिजी, विजयनगर से प्रज्ञा ज्योति, संबोधि कुशल, साध्वी सुधाकंवरजी, यशवंतपुर से उप प्रवर्तनी दक्षिण सिंहनी साध्वी डॉ. दर्शनप्रभाजी, श्रीरामपुरम से प्रज्ञा किरण, प्रखर वक्ता साध्वी विपुलदर्शनाजी उपस्थित हुए। सभी साधु-साध्वी वृंदों ने चौथमल जी के गुण एवं जिन

शासन के प्रति भावों का वर्णन करते हुए बताया की बहुत कम ऐसे व्यक्ति होते है जिनके व्यक्तित्व एवं अद्भुत भाषण शैली से प्रवचन श्रवण करने मात्र से व्यक्ति की अंतरआत्मा परिवर्तित हो जाती है। गुणानुवाद करते हुए वीरेंद्रमुनि जी ने चौथमल जी का जीवन परिचय दिया एवं उनके द्वारा हुए अनेक समाज सुधारक कार्यों की व्याख्या की। दर्शनप्रभा श्री जी श्री सकल जैन संघ की अनुमोदना की। कार्यक्रम में अल्पाहार एवं गौतम प्रसादी के सम्पूर्ण लाभार्थी संघवी उत्तमचन्द पुष्पादेवी आच्छा परिवार थे। स्वर्ण एवं रजत सिक्को द्वारा लक्की ड्रॉ के लाभार्थी राजेश कुमार, हितेन कुमार कोठारी परिवार थे। प्रभावना के लाभार्थी वृद्धिचन्द, सुरेशकुमार पितलिया एवं रनितकुमार हर्षकुमार कोठारी परिवार थे। कार्यक्रम में चेन्नई से आशा विनोद गादिया, राजाजीनगर संघ के उपाध्यक्ष रोशन नाहर, मंत्री नेमीचंद दलाल, विजयनगर संघ से कन्हैयालाल सुराणा, घेवरचंद कटारिया, श्रीरामपुरम संघ के अध्यक्ष शांतिलाल खीवेंसरा, जीतो नार्थ चैप्टर के कोषाध्यक्ष संघवी नरेंद्रकुमार आच्छा, मोक्ष द्वार के संपादक गौतम ओस्तवाल आदि लोग उपस्थित थे। श्रीरामपुरम एल.एन पुरम की महिला मण्डल ने भोजन व्यवस्था सुचारू रूप से संभाली। स्वागत भाषण संघ के अध्यक्ष संघवी उत्तमचन्द आच्छा ने दिया। संघ के मंत्री राकेश दलाल ने धन्यवाद प्रस्ताव देते हुए पधारे हुए सभी महानुभावों का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन अंकित आच्छा ने किया।

स्वामी का कथन बच्चों को कलम के बदले तलवार दो सही नहीं: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने कहा कि यह सही नहीं है कि किसी स्वामीजी ने बच्चों को कलम की जगह तलवार देने की बात कही है। उन्होंने कहा वह जांच करेंगे कि इसके खिलाफ किन धाराओं के तहत कार्रवाई की इजाजत है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि मरुलाराध्य शिवाचार्य स्वामीजी के बयान पर कार्रवाई की जायेगी। धर्म गुरुओं को धर्म का प्रचार-प्रसार करना चाहिए। हम सभी धर्मगुरुओं का सम्मान करते हैं और उनके चरणों में गिरते हैं। हम श्रद्धा की दृष्टि से देखते हैं। उन्हें सभी के साथ समान व्यवहार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों के लिए भड़काऊ बातें करना उचित नहीं है। मुसलमानों सहित किसी भी धर्म के नेताओं को निष्पक्ष होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें राजनीति में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा हम कोविड घोटाले में किसी भी तरह की सेलेक्टिव राजनीति नहीं कर रहे हैं। हमने कोविड के कारण 2023 के चुनाव के दौरान भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। हमने यह भी बताया कि हम इसकी जांच करेंगे। तदनुसार, न्यायमूर्ति माइकल डी कुन्हा समिति का गठन किया गया और अंतरिम रिपोर्ट आ गई है।

पीपीई किट की खरीद के लिए सरकार को 14 करोड़ रुपये के नुकसान की खबर है। इसके अध्ययन के लिए कैबिनेट उप समिति का गठन किया गया है। उपचुनाव के बाद बैठक कर रिपोर्ट दी जायेगी।

उन्होंने कहा कि इसके बाद सरकार उस संबंध में कार्रवाई करेगी। हमें नहीं पता कि प्रह्लाद जोशी में जस्टिस माइकल डी कुन्हा की ईमानदारी के बारे में बात करने की शिष्टता है या नहीं। माइकल डी कुन्हा को न्यायाधीश के रूप में अच्छा अनुभव है। उन पर शक करना ठीक नहीं है। अगर भाजपा गलत नहीं कर रही तो डरने की क्या जरूरत है? मुझे नहीं पता कि इकबाल अंसारी ने यह बयान क्यों दिया कि मुसलमानों को केवल तभी तक श्रेय दिया जाता है जब तक सिद्धरामैया सत्ता में हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे सभी मुद्दों पर जवाब नहीं दे सकती। वक्फ मुद्दे पर भाजपा लगातार राजनीति कर रही है। आजाद भारत में सब बराबर हैं। मुस्लिम, दलित और पिछड़े वर्ग भी समाज में पिछड़े हैं। उन्हें सामने लाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जायेगी। इसमें तुष्टीकरण कहां है? उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार सभी का समान रूप से ख्याल रखेगी। मांड्या के एक मंदिर में दलितों को प्रवेश न देने का मामला शर्मनाक है। यह बात सामने आई है कि यह घटना एक मंदिर में हुई है। कई मंदिरों में ऐसा ही है। समाज को समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान को बांटना ठीक नहीं है। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार सबसे भ्रष्ट है, जहां भ्रष्टाचार के आधार पर चुनाव हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस पर कोई सफाई नहीं दे रहे हैं। इसके बजाय वे कर्नाटक सरकार पर आरोप लगा रहे हैं। अगर किसी ने भाजपा के निचले स्तर के नेताओं पर 700 करोड़ रुपये का आरोप लगाया था, तो वे इसे नजरअंदाज कर सकते थे। लेकिन उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जैसे पद पर बैठे व्यक्ति के लिए बिना किसी आधार के इस तरह की बातें करना ठीक नहीं है। महाराष्ट्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाला गठबंधन मिलकर चुनाव लड़ रहा है और हम जीतेंगे। कर्नाटक की 3 विधानसभा सीटों के उपचुनाव में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया समेत सभी ने खूब प्रचार किया है। चुनावी मैदान में जो आरोप-प्रत्यारोप सुनने को मिल रहे हैं, उन पर मतदाताओं ने गौर कर लिया है। मतदाताओं द्वारा उचित निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस तीनों तरफ से जीतेगी। इससे पहले कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने शनिवार को कहा था कि न्यायमूर्ति माइकल डी कुन्हा जांच आयोग ने कोविड-19 के दौरान उपकरणों और दवाओं की खरीद में कथित अनियमितताओं की जांच की है और तत्कालीन भाजपा मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा और पूर्व मंत्री बी श्रीरामुलु के खिलाफ मुकदमा चलाने की सिफारिश की है।

उपकरणों और दवाओं की खरीद में लूट

उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट है कि कोविड-19 के दौरान उपकरणों और दवाओं की खरीद में लूट हुई थी। मंत्री ने कहा कि रिपोर्ट कांग्रेस के इस आरोप को साबित करती है कि तत्कालीन सरकार ने स्थिति का दुरुपयोग करते हुए शवों पर पैसा कमाया। राव ने कहा कुछ खामियां थीं। महामारी के दौरान कोई भी उनसे सवाल नहीं कर सकता था। उस स्थिति का फायदा उठाते हुए, तत्कालीन सरकार ने नियमों का उल्लंघन करते हुए लूटपाट की और अपने लिए सुविधाजनक फैसले लिए। तब विपक्षी दल के रूप में, हमने (कांग्रेस) इस मुद्दे को उजागर करने की कोशिश की। राज्य में सत्ता में आने के बाद हमने जांच करने और रिपोर्ट सौंपने के लिए एक पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में जांच आयोग का गठन किया। उन्होंने कहा कि आयोग ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट सौंप दी है और दूसरी रिपोर्ट छह-सात महीनों में सौंपी जा सकती है, क्योंकि जांच के लिए बहुत सारे दस्तावेज हैं। राव ने कहा गठित कैबिनेट उप-समिति ने रिपोर्ट पर चर्चा की है और यह सच है कि तत्कालीन मुख्यमंत्री येदियुरप्पा और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री श्रीरामुलु का सीधे तौर पर नाम लिया गया है।

भाजपा-जेडीएस ने गारंटी रोकने की साजिश रची: डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि भाजपा-जेडीएस गठबंधन ने गृहलक्ष्मी समेत कांग्रेस सरकार की परियोजनाओं को रोकने की साजिश रची है। लेकिन यह संभव नहीं होगा। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा किसी भी तरह से गारंटी को रोकने की कोशिश कर रही है। पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा ने भी यही कहा था। लेकिन उन्होंने जवाब दिया कि उनके माथे पर रुकने की गारंटी नहीं लिखी है। लोगों को सावधान रहना चाहिए। बेहतर जीवन जीने के लिए माताओं को गृहलक्ष्मी दी जाती है। लेकिन भाजपा और जेडीएस पार्टियां मिलकर इसे रोकने की कोशिश कर रही हैं। उपचुनाव में तीनों विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस की जीत होगी।

भाजपा चाहे कोई भी रणनीति अपना ले, वह सफल नहीं होगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी तीनों निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल करेगी क्योंकि पिछले विधानसभा चुनाव में उसने 136 सीटों पर जीत हासिल की थी। इससे पहले शिवकुमार ने कांग्रेस सरकारों पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एटीएम टिप्पणी की आलोचना की और इसे झूठ करार दिया। शिवकुमार ने कहा यह झूठ है। किसी ने उन्हें गुमराह किया है। मुझे लगता है कि मुख्यमंत्री (सिद्धरामैया) पहले ही इस पर टिप्पणी कर चुके हैं कि अगर वह (प्रधानमंत्री मोदी) (आरोपों) को साबित कर देते हैं, तो वह राजनीति छोड़ देंगे। आपको और क्या चाहिए।

पीएम मोदी ने 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले महाराष्ट्र में भाजपा के लिए प्रचार करते हुए कांग्रेस पार्टी और विपक्षी गठबंधन पर चौतरफा हमला किया। अकोला में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कांग्रेस पार्टी पर कर्नाटक सहित उन राज्यों का उपयोग करने का आरोप लगाया, जहां वे सत्ता में हैं। पीएम मोदी ने पहले कहा जहां भी कांग्रेस की सरकार बनती है, वह राज्य कांग्रेस के शाही परिवार के लिए एटीएम बन जाता है। इन दिनों हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना उनके एटीएम बन गए हैं। महाराष्ट्र में चुनाव के नाम पर उन्होंने कर्नाटक में शराब विक्रेताओं से 700 करोड़ रुपये की लूट की है। आप कल्पना कर सकते हैं कि चुनाव जीतने के बाद वे कितनी लूट करेंगे। कई भाजपा नेताओं ने प्रधानमंत्री के आरोपों का बचाव किया, जबकि कांग्रेस पार्टी ने पलटवार करते हुए भाजपा से आत्मनिरीक्षण करने को कहा। शिवकुमार ने इस महीने की शुरुआत में कांग्रेस उम्मीदवार और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी के लिए प्रचार करने के लिए केरल के वायनाड का दौरा किया। वायनाड लोकसभा सीट के लिए उपचुनाव 13 नवंबर को होना है। उन्होंने कहा जब मैं वायनाड में प्रियंका के लिए प्रचार कर रहा था, तो मैंने देखा कि अन्य राजनीतिक दलों के कई लोग भी उनकी जीत की उम्मीद कर रहे हैं। यह एकतरफा चुनाव है और लोग चाहते हैं कि प्रियंका उनकी सांसद बनें। उन्हें प्रियंका के वहां चुनाव लड़ने पर गर्व है। मुझे पूरा विश्वास है कि वह अपने निर्वाचन क्षेत्र का बहुत अच्छा ख्याल रखेंगी। यह सीट राहुल गांधी द्वारा खाली की गई थी, जब उन्होंने वायनाड के साथ-साथ उत्तर प्रदेश की रायबरेली लोकसभा सीट पर भी जीत हासिल की और वायनाड को अपने पास रखने का फैसला किया। मतों की गिनती 23 नवंबर को होनी है।

प्याज की कीमतें शतक के करीब

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कुछ दिनों तक तटस्थ रही प्याज की कीमत दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है, जिससे उपभोक्ताओं की आंखों में आंसू आ रहे हैं। प्याज तो चाहिए ही। इसके बिना नाश्ता, खाना बनाना अधूरा है। इसलिए रसोई में प्याज का प्रमुख स्थान है। लेकिन राज्य के विभिन्न हिस्सों में मानसूनी बारिश के कारण फसल बर्बाद हो गयी है और तय मात्रा में माल बाजार में नहीं आने से कीमत बढ़ रही है। उत्तरी कर्नाटक के बेल्लारी, रायचूर, हुब्बल्ली-धारवाड़ और दावणगेरे जैसे हिस्सों में, जहां प्याज उगाए जाते हैं, किसानों का जीवन बहुत कठिन हो गया है क्योंकि काटी गई फसलें भारी बारिश के कारण सड़ गईं और नष्ट हो गईं। बाजार में गुणवत्तापूर्ण प्याज का स्टॉक कम होने और मांग बढ़ने के कारण बेंगलूरु में इसकी खुदरा बिक्री 60 से 80 रुपये प्रति किलो हो गई है।

महाराष्ट्र से प्याज का आयात किया जा रहा है, जिसकी आपूर्ति भी अपेक्षित मात्रा में नहीं हो पा रही है, जिसे कीमतों में बढ़ोतरी के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। एक ओर, आपूर्ति कम है और दूसरी ओर, मांग काफी बढ़ गई है, जिसके परिणामस्वरूप कीमत में वृद्धि हुई है। व्यापारियों का कहना है कि दिसंबर तक यह 150 रुपये तक पहुंच जाए तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं होगा। बारिश के बीच किसानों को फसल बचाने की जद्दोजहद करनी पड़ रही है और अगर स्टॉक में रखी फसल बाजार में आ भी गई है तो किसानों को उचित कीमत न मिलने पर उनसे कम कीमत पर प्याज खरीदा जा रहा है, इससे केवल बिचौलियों को फायदा हो रहा है और किसानों और उपभोक्ताओं पर बोझ पड़ रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने प्रज्वल रेवन्ना की जमानत याचिका खारिज की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को निलंबित जेडी(एस) सांसद प्रज्वल रेवन्ना की जमानत याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। उन पर संसद चुनाव के दौरान अश्लील वीडियो लीक होने के बाद कई महिलाओं के यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है। जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि उनके खिलाफ आरोप गंभीर हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रो-हतगी और अधिवक्ता बालाजी श्रीनिवासन ने दलील दी कि हालांकि आरोप गंभीर हैं, लेकिन शिकायत में शुरू में आईपीसी की धारा 376 के तहत बलात्कार के आरोपों का जिक्र नहीं है। पीठ ने रेवन्ना के वकील से कहा आप बहुत शक्तिशाली हैं। वकील ने कहा कि आरोप पत्र दाखिल हो चुका है और याचिकाकर्ता, जो सांसद थे, पहले ही चुनाव हार चुके हैं। हालांकि, अदालत याचिका पर विचार करने के लिए इच्छुक नहीं थी। वकील ने अदालत से अनुरोध किया कि याचिकाकर्ता को छह महीने बाद आवेदन को नवीनीकृत करने की अनुमति दी जाए। पीठ ने कहा हम कुछ नहीं कहेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के पोते रेवन्ना ने विशेष अनुमति याचिका में कर्नाटक उच्च न्यायालय के 21 अक्टूबर के आदेश की आलोचना की, जिसमें उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी।

उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें कहा गया था कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप प्रथम दृष्टया वासना और इंद्रियों की भ्रष्टता को दर्शाते हैं, जिसका समाज पर भयावह प्रभाव पड़ा है। प्रज्वल के पिता एच डी रेवन्ना को इस मामले में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन बाद में उन्हें जमानत दे दी गई। उनकी मां भवानी रेवन्ना, जिनका नाम भी शिकायत में आरोपी के रूप में दर्ज है, को अग्रिम जमानत मिल गई। प्रज्वल को 31 मई को बेंगलूरु हवाई अड्डे से सीआईडी की एसआईटी ने गिरफ्तार किया था, जब वह जर्मनी से लौटे थे, जहां वह 35 दिनों तक छिपे थे, क्योंकि सैकड़ों अश्लील वीडियो सामने आए थे, जिनमें कथित तौर पर उन्हें कई महिलाओं के साथ दिखाया गया था। वह संसदीय क्षेत्र हासन में मतदान के एक दिन बाद 27 अप्रैल को जर्मनी के लिए रवाना हुए थे।

वह लोकसभा चुनाव में 40,000 से अधिक मतों से हार गए थे। अपनी याचिका में याचिकाकर्ता ने दावा किया कि मौजूदा एफआईआर राजनीतिक विरोधियों द्वारा उनके प्रभाव और लोकप्रिय समर्थन को खत्म करने के लिए रची गई एक सोची-समझी कार्रवाई है। प्रथम सूचनाकर्ता केवल एक प्रतिनिधि के रूप में काम करता है, जो इन विरोधियों की ओर से उत्पीड़न की इस रणनीति को अंजाम देता है। याचिकाकर्ता ने यह भी दावा किया कि उच्च न्यायालय ने एफआईआर दर्ज करने में वर्षों की देरी को समझने में विफल रहा और शिकायत दर्ज करने के समय और चुनाव की तारीख के करीब सूचनाकर्ता के टेलीविजन पर आने के निहितार्थों को भी नजरअंदाज कर दिया। साथ ही सरकारी अधिकारियों द्वारा राजनीतिक रूप से आरोपित बयानों से संभावित रूप से राजनीति से प्रेरित निहितार्थ का संकेत मिलता है। याचिका में यह भी कहा गया कि उच्च न्यायालय यह पहचानने में विफल रहा कि एफआईआर दर्ज होने से पहले मुख्यमंत्री द्वारा कथित अपराधों में संलिप्तता का आरोप लगाने वाले सार्वजनिक बयान पूर्वाग्रह से प्रेरित थे और जांच को प्रभावित कर सकते थे। जिससे याचिकाकर्ता के निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार पर असर पड़ सकता था।

युवक पर आवारा कुत्ते से बलात्कार करने का प्रयास करने का मामला दर्ज

चिक्कमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले में एक युवक के खिलाफ कथित तौर पर एक आवारा कुत्ते के साथ बलात्कार करने का प्रयास करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। घटना चिक्कमगलूरु शहर के जयापुरा पुलिस स्टेशन की सीमा से रिपोर्ट की गई और जांच के दौरान घटना के संबंध में प्राप्त सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी की पहचान चिक्कमगलूरु के कट्टिमने इलाके के निवासी शिवराज के रूप में की है। इस विचलित करने वाली घटना का वीडियो जिले में सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना 18 अक्टूबर को जयानगर बस स्टॉप पर हुई थी, लेकिन 9 नवंबर को ही इसका पता चला, जब बस स्टॉप में एक दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरे में अश्लील हरकतों वाला वीडियो सामने आया।

इसमें आरोपी कुत्ते को अपने हाथों में पकड़कर अश्लील हरकतें करते और उसे प्रताड़ित करते हुए दिखाई दे रहा है। पुलिस ने बीट कांस्टेबल की शिकायत पर घटना का स्वत: संज्ञान लिया है। इस घटना से लोगों और पशु प्रेमियों में आक्रोश है। पुलिस ने कहा है कि आरोपी को हिरासत में लेकर उससे घटना के बारे में पूछताछ की जाएगी। घटना के बारे में अभी और जानकारी सामने आनी बाकी है। फरवरी 2022 में, आंध्र प्रदेश के एक पूर्व सांसद के पोते, 23 वर्षीय युवक ने बेंगलूरु के सिद्धपुरा पुलिस स्टेशन की सीमा में जानबूझकर अपनी ऑडी कार से लारा नामक एक स्ट्रीट डॉग को कुचल दिया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था और लोगों में आक्रोश फैल गया था। बाद में, घटना के संबंध में शिकायत दर्ज कराने वाले पशु कार्यकर्ताओं को धमकी दी गई कि उनका भी वही हश्र होगा जो मारे गए आवारा कुत्ते का हुआ था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर 10 लाख रुपये के मुचलके पर रिहा कर दिया था। उन्होंने उसे सख्त चेतावनी दी थी कि अगर वह जानवरों के साथ क्रूरता करता है, तो उसे सलाखों के पीछे डाल दिया जाएगा।

बेंगलुरु में महिला और उसके साथियों पर गृहिणियों को धोखा देने का मामला दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हाई ग्राउंड्स पुलिस ने एक महिला और उसके साथियों के खिलाफ लोन देने के नाम पर हजारों गृहिणियों को ठगने के आरोप में मामला दर्ज किया है। पीड़ितों में से एक द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत में कहा गया है कि आरोपियों ने एक सहकारी समिति बनाई थी और नया व्यवसाय शुरू करने के लिए 1 लाख से 25 लाख तक के लोन का विज्ञापन दिया था। यह लोन 15 दिनों के भीतर स्वयं सहायता योजना के तहत वितरित किया जाएगा। जब यह बात फैली, तो गृहणियों ने नामांकन कराया और 3,000 से 5,000 तक की प्रोसेसिंग फीस का भुगतान किया। आरोपियों ने उन सदस्यों को विशेष सुविधाएं भी दीं, जो अधिक लोगों को सदस्यता दिलाते हैं। शिकायत में कहा गया है कि प्रोसेसिंग फीस लेने के बाद आरोपी ने कार्यालय बंद कर दिया और भाग गए, और शहर के दूसरे हिस्से से उसी कार्यप्रणाली का उपयोग करके काम करना शुरू कर दिया। आरोपियों की पहचान रेशमा बानू, तौसिया अंजुम, आनंद और अन्य के रूप में हुई है। पुलिस ने उन पर धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और शांति भंग करने के लिए जानबूझकर अपमान करने के आरोप में मामला दर्ज किया। पुलिस अब आरोपियों की तलाश कर रही है।

अगर साबित कर दिया कि कांग्रेस ने 700 करोड़ जुटाए तो संन्यास ले लूंगा: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में भाजपा और कांग्रेस के बीच लगातार आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। अब मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साबित कर दें कि कांग्रेस सरकार ने चुनावी राज्यों के लिए 700 करोड़ रुपये जुटाए हैं तो वह राजनीति से संन्यास ले लेंगे। सिद्धरामैया ने मोदी को चुनौती दी कि अगर वह महाराष्ट्र के अकोला में लगाए गए अपने आरोपों को साबित करने में असफल रहते हैं तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने रविवार रात हावेरी जिले के शिग्गांव में एक चुनावी रैली में कहा मुझे यह देखकर आश्चर्य होता है कि देश के प्रधानमंत्री इतना झूठ बोलते हैं। महाराष्ट्र में कहीं प्रचार करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा था कि कर्नाटक में कांग्रेस ने महाराष्ट्र, झारखंड भेजने और उप-

चुनावों पर खर्च करने के लिए आबकारी विभाग के माध्यम से 700 करोड़ रुपये एकत्र किए हैं। सीएम ने कहा मैं आज नरेंद्र मोदी को चुनौती देता हूं कि अगर वह इन आरोपों को साबित कर पाए तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा। अगर आप ऐसा नहीं कर सकते तो आपको रिटायर हो जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि जब प्रधानमंत्री इस तरह के आरोप लगाते हैं तो उन्हें सच सामने लाना चाहिए। मगर यह आरोप इससे काफी दूर हैं। भारत में इस तरह पहले कभी कोई प्रधानमंत्री नहीं देखा गया, जो इतना झूठ बोलता हो। ज्ञातव्य है कि महाराष्ट्र के अकोला में एक जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री ने कहा था, 'महाराष्ट्र में चुनाव के नाम पर कर्नाटक में जबरन वसूली दोगुनी हो गई है। जहां चुनाव महाराष्ट्र में हैं, कर्नाटक और महाराष्ट्र में जबरन वसूली हो रही है। ऐसे आरोप हैं कि कर्नाटक में इन लोगों (कांग्रेस) ने शराब की दुकानों से 700 करोड़ रुपये की उगाही की है।

कर्नाटक में तीन विधानसभा उपचुनावों के लिए प्रचार समाप्त

नेताओं ने किए अंतिम प्रयास

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक में तीन विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनावों के लिए प्रचार सोमवार को समाप्त हो गया। सत्तारूढ़ कांग्रेस और भाजपा-जद(एस) गठबंधन के नेताओं ने मतदाताओं को लुभाने के लिए अंतिम प्रयास किया, क्योंकि नतीजे निर्णायक माने जा रहे हैं। इस साल आम चुनावों में तीन विधायकों के लोकसभा में निर्वाचित होने के कारण तीन विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव जरूरी हो गए हैं। हाई-प्रोफाइल चन्नपट्टना सीट का प्रतिनिधित्व केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी करते थे। शिग्गांव विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व पूर्व सीएम और भाजपा सांसद बसवराज बोम्मई करते थे और संदूर सीट का प्रतिनिधित्व पूर्व मंत्री और कांग्रेस सांसद ई. तुकाराम करते थे। चन्नपट्टना सीट पर जद(एस), शिग्गांव पर भाजपा और संदूर सीट पर कांग्रेस पार्टी ने पहले जीत दर्ज की थी। संदूर (एसटी रिजर्व) विधानसभा सीट पर भाजपा कभी जीत नहीं पाई है। कांग्रेस ने पूर्व मंत्री तुकाराम की पत्नी अन्नपूर्णा तुकाराम को अपना उम्मीदवार बनाया है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने पांच दिनों तक इस सीट पर डेरा डाला और जमकर प्रचार किया। भाजपा ने पार्टी के राज्य एसटी मोर्चा अध्यक्ष बंगारू हनुमंतु को अपना उम्मीदवार बनाया है। महर्षि वाल्मीकि आदिवासी कल्याण बोर्ड मामले के बाद पार्टी को पहली बार यह सीट जीतने की उम्मीद है।

इसके अलावा खनन कारोबारी और विधायक गली जनार्दन रेड्डी और पूर्व मंत्री बी. श्रीरामुलु के प्रयासों से भाजपा को अधिक वोट मिलने की उम्मीद है। श्रम मंत्री संतोष लाड, कांग्रेस सांसद तुकाराम, आदिवासी कल्याण घोटाले में जेल गए विधायक बी. नागेंद्र सीट जीतने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। शिग्गांव में भाजपा खेमा नतीजों को लेकर उत्साहित है, क्योंकि पार्टी को कांग्रेस पार्टी द्वारा मैदान में उतारे गए मुस्लिम उम्मीदवार के खिलाफ हिंदू वोटों के ध्रुवीकरण की उम्मीद है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने घोषणा की है कि उनकी पार्टी पहले ही सीट जीत चुकी है। पूर्व सीएम बसवराज बोम्मई के बेटे भरत बोम्मई भाजपा उम्मीदवार हैं और यासिर अहमद खान पठान कांग्रेस उम्मीदवार हैं। मंत्री जमीर अहमद खान ने सीट की जिम्मेदारी संभाली है और उपचुनाव की घोषणा के बाद सांसद बसवराज बोम्मई निर्वाचन क्षेत्र में डेरा डाले हुए हैं। हाई-प्रोफाइल चन्नपट्टना सीट पर एनडीए और कांग्रेस पार्टी के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। जेडीएस के उम्मीदवार निखिल कुमारस्वामी कांग्रेस के पूर्व वरिष्ठ भाजपा नेता सी.पी. योगेश्वर को चुनौती दे रहे हैं। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और उनके भाई पूर्व कांग्रेस सांसद डी.के. सुरेश ने कांग्रेस उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने को प्रतिष्ठा का सवाल बना लिया है। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा का परिवार निखिल की जीत सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है।

दिवालिया राज्य सरकार करेगी गृह लक्ष्मी योजना बंद: देवेगौड़ा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जेडीएस के संरक्षक और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने कहा कि दिवालिया कर्नाटक सरकार 'गृह लक्ष्मी' योजना को बंद कर देगी। रविवार को एक चुनावी रैली में जेडीएस के संरक्षक ने कहा कांग्रेस सरकार ने खजाना खाली कर दिया है।

पूरे राज्य में महिलाओं के बैंक खातों के लिए कोई गृह लक्ष्मी फंड नहीं है, लेकिन उन्होंने (कांग्रेस ने) चुनाव को ध्यान में रखते हुए चन्नपट्टना निर्वाचन क्षेत्र की महिलाओं के खातों में विशेष रूप से पैसे जमा किए हैं। गौड़ा अपने पोते निखिल कुमारस्वामी के लिए वोट मांगने चन्नपट्टना में थे, जो जेडीएस के टिकट पर विधानसभा उपचुनाव लड़ रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा यह सरकार दिवालिया हो चुकी है। चुनाव के बाद वे फिर से पैसा जमा करना बंद कर देंगे। उनके पास बेंगलूरु में गड्ढे भरने के लिए भी पैसे नहीं हैं। लोग गुस्से में हैं। इससे पहले चन्नपट्टना विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में अपने पोते निखिल कुमारस्वामी के लिए प्रचार करते हुए जेडीएस सुप्रीमो एचडी देवेगौड़ा ने लोगों से एनडीए के जेडीएस-भाजपा उम्मीदवार को वोट देने और भ्रष्ट कांग्रेस शासन को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया था। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा मैं यह दावा नहीं करता कि मैंने इस निर्वाचन क्षेत्र को बनाया है लेकिन लोग मेरे योगदान को जानते हैं। उन्होंने कहा मैं निखिल कुमारस्वामी को अपना समर्थन देने आया हूं। मैंने इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिसमें यहां डेयरी क्षेत्र को मजबूत करना भी शामिल है। उन्होंने कहा उन्होंने चन्नपट्टना में पानी लाने के लिए इग्गलूर बांध का निर्माण किया था। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर हमला करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को लोकायुक्त पुलिस के सामने पेश होना पड़ा। उन्होंने कहा मैं एक किसान का बेटा हूं। मैं किसानों की मुश्किलों को समझता हूं। लोग कहते हैं कि मैं यहां सिर्फ अपने पोते को जिताने के लिए आया हूं। लेकिन मैं कहता हूं कि आपके आशीर्वाद से मैं इस सरकार के खिलाफ लड़ाई जारी रखने के लिए कुछ और साल जीने की उम्मीद करता हूं। यह सरकार राज्य को लूट रही है। जब तक वे सत्ता में रहेंगे, यहां शांति नहीं होगी, गरीबों और किसानों के लिए कोई स्थिरता नहीं होगी। उन्होंने लोगों से कनकपुरा जाकर देखने को कहा कि कैसे डीके भाइयों (शिवकुमार और सुरेश) ने दूसरों की जमीन लूटी है और कहा कि कर्नाटक को दुष्ट कांग्रेस शासन से मुक्त किया जाना चाहिए।

नवजात की मौत के बाद महिला ने अस्पताल की चौथी मंजिल से छलांग लगाई

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
हाल ही में बच्चे को जन्म देने वाली और बीमारी के कारण नवजात शिशु को खोने वाली एक महिला ने सोमवार को लेडी गोशेन अस्पताल की चौथी मंजिल से कूदकर अपनी जान दे दी। मृतक की पहचान करकला निवासी रंजीता (28) के रूप में हुई है। उसे प्रसव के लिए पहले करकला के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन बाद में स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के कारण 28 अक्टूबर को उसे मेंगलूरु के लेडी गोशेन अस्पताल में रेफर कर दिया गया।

रंजीता ने 30 अक्टूबर को एक बच्चे को जन्म दिया। हालांकि, नवजात शिशु को आईसीयू में रखा गया और 3 नवंबर को उसकी मौत हो गई। डॉक्टरों ने रंजीता को सोमवार को छुट्टी देने की सलाह दी थी, क्योंकि वह अपनी बीमारी से ठीक हो गई थी। घटना के समय उसके परिवार के सदस्य अस्पताल में मौजूद थे। बिना किसी चेतावनी के, रंजीता ने कथित तौर पर अस्पताल की चौथी मंजिल से छलांग लगा दी। उसे तुरंत वेनलॉक अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कर्नाटक के मंत्री जमीर अहमद ने पूर्व सीएम कुमारस्वामी पर की विवादित टिप्पणी

जेडीएस ने की मंत्री को बर्खास्त करने की मांग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के मंत्री बी जेड जमीर अहमद खान ने केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी पर विवादित टिप्पणी कर एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। दरअसल जमीर अहमद ने कुमारस्वामी के खिलाफ रंगभेदी टिप्पणी की। जेडीएस ने कर्नाटक सरकार से जमीर अहमद के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए उन्हें पद से बर्खास्त करने की मांग की। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी जमीर अहमद के बयान की निंदा की और इसे लेकर कांग्रेस सरकार को घेरा। रविवार को रामनगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए जमीर अहमद ने कहा कि चन्नपट्टना सीट से कांग्रेस उम्मीदवार सीपी योगेश्वर के पास भाजपा में शामिल होने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी में कुछ मतभेदों के चलते योगेश्वर ने बतौर निर्दलीय चुनाव लड़ा। ऐसे में उनके पास भाजपा में शामिल होने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। वह जेडीएस में शामिल होने के लिए तैयार नहीं थे क्योंकि, कुमारस्वामी भाजपा से भी ज्यादा खतरनाक हैं। अब वे (योगेश्वर) वापस घर (कांग्रेस) आ गए हैं। जमीर अहमद ने दावा किया कि कुमारस्वामी ने कहा था कि उन्हें मुस्लिम वोटों की जरूरत नहीं हैं। चुनावी सभा के दौरान खान ने कहा कि कुमारस्वामी के कथित बयान का ऑडियो चलाया, जिसमें कथित तौर पर कुमारस्वामी ने कहा कि मेरी राजनीति मुस्लिम वोटों पर निर्भर नहीं है। मैं ये साफ कर दूं कि मुझे हिजाब की जरूरत नहीं है। इसके बाद जमीर अहमद ने कहा कि कुमारस्वामी कहते हैं कि उन्हें हिजाब नहीं चाहिए, बल्कि उन्हें मुस्लिम वोट चाहिए। क्या आप उन्हें वोट देंगे? उन्होंने कहा कि कुमारस्वामी को लगता है कि वे मुस्लिम वोट खरीद सकते हैं। खान ने भीड़ की नारों के बीच कहा कुमारस्वामी, मुझे अपनी बोली की रकम बताओ। मुस्लिम समुदाय इतना पैसा जुटाएगा कि उससे आपका पूरा कुनबा खरीदा जा सके। इसी बीच जेडी(एस) ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में जमीर खान की टिप्पणी को नस्लवादी करार दिया। जेडीएस ने कहा आप देवगौड़ा के परिवार को खरीदने की बात कर रहे हैं। जिन्होंने आपको राजनीतिक रूप से आगे बढ़ाया, लेकिन आपकी ये ताकत और लालच लंबे समय तक नहीं चलेगा। पार्टी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, मंत्रियों एचसी महादेवप्पा, सतीश जारकीहोली, प्रियांक खड़गे और केएच मुनियप्पा का रंग बताने को भी कहा। जेडीएस ने लिखा कि ऐसी घटिया मानसिकता वाले व्यक्ति को तुरंत मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जाए। संसदीय मामलों के केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी जमीर खान के बयान की आलोचना की। रिजिजू ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में लिखा कि मैं कांग्रेस के मंत्री जमीर अहमद द्वारा केंद्रीय मंत्री और कर्नाटक के पूर्व सीएम कुमारस्वामी के खिलाफ विवादित टिप्पणी की कड़ी निंदा करता हूं। यह एक नस्लवादी टिप्पणी है, ठीक वैसे ही जैसे राहुल गांधी के सलाहकार ने दक्षिण भारतीयों को अफ्रीकी, पूर्वोत्तर के लोगों को चीनी और उत्तर भारतीयों को अरब बताया था।

सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को एजेंट बताने का मामला

कर्नाटक के मंत्रियों ने केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कांग्रेस ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत से केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी के खिलाफ जांच प्रक्रिया को कमजोर करने और सेवानिवृत्त न्यायाधीश को एजेंट कहने के लिए कार्रवाई शुरू करने की याचिका दायर की है। सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश माइकल डी कुन्हा ने कोविड-19 के दौरान भाजपा के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार द्वारा की गई खरीद में कथित अनियमितताओं की जांच की थी। राज्यपाल से मामले को राष्ट्रपति के ध्यान में लाने और केंद्रीय मंत्री के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता पर प्रकाश डालने का आग्रह करते हुए, मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा और दिनेश गुंडू राव ने कहा कि केंद्रीय मंत्री का बयान उनके इरादों और उन कार्यों के लिए जवाबदेही की जांच की मांग करता है जो जांच आयोग अधिनियम, 1952 के सिद्धांतों का उल्लंघन करते हैं। राज्यपाल को सौंपे गए पत्र में कहा गया है कि यह न्याय को कमजोर करता है और उचित प्रक्रिया में हस्तक्षेप के लिए एक खतरनाक मिसाल कायम करता है। भाजपा ने कांग्रेस सरकार पर कोविड प्रबंधन में अनियमितताओं पर अंतरिम रिपोर्ट प्राप्त करके बदले की राजनीति में लिप्त होने का आरोप लगाया। 9 नवंबर को शिग्गांव में उपचुनाव के लिए एक राजनीतिक रैली को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा (सेवानिवृत्त न्यायाधीश) माइकल डी'कुन्हा हमेशा हमारे खिलाफ थे। चुनाव से पहले अंतरिम रिपोर्ट (कोविड-19 प्रबंधन के लिए खरीद में अनियमितताओं पर) देने की क्या जरूरत थी? सरकार पिछले डेढ़ साल से क्या कर रही थी? आप एक न्यायाधीश हैं, एजेंट नहीं। दोनों मंत्रियों ने राज्यपाल से कहा कि जोशी ने संवैधानिक रूप से स्वीकृत जांच का राजनीतिकरण करने और उसे कलंकित करने का जानबूझकर प्रयास किया, जिससे प्रक्रिया में जनता का विश्वास टूटा। मंत्रियों ने अपनी अपील में कहा हम कर्नाटक के लोगों के लिए न्याय और हमारी न्यायिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता बनाए रखने की मांग करते हैं। हम अनुरोध करते हैं कि जोशी को न केवल हमारे संस्थानों में विश्वास बहाल करने के लिए बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए भी जवाबदेह ठहराया जाए कि सत्ता में कोई भी व्यक्ति बिना किसी परिणाम के जांच को खारिज या कमजोर नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि डी कुन्हा आयोग ने न केवल तत्कालीन भाजपा सरकार द्वारा विश्वासघात को उजागर किया है, बल्कि सार्वजनिक सेवा के अभ्यास के साथ विश्वासघात भी किया है। मंत्रियों ने दावा किया रिपोर्ट ने कर्नाटक में लोगों की भावनाओं को उचित रूप से भड़काया है और निजी लाभ के लिए मानवीय संकट का दोहन करने को उजागर किया है। आयोग ने धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग सहित आपराधिक कृत्यों को निर्णायक रूप से उजागर किया है और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा चलाने की सिफारिश की है।

किसानों को बेदखल नहीं किया जाएगा

राज्य सरकार किसी भी गारंटी को बंद नहीं करेगी: सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने उपचुनावों से पहले प्रचार के आखिरी दिन घोषणा की कि राज्य सरकार किसी भी गारंटी को बंद नहीं करेगी और इस बात पर जोर दिया कि वक्फ बोर्ड के लाभ के लिए किसानों को उनकी कृषि भूमि से बेदखल नहीं किया जाएगा। डोड्डमल्लूर में एक बड़ी सार्वजनिक रैली में बोलते हुए, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि जिस तरह सूरज पूर्व में उगता है, उसी तरह चन्नपट्टना में कांग्रेस उम्मीदवार सी.पी. योगेश्वर जीतेंगे। गौड़ा की इस टिप्पणी पर टिप्पणी करते हुए कि उपचुनावों के बाद सरकार सभी गारंटी समाप्त कर देगी, सिद्धरामैया ने स्पष्ट किया कि गारंटी सहित कोई भी वादा समाप्त नहीं होगा। एक बार जब सिद्धरामैया कुछ वादा करते हैं, तो उसे वापस नहीं लिया जाएगा, चाहे कुछ भी हो। हमारी सरकार किसी भी गारंटी को बंद नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि वक्फ के बारे में भी भाजपा झूठ फैला रही है। सिद्धरामैया ने स्पष्ट किया हमने आधिकारिक घोषणा कर दी है कि किसी भी परिस्थिति में किसी भी किसान को उसकी जमीन से बेदखल नहीं किया जाएगा। चन्नपट्टना निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार के अंतिम दिन पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा पर तीखा हमला करते हुए उन्होंने कहा कि गौड़ा की सामंतवादिता उन्हें ही जलाएगी। उन्होंने कहा इससे हमें कोई नुकसान नहीं हो सकता। सिद्धरामैया ने कहा कि एनडीए उम्मीदवार निखिल कुमारस्वामी मांड्या लोकसभा और रामनगर विधानसभा दोनों चुनावों में हार गए थे और अब वे उन्हें चन्नपट्टना से चुनाव लड़ने के लिए लाए हैं। लोकसभा चुनावों के दौरान योगेश्वर ने भाजपा उम्मीदवार सी.एन. मंजूनाथ की जीत के लिए कड़ी मेहनत की थी, जो केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के साले और देवेगौड़ा के दामाद हैं। उस समय कुमारस्वामी ने विधानसभा चुनाव में योगेश्वर का समर्थन करने का वादा किया था, लेकिन जब समय आया तो उन्होंने उनका साथ छोड़ दिया। सिद्धरामैया ने देवगौड़ा और कुमारस्वामी पर वोक्कालिगा समुदाय के नेताओं के विकास में बाधा डालने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा वे किसी भी मजबूत वोक्कालिगा नेता को उभरने नहीं देंगे। उन्होंने पहले भी वोक्कालिगा समुदाय से आने वाले दिवंगत वाई.के. रामय्या, नागे गौड़ा, बच्चे गौड़ा, वरदे गौड़ा, पुट्टन्ना जैसे नेताओं को खत्म किया है। अब वे उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और उनके भाई डी.के. सुरेश का करियर खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे सफल नहीं होंगे। मैंने जेडी (एस) विधायक जी.टी. देवगौड़ा को भी चेतावनी दी है कि वे जेडी (एस) पार्टी छोड़ दें, इससे पहले कि वे आपको भी बर्बाद कर दें।

कश्मीर पुलिस की ट्रैकरों को सलाह सूचित कर ट्रेकिंग के लिए निकलें

जम्मू, 11 नवम्बर (ब्यूरो)। कश्मीर पुलिस ने रविवार को श्रीनगर के जबरवान इलाके के पास आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच गोलीबारी में दो ट्रेकर्स के फंसने के बाद ट्रैकर्स और एडवेंचर के शौकीनों के लिए एक महत्वपूर्ण सुरक्षा सलाह जारी की। पुलिस ने कहा है कि संबंधित इलाकों में पुलिस को सूचना देकर ही वे ट्रैकिंग के लिए निकला करें। इस क्षेत्र की खोज कर रहे ट्रेकर्स ने पुलिस को सतर्क कर दिया और आपातकालीन नंबर 100 डायल करने के बाद उन्हें सुरक्षित रूप से क्षेत्र से बाहर निकाल लिया गया।

यह घटना तब हुई जब सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी के आधार पर ज़बरवान वन क्षेत्र में एक अभियान शुरू किया। अभियान के दौरान, ट्रेकर्स ने खुद को आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी के बीच पाया। अपनी जान के डर से, ट्रेकर्स खुद को बचाने के लिए चट्टानों के पीछे छिप गए। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए, ट्रेकर्स में से एक ने तुरंत 100 डायल किया और पुलिस को उनके स्थान के बारे में सूचित किया। पुलिस नियंत्रण कक्ष (पी-सीआर) की त्वरित प्रतिक्रिया ने बचाव अभियान के समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पुलिस अधिकारियों को तुरंत सतर्क किया गया और ट्रेकर्स को सुरक्षित निकालने के लिए एक बचाव दल भेजा गया। अभियान को कुछ समय के लिए रोक दिया गया ताकि उन्हें निकाला जा सके। सौभाग्य से, इस दौरान किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। कश्मीर पुलिस प्रमुख विधि कुमार बिरदी ने ट्रेकर्स द्वारा अपनी यात्रा योजनाओं और अपेक्षित मार्गों के बारे में पहले से ही निकटतम पुलिस स्टेशन को सूचित करने के महत्व पर जोर दिया। यह अभ्यास, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहाँ सुरक्षा अभियान चल रहे हैं, अप्रत्याशित घटनाओं के मामले में ट्रेकर्स की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को तेजी से कार्य करने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह प्रोटोकाल सुनिश्चित करता है कि अप्रत्याशित घटनाएं होने पर हम उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तेज़ी से कार्य कर सकें।

जबरवान क्षेत्र, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है, विशेष रूप से शरद ऋतु के मौसम में एक लोकप्रिय ट्रेकिंग गंतव्य है। दुनिया भर से पर्यटक ट्रेकिंग और स्कीइंग के लिए कश्मीर आते हैं। हालांकि, अधिकारियों ने पाया है कि कुछ ट्रेकर्स अधिकारियों को सूचित किए बिना दूरदराज के क्षेत्रों में चले जाते हैं, जिससे कभी-कभी सुरक्षा संबंधी चिंताएं पैदा होती हैं, खासकर जब क्षेत्र में सुरक्षा अभियान चल रहे हों।

पुलिस के अनुसार, इस विशेष घटना में ट्रेकर्स भाग्यशाली थे कि उनमें से एक ने मदद के लिए फोन करने की सूझबूझ दिखाई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि सौभाग्य से, उनमें से एक को एक विचार आया और उसने 100 नंबर डायल किया। पुलिस ने कहा कि ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों को सूचना देने में पीसीआर के त्वरित समन्वय ने संभावित त्रासदी को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अधिकारियों ने स्थानीय लोगों और पर्यटकों से भी आग्रह किया है कि वे हेल्पलाइन सेवाओं का उपयोग करें, जिसमें 100 नंबर डायल करना या सीधे नजदीकी पुलिस स्टेशनों से संपर्क करना शामिल है, अगर वे खुद को तत्काल सहायता की आवश्यकता वाली स्थिति में पाते हैं।

मेरठ के अपर नगर आयुक्त का कारनामा

1100 करोड़ की जमीन जर्मन कंपनी को बेच डाली

मेरठ, 11 नवंबर (एजेंसियां)। कानपुर के अपर नगर आयुक्त ने मोदी रबर की बेशकीमती जमीन जर्मन कंपनी को बेच डाली। जमीन का दाखिल खारिज करने वाले तत्कालीन सरधना एसडीएम अमित कुमार भारतीय प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए हैं। शासन की ओर से उन्हें आरोप पत्र जारी किए गए हैं। भारतीय वर्तमान में अपर नगर आयुक्त कानपुर पद पर कार्यरत हैं। शासन ने आरोपों की जांच के लिए कानपुर मंडलायुक्त को जांच अधिकारी बनाया है। भारतीय को विभागीय पक्ष रखने के लिए तमाम दस्तावेज उपलब्ध कराने के आदेश दिए हैं। इस मामले में जांच में तत्कालीन एसडीएम के फंसने के बाद अन्य अधिकारियों के नाम भी सामने आ सकते हैं। वर्तमान में जमीन की कीमत 1100 करोड़ रुपए बताई गई है।

मैसर्स मोदी रबर लिमिटेड को 1972 में 30 वर्ष के लिए मोदीपुरम में 117 एकड़ सरकारी जमीन गवर्नमेंट ग्रांट एक्ट के अंतर्गत लीज पर दी गई थी। मोदी रबर ने 2010 में इस जमीन को जर्मनी की कंपनी कॉन्टिनेंटल को बेच दिया था। 2020 में सरधना के तत्कालीन एसडीएम अमित कुमार भारतीय ने इस जमीन का दाखिल खारिज कॉन्टिनेंटल के नाम कर दिया था। आरटीआई कार्यकर्ता लोकेश खुराना ने तत्कालीन कमिश्नर सुरेंद्र सिंह से शिकायत करते हुए मोदी रबर पर अरबों की जमीन का घोटाला करने का आरोप लगाया था।

बताया था कि सरकार की श्रेणी 1 (ख) की यह भूमि है, जिसका नामांतरण या हस्तांतरण नहीं हो सकता। कमिश्नर ने तीन आईएएस अधिकारियों तत्कालीन अपर आयुक्त वी चैत्रा, एमडीए वीसी मृदुल चौधरी, एसडीएम सदर संदीप भागिया से इस मामले की जांच कराई थी। जांच रिपोर्ट शासन को भेजी गई थी। जांच के बाद लोकेश खुराना ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका भी डाली थी। जांच रिपोर्ट के आधार पर अब शासन ने तत्कालीन एसडीएम सरधना अमित कुमार भारतीय को इस मामले में प्रथम दृष्टया दोषी पाते हुए उन्हें आरोप पत्र जारी किया है। साथ ही उन पर आरोपों की जांच के लिए कानपुर मंडलायुक्त को जांच अधिकारी नियुक्ति किया है।

बीएसएफ ने त्रिपुरा में 2024 में पकड़े 623 रोहिंग्या-बांग्लादेशी

अगरतला, 11 नवंबर (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने वर्ष 2024 में 600 से अधिक बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को गिरफ्तार किया है। यह सभी त्रिपुरा और बांग्लादेश के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा से घुसने का प्रयास कर रहे थे। इनके साथ ही इनके भारतीय मददगारों को भी गिरफ्तार किया गया है।

बीएसएफ के आईजी पटेल पीयूष पुरुषोत्तम दास ने त्रिपुरा की सांसद कीर्ति देब बर्मा को हालिया मुलाकात में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 2024 में 623 रोहिंग्या-बांग्लादेशी और 52 भारतीय मददगार गिरफ्तार किए गए हैं। 623 में से 52 रोहिंग्या जबकि 571 बांग्लादेशी हैं। इसके अलावा बीएसएफ ने 87 करोड़ की ड्रग्स भी जब्त की है। बीएसएफ ने कहा है कि उसने बांग्लादेश सीमा पर निगरानी बढ़ाई हुई है और राज्य की पुलिस का सहयोग भी कर रही है। बीएसएफ के अलावा त्रिपुरा में जीआरपी भी लगभग 50 बांग्लादेशी और रोहिंग्या 2024 में गिरफ्तार कर चुकी है। उसने यह गिरफ्तारियां अगरतला रेलवे स्टेशन से की हैं।

गांवों में हुए विकास कार्यों की ड्रोन से निगरानी करा रही सरकार

लखनऊ, 11 नवंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार प्रदेश में भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर लगातार आगे बढ़ रही है। इसी का नतीजा है कि प्रदेश के गांवों में हो रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता की जांच के लिए अब योगी सरकार ड्रोन तकनीक का सहारा ले रही है। गांवों में बन रहे आवास, पेयजल की सुविधा, सिंचाई से संबंधित कार्य, सड़क निर्माण, खेल के मैदान का निर्माण और पौधरोपण जैसी महत्वपूर्ण कार्यों की निगरानी के लिए सीएम योगी ने यह महत्वपूर्ण फैसला लिया है।

पूरे प्रदेश में इन कार्यों व मनरेगा से संबंधित कार्यों का सत्यापन करने के लिए जिला मुख्यालय पर टीमें लगाई गई हैं, जरूरत के हिसाब से इन टीमों की संख्या में बढ़ोत्तरी भी की जा सकती है। योगी सरकार के इस कदम से जहां ग्रामीण विकास कार्यों में पारदर्शिता आएगी, वहीं अधिकारियों की जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी। सरकार का मानना है कि इस प्रकार के तकनीकी प्रयोग से न केवल विकास कार्यों में सुधार होगा, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में भी मदद मिलेगी।

केंद्र की मोदी सरकार के साथ विकास कार्यों में कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रही योगी सरकार का भी प्रदेश में तकनीकी के इस्तेमाल पर विशेष बल है। इसी के मद्देनजर प्रदेश में मनरेगा योजना अंतर्गत किये गये कार्यों की ड्रोन तकनीकी से निरंतर निगरानी और निरीक्षण का कार्य जारी है। योगी सरकार ने इसके लिए जिलेवार निरीक्षण का निर्देश दिया है। सीएम योगी के नेतृत्व व निर्देशन में ग्राम्य विकास विभाग की ग्रामोन्मुखी योजनाओं का क्रियान्वयन जहां बेहतर तरीके से किया जा रहा है, वहीं योजनाओं को अमलीजामा पहनाने में कहीं घालमेल न होने पाये, इसके लिए सतत् रूप से निगरानी किये जाने की व्यवस्था की गयी है। विकास कार्यों की ड्रोन तकनीक से वीडियोग्राफी/ फोटोग्राफी कर निगरानी का कार्य निरंतर जारी है। राज्य मुख्यालय स्तर पर तैनात टीमों द्वारा जनपदों में जाकर कार्यों की निरंतर ड्रोन तकनीक से विडीयोग्राफी/फोटोग्राफी का कार्य किया जा रहा है। ड्रोन तकनीक से विकास कार्यों की निगरानी और निरीक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि योजनाओं का लाभ वास्तविक रूप से जनता तक पहुंचे और कार्यों की गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी न हो।

योगी सरकार इसके लिए वित्त वर्ष 2023-24 में हुए विकास कार्यों का निरीक्षण करा रही है। प्रदेश के गांवों में हो रहे विकास कार्यों के निरीक्षण के बाद जिन जिलों में कार्य तय मानक के अनुसार नहीं हुए हैं, उन जिलों के जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। सरकार ने जिलों से संबंधित अधिकारियों को राज्य स्तरीय ड्रोन टीम का पूरा सहयोग करने का निर्देश दिया है। इसके तहत मुख्य विकास अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वह ड्रोन टीम को सहयोग प्रदान करने के लिए अधीनस्थ अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी लगाना सुनिश्चित करें। इस काम में राज्य मुख्यालय स्तर पर तैनात टीमों की संख्या में भी इजाफा किया गया है। विभाग की ओर से कहा गया है कि टीमों की संख्या बढ़ाने का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा कार्यस्थलों पर ड्रोन कैमरों की पहुंच को बढ़ाना है। जिससे कामों की पारदर्शिता और गुणवत्ता को सुनिश्चित किया जा सके। इसका पहला सफल प्रयोग बांदा जनपद में किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल से न केवल ग्रामीण विकास कार्यों में पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। पारदर्शिता और गुणवत्ता में सुधार से ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी रोजगार सृजन के अवसर भी बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री का मानना है कि यदि गांवों में चल रहे विकास कार्य सुचारू रूप से होते हैं, तो ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे और आर्थिक सशक्तिकरण का मार्ग भी प्रशस्त होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीकी पहुंच बढ़ाने से युवाओं के लिए नए अवसर भी सृजित हो रहे हैं।

जनता दरबार में मुख्यमंत्री योगी ने दिया आश्वासन

बिना चिंता कराइए इलाज पैसा देगी सरकार : योगी

गोरखपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग करने पहुंचे से लोगों को आत्मीय भरोसा दिया कि वह बिना चिंता किए अच्छे से अच्छे अस्पताल में इलाज कराएं। उपचार में जो भी धनराशि खर्च होगी, उसकी व्यवस्था सरकार करेगी। सीएम योगी ने इस दौरान अफसरों को निर्देशित किया कि जिन लोगों के पास आयुष्मान कार्ड नहीं है और उन्हें उपचार में आर्थिक सहायता की आवश्यकता है, उनके इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से पूरा कराकर शासन को उपलब्ध कराया जाए। हर जरूरतमंद को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार शाम विधानसभा उपचुनाव प्रचार करने के बाद गोरखपुर पहुंचे थे। गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास के बाद सोमवार पूर्वाह्न झारखंड विधानसभा चुनाव के प्रचार के लिए रवाना होने से पहले उन्होंने प्रातःकाल गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 150 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों से एक-एक करके समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए आश्वस्त करते हुए उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को हस्तगत किए।

उन्होंने सभी लोगों को आश्वस्त किया कि किसी को भी परेशान होने या घबराने होने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का समाधान कराया जाएगा।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनता की समस्याओं पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से ध्यान देकर उनका त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण कराएं ताकि किसी को भी परेशान न होना पड़े। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील रवैया अपनाया जाए और उसकी समस्या का समाधान कर उसे संतुष्ट किया जाए।

इसमें किसी भी तरह की कोताही नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कहीं कोई जमीन कब्जा या दबंगई कर रहा हो तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। पारिवारिक मामलों के निस्तारण में दोनों पक्षों को एकसाथ बैठाकर संवाद करने को प्राथमिकता दी जाए।

जनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी कई लोग गंभीर बीमारियों में इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने सभी को भरोसा दिया कि उनकी सरकार किसी भी जरूरतमंद के इलाज में धन की कमी को बाधक नहीं बनने देगी। विवेकाधीन कोष से मदद की जाएगी। इस दौरान एक महिला ने अपने परिजन का इलाज मेदांता अस्पताल में कराने के लिए अपनी आर्थिक तंगी का जिक्र किया। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उसे आत्मीय संबल देते हुए कहा, अस्पताल में भर्ती कराकर डॉक्टर से इस्टीमेट मंगवा लीजिए। परेशान होने की आवश्यकता नहीं है, उपचार का पैसा सरकार देगी। मुख्यमंत्री ने सभी से आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा और अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनाया जाना सुनिश्चित किया जाए।

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। सोमवार प्रातःकाल गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने, अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर शीश नवाने के बाद वह मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मंदिर की गोशाला में पहुंचे। यहां उन्होंने कुछ समय बिताया और गोसेवा की। मुख्यमंत्री ने गोवंश को खूब दुलारने के बाद उन्हें गुड़ खिलाया और गोशाला के भी कार्यकर्ताओं को देखभाल के लिए जरूरी निर्देश दिए।

लालच देकर सैकड़ों लोगों को ईसाई बनाने वाले गिरफ्तार

रायगढ़, 11 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में धर्मांतरण गतिविधियों को संचालित करने के मामले में पुलिस ने 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं, 10 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। शहर के जूटमील क्षेत्र के कांशीराम चैक के पास स्थित साउल नागा के मकान में प्रार्थना सभा के नाम पर धर्मांतरण की गतिविधि चल रही थी। इस सभा में 100 से अधिक लोग जुटे थे।

इसकी सूचना विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल को मिली तो उसके कार्यकर्ता वहां पहुंचकर हंगामा करने लगे। पुलिस भी मौके पर पहुंचकर वहां से महिलाओं-बच्चों सहित प्रार्थना सभा में शामिल लोगों को निकाल और साउल और इंद्रजीत खरे को गिरफ्तार कर लिया। बजरंग दल का कहना है कि निचली बस्ती के गरीब लोगों को लालच देकर उनका धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। इसके अलावा, पुलिस ने इस मामले में पूछताछ के लिए 10 लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस का कहना है कि इस मामले में शिकायत मिली है और उसकी जाँच की जा रही है।

महाकुंभ 2025 : प्रयाग के अधिष्ठाता के द्वादश स्वरूपों की परिक्रमा यात्रा शुरू

प्रयागराज, 11 नवंबर (एजेंसियां)। कुंभ नगरी प्रयागराज की पहचान उसके धार्मिक , आध्यात्मिक और सांस्कृतिक स्वरूप से है। धार्मिक क्षेत्र होने की वजह से विभिन्न धार्मिक और पौराणिक परंपराओं के प्रचलन के लिए भी इसे जाना जाता रहा है । विभिन्न धार्मिक परिक्रमा भी इसी में सम्मिलित हैं जो समय के साथ पीछे छूट गई। प्रदेश की योगी सरकार के सहयोग और प्रेरणा से ये पुनः आरंभ हुई हैं। द्वादश माधव की परिक्रमा यात्रा भी इसी का हिस्सा है जिसकी शुरुआत देवोत्थान एकादशी से हुई है।

कुंभ नगरी प्रयागराज पौराणिक मंदिरों का शहर है। इन मंदिरों में भी द्वादश माधव कुम्भ नगरी की आध्यात्मिक पहचान है। इन्ही द्वादश माधव में एक श्री वेणी माधव को प्रयाग के नगर देवता के रूप में मान्यता है। इस पहचान को स्थापित करने के देवोत्थान एकादशी से द्वादश माधव परिक्रमा की शुरुआत की गई । प्रयागराज के अनंत माधव के पौराणिक मंदिर से इसकी शुरुआत हुई जिसमें विभिन्न माधवों के प्रमुख और अखाड़ों के संत शामिल हुए। श्री अनंत माधव के महंत आदित्या नन्द जी का कहना है कि श्री अनंत माधव से शुरू हुई यह परिक्रमा यात्रा विभिन्न माधव होते है श्री चक्र माधव अरैल में समापन होगा ।

इस पांच दिवसीय यात्रा में सभी द्वादश माधव के मंदिरों में अनुष्ठान और आरती का आयोजन किया जायेगा। परिक्रमा यात्रा में शामिल हुए अग्नि अखाड़े के संत और मंदिर व्यवस्थापक महंत बीरेंद्रानंद ने बताया कि लंबे समय से यह परिक्रमा यात्रा बंद पड़ी थी लेकिन उत्तर प्रदेश में योगी सरकार आने के बाद जैसे औरंगजेब के जमाने से बंद पड़ी प्रयागराज की पंच कोशी परिक्रमा की शुरुआत हुई वैसे ही उन्हीं की प्रेरणा से द्वादश माधव परिक्रमा यात्रा भी आरंभ हुई है।

महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र कुंभ क्षेत्र के अलावा प्रयागराज के प्राचीन मंदिर भी हैं जिनके साथ यहां की पौराणिक मान्यता जुड़ी हुई है। मंदिरों के इस समूह में द्वादश माधव मंदिर समूह सर्वप्रथम है जिनकी मूल संरचना को संरक्षित रखते हुए उनका कायाकल्प का कार्य योगी सरकार कर रही है। कुल 12.34 करोड़ की लागत से इन प्राचीन पौराणिक मंदिरों को नव्य स्वरूप दिया जा रहा है। जिससे यह श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेंगे। द्वादश माधव परिक्रमा यात्रा इन पौराणिक मंदिरों को जन मानस से पुनः जोड़ने का एक माध्यम बनेगी। श्री चक्र माधव के प्रमुख महंत अवधेश दास जी महराज का कहना है कि योगी सरकार ने उपेक्षित पड़ी पौराणिक विरासतों को नए सिरे से संयोजित किया है। द्वादश माधव के हर मंदिर के सौंदर्यीकरण के लिए 22 लाख से अधिक का सहयोग सरकार से मिला है। मंदिरों में थीम पर आधारित प्रवेश द्वार, म्यूरल्स, सत्संग भवन, फ्लोरिंग, पेयजल की व्यवस्था, बाउंड्री वॉल और ग्रीनरी का विकास किया गया है। जिससे जर्जर हो चुके प्राचीन महत्वपूर्ण मंदिर अब अपने भव्य स्वरूप में आ गए हैं।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दें

झारखंड के भवनाथपुर, हुसैनाबाद, पांकी और डाल्टेनगंज हुई योगी आदित्यनाथ की जनसभा

भाजपा आएगी तो पत्थरबाजों, माफिया गुंडों, तस्करों का करेगी उपचार

गरीबों को लूटता है रांची बिहार और दिल्ली में बैठा परिवार

गढ़वा/पलामू, 11 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को झारखंड की रैलियों में कांग्रेस, झामुमो व राजद पर हमलावर रहे। बोले कि इनमें से एक परिवार रांची, दूसरा बिहार व तीसरा दिल्ली में बैठता है, जो गरीबों को लूटता है। परिवार के बाहर विकास की इनकी कोई सोच ही नहीं है। इन्हें नौजवानों के रोजगार/नौकरी, किसान सम्मान, बहन-बेटी, व्यापारी की सुरक्षा की चिंता नहीं है। सत्ता इनके लिए लूट-खसोट का जरिया है। झारखंड की डेमोग्राफी चेंज की जा रही है। कांग्रेस, झामुमो व राजद आपके नही, बल्कि बांग्लादेशी घुसपैठियों, रोहिंग्या, पत्थरबाजों के हितैषी हैं। इन लोगों ने झारखंड को धर्मशाला बनाकर बांग्लादेशी व रोहिंग्या मुसलमानों को अराजकता फैलाने की छूट दे रखी है। लव जिहाद और लैंड जिहाद यहां की माटी-बेटी के लिए संकट खड़ा करने जा रहा है। सीएम ने आश्वस्त किया कि झारखंड की बीमारियों (रोहिंग्या, लव जेहाद, धर्मांतरण, बांग्लादेशी घुसपैठ, रोटी-बेटी व माटी के संकट, पत्थरबाजों, माफिया-गुंडों व तस्करों) का उपचार केवल भाजपा है।

सीएम योगी ने सोमवार को भवनाथपुर से विधायक व प्रत्याशी भानु प्रताप शाही, हुसैनाबाद से कमलेश कुमार सिंह, पांकी से शशिभूषण मेहता के लिए वोट मांगा। सीएम योगी ने चौथी जनसभा डॉल्टनगंज में विधायक व प्रत्याशी आलोक कुमार चौरसिया के लिए की। सीएम ने कहा कि झारखंड ने तय कर लिया है कि न सहेंगे, न कहेंगे, एकजुट होकर भ्रष्ट सरकार बदलेंगे। सीएम योगी ने झारखंड के लिए मोदी की गारंटी गिनाई तो झारखंडवासियों को अयोध्या व प्रयागराज कुंभ का निमंत्रण दिया।

सीएम योगी ने कहा कि भाजपा का मतलब विकास, सुरक्षा, सुशासन, विरासत का सम्मान है। झारखंड में पांच वर्ष से सबने अराजकता व भ्रष्टाचार को देखा है। जो नोट गरीबों के खाते में जाने चाहिए थे, वह झारखंड के मंत्री, उनके खानदान व नौकरों के घरों में प्राप्त हो रहे हैं। यहां पर्व-त्यौहार शांतिपूर्ण तरीके से नहीं मनाने दिया जाता। यहां किसान आत्महत्या तो गरीब भूखों मरने को मजबूर है। सीएम योगी ने कहा कि काशी और विंध्यवासिनी धाम बहुत बेहतरीन बन गया है। 500 वर्ष बाद अयोध्या में भी भगवान श्रीराम का मंदिर बन चुका है, लेकिन इंडी गठबंधन के कांग्रेस, झामुमो व राजद वालों से तो इसकी उम्मीद ही नहीं थी। यह लोग सुरक्षा के लिए खतरा हैं। अटल बिहारी वाजपेयी के सपनों के झारखंड के लिए डबल इंजन सरकार चाहिए। सीएम ने कहा कि भाजपा बालू माफिया का सफाया करेगी तो घर निर्माण के लिए बालू भी देगी।

सीएम योगी ने कहा कि झारखंड के हाईकोर्ट को आदेश देना पड़ा कि पलामू में जनजातीय आबादी 44 फीसदी से घटकर कैसे 28 फीसदी रह गई। यहां न रोटी सुरक्षित है, न बेटी और माटी। अयोध्या में राम मंदिर बना है तो आशीर्वाद पूरे भारतवासियों को प्राप्त हुआ है। भाजपा प्रत्याशी कमलेश सिंह ने हिंदु अस्मिता को बचाए रखने के लिए सैकड़ों मंदिरों का पुनरुद्धार-निर्माण करके इस क्षेत्र को अयोध्या धाम की तर्ज पर रामनगर बनाने की ठान ली है। हमने फैजाबाद का अयोध्या और इलाहाबाद का नाम फिर से प्रयागराज किया है। अब हुसैनाबाद रामनगर बनना चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि लव जेहाद के नाम पर बांग्लादेशी घुसपैठिए व रोहिंग्या मुसलमानों द्वारा झारखंड में षडयंत्र रचा जा रहा है। इसमें कांग्रेस, झामुमो व राजद भी शामिल हैं। यह लोग पहचान का संकट खड़ा कर रहे हैं, जो अत्यंत खतरनाक है। झामुमो, राजद व कांग्रेस ने वोटबैंक के लिए माफिया को प्रश्रय दिया है। लव जेहाद के नाम पर यहां जनजातीय बेटियों के साथ धोखा हो रहा है, जबकि यूपी में लव जेहाद के नाम पर बेटी को धोखा दिया तो अगले चौराहे पर यमराज टिकट काटने के लिए तैयार होगा। कांग्रेस, राजद व झामुमो की सरकार जब केंद्र में थी तो पाकिस्तान व चीन घुसपैठ करते थे। अब लद्दाख के पास चीन की सेना पीछे जा रही है और भारत की सेना गश्त कर रही है। कांग्रेस, राजद व झामुमो समस्या और भाजपा समाधान है।

सीएम योगी ने कहा कि यहां पांच वर्ष में महिला संबंधी घटनाओं में सर्वाधिक वृद्धि हुई है। पीएम मिशन रोजगार के जरिए हर महीने लाखों नौजवानों को नौकरी दे रहे हैं। कांग्रेस, राजद व झामुमो ने हिंदु आस्था और भगवान बिरसा मुंडा को सम्मान नहीं दिया, जबकि मोदी जी ने 15 नवंबर को जनजातीय दिवस के रूप में मनाने और बाबा साहेब के पंच तीर्थ बनाने का कार्य किया। सीएम ने कहा कि यह लोग घुसपैठिए व रोहिंग्या मुसलमानों को देश से बाहर नहीं कर सकते, इसलिए इन्हें खारिज करने की आवश्यकता है। यूपी की तरह झारखंड भी अनलिमिटेड पोटेंशियल का राज्य है। सीएम ने कहा कि देश-दुनिया हर-हर, बम-बम का उद्घोष करते हुए कांवड़ यात्रा लेकर बाबा धाम आकर जलाभिषेक करती है। कांग्रेस, झामुमो व राजद की चले तो यह कांवड़ यात्रा भी रोक डालेंगे। यूपी में भी पहले कांवड़ यात्रा नहीं होने देते थे। सरकारें कहती थीं कि दंगा होगा। हमने कहा कि कोई दंगा करने पर उतारू है तो एक बार आर पार हो ही जाना चाहिए। हमारी सरकार ने कहा कि शंख, डीजे, घंट-घड़ियाल भी बजाएंगे, हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा भी करेंगे। अब शांतिपूर्ण तरीके से यात्रा निकलती है। सुरक्षा और माफिया से निपटने के लिए ईमानदारी का जज्बा चाहिए। भारत श्रेष्ठ, सुरक्षित, विकसित तब बनेगा, जब एक रहेगा। बांटने वाले देश के दुश्मन हैं। यह लोग अंग्रेजों की चाकरी-चाटुकारिता करते थे। बंटे थे अयोध्या, काशी, मथुरा में अपमान झेलना पड़ा। करोड़ों हिंदू मारे गए। हम बंटेंगे नहीं तो किसी की माई के लाल की हिम्मत नहीं है कि हमें काट सके। बंटे थे तो कटे थे, एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे। हमें तमाशबीन नहीं, बल्कि निर्णायक बनना है।

महाकुंभ 2025 : महाकुंभ की सुरक्षा व्यवस्था का हो रहा ऐतिहासिक बंदोबस्त

प्रयागराज, 11 नवंबर (एजेंसियां)। सनातन धर्म के सबसे बड़े सामूहिक आयोजन महाकुंभ 2025 में योगी सरकार हर आपात स्थिति से निपटने की तैयारी कर रही है। दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम को सुरक्षा की दृष्टि से सफल बनाने के लिए जल पुलिस, पीएसी, स्वास्थ्य कर्मियों के साथ एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की कई टीमें मिलकर काम कर रही हैं। इसी क्रम में महाकुंभ के दौरान 220 हाईटेक डिप डाइवर समेत एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के सुरक्षाकर्मी 700 नाव पर सवार होकर 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहेंगे।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर देश विदेश से महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की पुख्ता सुरक्षा के लिए हर तरह के इंतजाम किए जा रहे हैं। इसके चलते गोवा, कोलकाता, महाराष्ट्र समेत देश के सबसे चुनिंदा जल पुलिस के जवान प्रयागराज में तैनात किए जा रहे हैं। स्नानार्थियों और साधु संतों के साथ स्नान के दौरान कोई भी अनहोनी न होने पाए इसके लिए पहली बार इतनी बड़ी संख्या में हाईटेक डीप डाइवरों की ड्यूटी लगाई जा रही है।

किला थाना की जल पुलिस के प्रभारी जनार्दन प्रसाद साहनी ने बताया कि महाकुंभ के दौरान 180 डीप डाइवर्स की तैनाती की गई है, जो देश के विभिन्न हिस्सों से यहां आ रहे हैं, जबकि 39 डीप ड्राइवर्स पहले से ही यहां तैनात हैं। इस तरह कुल 220 डीप ड्राइवर्स हर वक्त पानी में सुरक्षा के लिए अलर्ट मोड में रहेंगे। इसके अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों का भी इसमें सहयोग लिया जा रहा है। स्थानीय केवट भी सहयोग में रहेंगे जो बिना गैस सिलेंडर के भी 40 फीट गहराई तक जाने में सक्षम हैं। यही नहीं, स्नानार्थियों की मदद के लिए 10 कंपनी पीएसी, 12 कंपनी एनडीआरएफ और 6 कंपनी एसडीआरएफ भी तैनात की जा रही है जो किसी भी विषम परिस्थिति से निपटने में सक्षम होगी।

देश दुनिया से महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था के लिए उत्तर प्रदेश की योगी सरकार 24 घंटे एक्शन मोड में काम कर रही है। सरकार के निर्देश पर कई तरह की सरकारी और गैर सरकारी संस्थाएं भी महाकुंभ के सबसे बड़े सांस्कृतिक महाआयोजन में सहयोग करने के लिए तत्पर हैं। इसी के तहत पीएसी और एनडीआरएफ-एसडीआरएफ के साथ ही गांव के स्थानीय लोग भी इसमें बड़ी संख्या में बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। ऐसे ही स्थानीय लोगों की एक टीम को यहां की जल पुलिस प्रशिक्षित भी कर रही है। जिसमें 200 से ज्यादा जवान महाकुंभ में स्नान करने वाले संतों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था में अपनी जिम्मेदारी निभाने जा रहे हैं

देश के साधु संतों से माफी मांगें मल्लिकार्जुन खड़गे : ब्रजेश पाठ

लखनऊ, 11 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर दिया गया विवादित बयान अब राजनीति और धार्मिक हलकों में गर्मा गया है। खड़गे ने योगी आदित्यनाथ के गेरुआ वस्त्र को लेकर एक विवादित टिप्पणी की थी, जिसपर भारतीय जनता पार्टी और उनके सहयोगी दलों के साथ ही संत समाज ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। दरअसल, मल्लिकार्जुन खड़गे ने झारखंड में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ और संतों को लेकर कहा था कि कई साधु अब राजनेता बन गए हैं और वे गेरुआ कपड़े पहनकर समाज में नफरत फैला रहे हैं और लोगों को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे का ये बयान अब एक विवाद का रूप ले चुका है और इसे लेकर भाजपा और संत समाज की ओर से तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की जा रही है। मल्लिकार्जुन खड़गे पर धार्मिक भावनाओं को भड़काने का आरोप लग रहा है।

भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने भी खड़गे के बयान पर हमला बोला है। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने इसे कांग्रेस की पुरानी मानसिकता करार दिया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का इतिहास हमेशा से झूठ बोलने और समाज में दरार डालने का रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कभी भी हिन्दू धर्म और सनातन संस्कृति का सम्मान नहीं किया। कांग्रेस पार्टी की तुलना मुगल आक्रांताओं से करते हुए ब्रजेश पाठक ने तत्काल माफी मांगने के लिए कहा। वहीं कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने भी कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का इतिहास बांटकर सत्ता हासिल करने का है। कांग्रेस ने पिछड़े, दलित और मुस्लिम समुदायों को धोखा दिया है। सत्ता में रहते हुए इस पार्टी ने कभी शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और किसानों के हित पर ध्यान नहीं दिया। बिना वजह की बयानबाजी करके ये केवल चर्चा में बने रहना चाहते हैं।

खड़गे के बयान पर संत समाज ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री स्वामी जितेन्द्रानंद सरस्वती ने कहा कि खड़गे का बयान घटिया और निंदनीय है। उन्होंने कांग्रेस को चेतावनी दी कि अगर वह हिन्दू धर्म और सनातन संस्कृति पर हमले करना बंद नहीं करती, तो संत समाज इसका कड़ा प्रतिकार करेगा। स्वामी जितेन्द्रानंद ने ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी को ऑल इंडिया चर्च कमेटी बताते हुए कहा कि वह हिन्दू और सनातन धर्म पर प्रहार करना छोड़ दें अन्यथा संत समाज कड़ा प्रतिकार करेगी। वहीं अयोध्या के संत स्वामी करपात्री जी महाराज ने भी खड़गे के बयान की कड़ी निंदा की।

उन्होंने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे के नाम में 'खड़ग' होता है, जिसका काम होता है बांटना और काटना, जबकि योगी आदित्यनाथ का नाम 'योग' से जुड़ा है, जिसका मतलब होता है जोड़ना।

स्वामी करपात्री जी ने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा हिन्दू धर्म पर हमला करने वालों का समर्थन किया है।

40 हजार से ज्यादा रिचार्जेबल लाइट्स से रौशन होगा महाकुंभ

प्रयागराज, 11 नवंबर (एजेंसियां)। इस बार महाकुंभ की भव्यता और दिव्यता में रौशनी का भी महत्वपूर्ण योगदान होगा। महाकुंभ के दौरान शाम के समय मेला क्षेत्र की चमचमाती रौशनी गंगा और यमुना की कलकल बहती निर्मल धारा को और भी अलौकिक रूप प्रदान करेगी। इस अलौकिक दृश्य को श्रद्धालु बिना किसी बाधा के अपनी आंखों से निहार सकें, इसके लिए योगी सरकार इस बार अनूठी पहल करने जा रही है।

पहली बार पूरे मेला क्षेत्र को लगातार रौशन बनाए रखने के लिए पूरे मेला क्षेत्र में 40 हजार से अधिक रिचार्जेबल लाइट्स (रिचार्जेबल बल्ब) का उपयोग किया जा रहा है। ये बल्ब खुद को रिचार्ज करते हैं और बिजली जाने पर भी रौशनी देते रहते हैं। इससे यदि किसी फॉल्ट या अन्य वजह से अचानक बिजली चली जाती है तो भी ये बल्ब कभी अंधेरा नहीं होने देते। महाकुंभ ही नहीं, उत्तर प्रदेश में पहली बार इस तरह की लाइट्स का उपयोग किसी बड़े आयोजन में होने जा रहा है।

मेला क्षेत्र में विद्युत विभाग के प्रभारी अधिशासी अभियंता अनूप कुमार सिन्हा ने बताया कि जो विद्युत संयोजन हम लोग कैंप्स में देंगे उसमें हमने इस बार नॉर्मल एलईडी बल्ब के साथ ही रिचार्जेबल बल्ब भी उपयोग में लाने का निर्णय लिया है। इस बार पूरे मेला क्षेत्र में हमें साढ़े चार लाख कनेक्शन देने हैं तो उसके 1/10 के आसपास यानी 40 से 45 हजार के बीच रिचार्जेबल बल्ब भी लगाए जाएंगे। रिचार्जेबल बल्ब में इनबिल्ट बैटरी होती है, जो लाइट चालू रहने पर चार्ज होती रहती है. बिजली जाने पर, ये बैटरी ही बल्ब को रौशन रखती है। इसका लाभ ये होगा कि यदि किसी कैंप में 5-6 बल्ब लगे हैं और किसी कारण से लाइट चली गई तो एक रिचार्जेबल बल्ब भी जलता रहेगा तो जीरो लाइट या अंधेरे की स्थिति उत्पन्न नहीं होगी। उन्होंने बताया कि हमने बैकअप लाइट की भी व्यवस्था की है, जिसके लिए जेनसेट वगैरह का उपयोग व्यापक पैमाने पर होगा, जहां हम सप्लाई को एक से दो मिनट में रिस्टोर कर लेंगे। लेकिन इस एक से दो मिनट के बीच में भी हमारा प्रयास जीरो लाइट्स की स्थिति उत्पन्न नहीं होने देना है।

उन्होंने बताया कि ये रिचार्जेबल लाइट्स नॉर्मल बल्ब के साथ ही लगाई जाएंगी। नॉर्मल बल्ब की तरह ही इनकी भी रोशनी होगी। हालांकि यदि किसी वजह से लाइट जाती है तो बाकी बल्ब ऑफ हो जाएंगे, लेकिन यह बल्ब काम करता रहेगा। उन्होंने बताया कि विद्युत विभाग की जो परियोजनाएं महाकुंभ मेला क्षेत्र में चल रही हैं, उसी में से इन बल्ब के लिए फंड की व्यवस्था की जाएगी। अमूमन एक रिचार्जेबल बल्ब की कीमत लगभग 600 से 700 के बीच होती है। ऐसे में 45 हजार बल्ब लगाने पर इसमें करीब 2.7 करोड़ रुपए का खर्च आने की संभावना है। हालांकि, बल्ब की संख्या कैंप्स की संख्या के अनुपात में घट और बढ़ भी सकती है। उन्होंने बताया कि रिचार्जेबल बल्ब का कांसेप्ट अभी एक-दो साल पहले ही आया है। अभी यह प्रयोग प्रदेश के अंदर किसी बड़े मेले या बड़े आयोजन में नहीं किया गया है। पहली बार महाकुंभ में इसका उपयोग किया जा रहा है।

मेला क्षेत्र में स्थापित कैंप्स ही नहीं, बल्कि कैंप्स के बाहर भी लाइट जाने पर अंधेरा न हो, इसकी पुख्ता व्यवस्था की जा रही है।

उन्होंने बताया कि कैंप्स के बाहर हम 67 हजार नॉर्मल लाइट्स की व्यवस्था कर रहे हैं और इसके भी बैकअप के लिए हमने 2 हजार सोलर हाइब्रिड लाइट्स की व्यवस्था की है। सोलर हाइब्रिड लाइट्स ऐसी लाइट्स होती हैं जो लाइट जाने पर भी लगातार काम करती रहेगी। इसमें बैटरी का बैकअप है जो सूर्य की किरणों से चार्ज होती है। लाइट जाने की स्थिति में यह बैट्री के माध्यम से रोशनी देती है। ये दो हजार सोलर हाइब्रिड लाइट्स भी जीरो लाइट्स की आशंका को खत्म करने के लिए उपयोग में लाई जा रही हैं।

14 लाख गर्भवती महिलाओं फ्री अल्ट्रासाउंड की सौगात

लखनऊ, 11 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेशवासियों को सुगम, सस्ता और गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध कराने के लिए लगातार अहम कदम उठा रहे हैं। इसी का नतीजा है कि पिछले साढ़े सात वर्ष में प्रदेश के हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर में बड़ा बदलाव हुआ है, जिसने कभी बीमारू प्रदेश कहे जाने वाले उत्तर प्रदेश को आज उत्तम प्रदेश की श्रेणी में लाकर खड़ा कर दिया है। इसी के तहत योगी सरकार द्वारा गर्भवती महिलाओं को निजी अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर फ्री अल्ट्रासाउंड की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। अब तक 6 लाख से अधिक गर्भवती महिलाएं सुविधा का लाभ उठा चुकी हैं। इतना ही नहीं, योगी सरकार द्वारा गर्भवती महिलाओं को प्रदेश के किसी भी जिले के इम्पैनल्ड निजी अल्ट्रासाउंड केंद्र पर फ्री अल्ट्रासाउंड की सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है ताकि उन्हे सुविधा का लाभ उठाने के लिए भटकना न पड़े।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की निदेशक डॉ. पिंकी जोवल ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जच्चा-बच्चा के स्वास्थ्य को लेकर काफी गंभीर हैं। ऐसे में, उन्हें गुणवत्तापूर्ण इलाज के साथ ही पुष्टाहार उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सीएम योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप प्रदेश की गर्भवती महिलाओं को पीपीपी मोड पर फ्री अल्ट्रासाउंड के लिए ई रुपी वाउचर की सुविधा फरवरी 2023 उपलब्ध करायी जा रही है। यह सुविधा प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत निजी अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर दी जा रही है। मिशन निदेशक ने बताया कि सुविधा का लाभ देने के लिए प्रदेश के 75 जिलों में 1,861 निजी अल्ट्रासाउंड केंद्रों को इम्पैनल्ड किया गया है। शासन द्वारा अब तक गर्भवती महिलाओं को 14,50,238 ई-रुपी वाउचर जारी किये जा चुके हैं। वहीं गर्भवती महिलाओं द्वारा 6,81,341 ई-रुपी वाउचर का लाभ उठाया जा चुका है। बता दें कि गर्भवती महिलाएं एक माह तक जारी ई-रुपी वाउचर का लाभ उठा सकती हैं। इसके बाद यह स्वतः कैंसिल हो जाता है। वहीं गर्भवती महिला द्वारा समय सीमा में लाभ न उठा पाने पर वह दोबारा ई-रुपी वाउचर प्राप्त कर सकती हैं।

मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवल ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश पर गर्भवती महिलाओं को जिला महिला चिकित्सालय, संयुक्त चिकित्सालय, सीएचसी के साथ पीएचसी पर हर माह की 4 पीएमएसएमए दिवसों क्रमशः 1, 9, 16 और 24 तारीख को ई-रुपी वाउचर जारी किये जाते हैं। उन्होंने बताया कि उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुविधा का ज्यादा लाभ देने के लिए अभियान और प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिये हैं। ऐसे में, सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर आशा कार्यकत्रियों द्वारा घर-घर जाकर सुविधा के बारे में बताया जा रहा है।

महाकुंभ में मुस्लिमों के प्रवेश पर पाबंदी लगाने की मांग तेज

महाकुंभ में हिंदू आस्था को ठेस लगने से बचाएं: स्वामी नरेंद्रानंद

वाराणसी, 11 नवंबर (एजेंसियां)। सुमेरू पीठ के शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती ने महाकुंभ में मुस्लिम समुदाय के प्रवेश पर प्रतिबंध की मांग का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में मुस्लिम समुदाय की उपस्थिति सनातन धर्म के अनुयायियों की आस्था को ठेस पहुंचा सकती है। सरकार का दायित्व है कि वह आस्था को ठेस पहुंचने से बचाए। सभी समुदाय के लिए कुंभ में प्रवेश का समर्थन कर रहे विपक्षी नेताओं की उन्होंने आलोचना की।

उन्होंने सरकार से अपील की है कि ऐसे नेताओं के बयान, जो देशहित के बजाय उग्रवाद को बढ़ावा देते हैं, पर कड़ी कार्रवाई की जाए। नरेंद्रानंद ने कुंभ मेले में संतों के बीच वक्फ बोर्ड को समाप्त करने और सनातन मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कराने जैसे मुद्दों पर चर्चा की रणनीति की बात कही। यदि वक्फ बोर्ड को समाप्त नहीं किया जा सकता तो देश में सनातन धर्म के लिए भी एक विशेष बोर्ड का गठन होना चाहिए। उन्होंने आरएसएस की तर्ज पर सनातन हिंदू महासंघ के गठन का प्रस्ताव रखा।

संपादकीय

नेताओं के जहरीले बोल

कहावत है कि कमान से निकला तीर और जुबां से निकले शब्द कभी वापस नहीं हो सकते। हालिया चुनावों में 'तीर' तो नहीं हैं, लेकिन जुबां से निकले शब्द बेलगाम, अमर्यादित और अशालीन जरूर हो रहे हैं। तमाम लक्ष्मण-रेखाएं लांघी जा रही हैं। संवैधानिक पदों पर आसीन नेता भी अपशब्दों, अभद्र भाषा, मवालियों के व्यवहार का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन भारत का चुनाव आयोग महात्मा गांधी के तीन बंदरों की मुद्रा में है। जनप्रतिनिधित्व कानून की धाराएं हैं, आयोग को संवैधानिक अधिकार हासिल हैं, लेकिन आयोग 'दंतहीन' बना है। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान से ही मौजूदा जहरीले बोलों को समझने की कोशिश करते हैं कि क्या इन आधारों पर भी चुनावी ध्रुवीकरण होता है? मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यदि बेटी से छेड़छाड़ की गई, तो उस आदमी का चौराहे पर ही इलाज कर देंगे-दे जूता, दे लात, दे घूंसा, दे डंडा आदि। क्या अब पदासीन मुख्यमंत्री के लिए यही कानूनी कार्यशैली और कानूनी संहिता बन गई है? सिर्फ यही नहीं, नेतागण गोली और लाठी की भाषा भी बोलने लगे हैं। आने वाले वक्त में एके-47 की गोली भी चलने लगे अथवा चुनाव में ग्रेनेड का भी इस्तेमाल किया जाने लगे, तो आश्चर्य मत करना। मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यहां तक टिप्पणी की कि ईवीएम का बटन इतनी जोर से दबाना कि राहुल गांधी के गाल पर थप्पड़ पड़े। उप्र सरकार के एक मंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री के बारे में कह दिया कि उनकी सोच और कार्यशैली 'बंदर' जैसी है। महाराष्ट्र में शिवसेना (उद्धव) के एक सांसद ने प्रतिद्वंद्वी शिवसेना की महिला उम्मीदवार को 'आयातित माल' कह दिया। यह महिला बीते 20-25 सालों से भाजपा के साथ जुड़ी हैं, लेकिन गठबंधन के तहत शिवसेना (शिंदे) के टिकट पर चुनाव मैदान में हैं। क्या कोई महिला 'माल' हो सकती है? महाराष्ट्र के ही पूर्व मुख्यमंत्री एवं मोदी सरकार में केंद्रीय मंत्री रहे नारायण राणे ने बकरीद और दीपावली के एक संदर्भ में कह दिया कि आज बाला साहेब होते, तो उद्धव ठाकरे को गोली मार देते! हालांकि बिहार में चुनाव नहीं हैं, लेकिन राजद झारखंड में झामुमो गठबंधन के एक घटक के तौर पर चुनाव लड़ रहा है, फिर भी पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के इस बयान के निहितार्थ समझ के परे हैं-जब भैंस हमें नहीं पटक सकी, तो ये भाजपा वाले क्या पटकेंगे? एक राजद सांसद ने लाठी-डंडे से हड्डी तोड़ देने की बात कही है। इन जहरीले बोलों और गालीनुमा शब्दों की सूची बहुत लंबी है। देश 'मौत का सौदागर' और 'चौकीदार चोर है' जैसे जुमलों को नहीं भूला होगा। देश के प्रधानमंत्री मोदी को 'भस्मासुर', 'राक्षस', 'सांप', 'यमराज', 'बिच्छू', 'बंदर', 'अनपढ़', 'हिटलर', 'कमीना, 'रावण'' सरीखी गालियां भी हम भूले नहीं होंगे। मोदी ने एक राजनीतिक उम्मीदवार के नाते किन शब्दों का प्रयोग किया और वे कितने आपत्तिजनक और अनैतिक थे, देश उन्हें भी जानता है। सवाल है कि भाषा, मर्यादा, व्यवहार की ऐसी निरंकुशता पर नेतागण क्या वोट मांगेंगे? क्या उन्हें वोट मिलेंगे? ध्यान होगा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की जुबान जरा-सी फिसल गई थी, उसी आधार पर अदालत ने उन्हें दो साल की सजा सुना दी। सांसदी भी रद्द कर दी गई थी। फिलहाल सर्वोच्च अदालत ने उस फैसले पर रोक लगा रखी है। नए लोकसभा चुनाव भी हो चुके हैं और अब राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951 में धारा 123 है, जिसके तहत धर्म, नस्ल, समुदाय, भाषा और घूस के आधार पर नफरत फैलाने, दुश्मनी करने को 'भ्रष्ट आचरण' माना गया है। चुनाव आयोग उस कानूनी प्रावधान के तहत चुनावी उम्मीदवार को दंडित कर सकता है। क्या चुनाव आयोग अपने अधिकारों को भूल गया है? सवाल यह भी है कि क्या हमारे जन-प्रतिनिधि भी अपने पद की गरिमा भूल चुके हैं? गोली, लाठी, जूता, लात, थप्पड़, घूंसा आदि अपशब्दों से कौन-सा वोट बैंक लामबंद होकर किसी पार्टी विशेष के पक्ष में जाता है? इन शब्दों का प्रयोग करना किस किस्म की राजनीति है? यह चिढ़ है, घृणा है, दुश्मनी भी है, लिहाजा हमारे नेता अपशब्दों का खुलकर इस्तेमाल कर रहे हैं। इस रवायत पर या तो चुनाव आयोग नकेल कस सकता है अथवा सर्वोच्च अदालत स्वतः संज्ञान लेकर कोई फैसला सुना सकती है।

> संवैधानिक पदों पर आसीन नेता भी अपशब्दों, अभद्र भाषा, मवालियों के व्यवहार का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन भारत का चुनाव आयोग महात्मा गांधी के तीन बंदरों की मुद्रा में है। जनप्रतिनिधित्व कानून की धाराएं हैं, आयोग को संवैधानिक अधिकार हासिल हैं, लेकिन आयोग 'दंतहीन' बना है। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान से ही मौजूदा जहरीले बोलों को समझने की कोशिश करते हैं कि क्या इन आधारों पर भी चुनावी ध्रुवीकरण होता है? मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यदि बेटी से छेड़छाड़ की गई।

सितंबर 2024 में खुदरा महंगाई दर 5.49 प्रतिशत दर्ज की गई, जो अगस्त में 3.65 प्रतिशत थी

महंगाई लक्ष्य के अनुरूप रखना जरूरी

डा. जयंतीलाल भंडारी

यकीनन दीपावली के त्योहार के बाद भी नवंबर में प्याज और आलू के साथ अन्य सब्जियों के तेज दाम और खाने के तेल के दाम भी ऊंचे रहने से महंगाई बढ़ी हुई है। हाल ही में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इस समय देश में खाद्य कीमतों में वृद्धि से खुदरा महंगाई बढ़ी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्रामीण इलाकों में महंगाई शहरी इलाकों की तुलना में ज्यादा बढ़ी है। विदेशों से देश में आयात की जा रही विभिन्न वस्तुओं की कीमतों में इजाफे से भी महंगाई बढ़ी है। ऐसे में महंगाई नियंत्रण के मद्देनजर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया लंबी अवधि तक ब्याज दर को स्थिर रख सकता है। यह बात महत्वपूर्ण है कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 के तहत रिजर्व बैंक के द्वारा ब्याज दरों की यथास्थिति, सरकार के महंगाई नियंत्रण के उपाय, अच्छे मानसून तथा स्थिर आपूर्ति श्रृंखला के अच्छे आधार के बावजूद सरकार को खुदरा महंगाई लक्ष्य के अनुरूप 4.5 फीसदी के दायरे में रखने की चुनौती के मद्देनजर नई बहुआयामी रणनीति के साथ आगे बढना होगा। गौरतलब है कि विगत 14 अक्टूबर को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के मुताबिक सितंबर 2024 में खुदरा महंगाई दर 5.49 प्रतिशत दर्ज की गई, जो अगस्त में 3.65 प्रतिशत थी। आलू, प्याज, टमाटर के साथ हरी सब्जियों की कीमतों में करीब 36 फीसदी वृद्धि तथा महंगी हुई दालों ने सितंबर माह में खाद्य वस्तुओं की खुदरा महंगाई दर को नौ माह के उच्चतम स्तर 9.24 प्रतिशत पर पहुंचा दिया, जो कि माह अगस्त में 5.66 प्रतिशत थी। खाद्य पदार्थों की कीमतों में उछाल से सितंबर में थोक महंगाई दर भी 1.84 प्रतिशत पर पहुंची है, जो कि माह अगस्त में 1.31 प्रतिशत थी। खुदरा और थोक महंगाई मुख्य रूप से खाद्य उत्पादों, अन्य विनिर्माण, मोटर वाहनों, मशीनरी और उपकरणों के निर्माण आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण दिखाई दे रही है। स्थिति यह है कि आलू, प्याज और टमाटर के दाम कम नहीं होने से जो खुदरा महंगाई दर पांच प्रतिशत के पार हो गई, वह इस माह नवंबर में भी पांच फीसदी के पार जा सकती है। हमें देश में महंगाई की चिंता इसलिए भी करनी है, क्योंकि वैश्विक बाजार में पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतें बढने की आशंका बनी हुई है। चूंकि ईरान दुनिया के सबसे बड़े कच्चा तेल उत्पादकों में से एक है और यह देश पश्चिम एशिया के संवेदनशील इलाकों में स्थित है, ऐसे में ईरान के तेल बाजार में अस्थिरता से कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढने पर पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पाद महंगे होने लगेंगे। इसका असर भारत पर विशेष रूप से पड़ेगा, क्योंकि

भारत अपनी तेल की जरूरतों के करीब 80 फीसदी तक आयात पर निर्भर है। एक चिंताजनक बात यह भी है कि ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष का असर वैश्विक शिपिंग रूट्स पर भी पड़ सकता है, खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य पर। यह वैश्विक यातायात का एक अत्यन्त महत्वपूर्ण मार्ग है। दुनिया को मिलने वाला करीब एक-तिहाई तेल और खाद्य व कृषि उत्पादों का अधिकांश यातायात इसी मार्ग से होता है। ऐसे में इस क्षेत्र में शिपिंग बाधित होने से ग्लोबल सप्लाई चैन प्रभावित हो सकती है। इससे खाद्य पदार्थों, जैसे कि गेहूं, चीनी और अन्य कृषि उत्पादों की कीमतें और बढ़ सकती हैं। ऐसे में अब एक बार फिर सरकार को महंगाई नियंत्रण के लिए बहुआयामी नई रणनीति की डगर पर आगे बढना होगा। इस परिप्रेक्ष्य में विगत 9 अक्टूबर को भारतीय रिजर्व बैंक की क्रेडिट पॉलिसी कमेटी बैठक में रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि भारत में महंगाई बढने के जोखिम के मद्देनजर ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया जा रहा है। यह लगातार 10वीं बार है जबकि रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। रेपो रेट 6.50 प्रतिशत पर बरकरार है और बैंक रेट 6.75 प्रतिशत पर स्थिर रखी गई हैं। इस मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में तेज विकास दर की बजाय महंगाई नियंत्रण को प्राथमिकता दी गई है। अब ऐसा प्रतीत हो रहा है कि दो माह बाद दिसंबर 2024 में भी आरबीआई ब्याज दरों में कटौती करने की स्थिति में नहीं होगा। निश्चित रूप से इस बार देश में अच्छे मानसून से खाद्यान्न, दलहन और तिलहन का उत्पादन बढ़ेगा और इनकी सप्लाई बढने से इनकी कीमतें कम होंगी। इसमें कोई दो मत नहीं है कि मौद्रिक प्रबंधन और सरकार के द्वारा तत्परता से खाद्यान्न निर्यात नीति और स्टॉक सीमा निर्धारण सहित विभिन्न उपाय बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण कर सकेंगे। इस परिप्रेक्ष्य में यह भी उल्लेखनीय है कि 16 अक्टूबर को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश के करोड़ों किसानों को उनकी रबी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में जो भारी बढ़ोतरी की है। उससे ग्रामीण क्षेत्रों में महंगाई की मार झेल रहे किसानों को लाभ होगा। साथ ही सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में तीन फीसदी का जो इजाफा किया गया है, उससे कर्मचारियों को महंगाई से राहत मिलेगी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के मुताबिक खाद्य महंगाई नियंत्रण के लिए चालू वित्त वर्ष 2024-25 के बजट के तहत की गई व्यवस्थाओं का तेजी से क्रियान्वयन किया जा रहा है। बजट के तहत उपभोक्ता मामलों के विभाग को दाम स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) के लिए 10000 करोड़ रुपए दिए गए हैं। जहां इस कोष का उपयोग दाल, प्याज और आलू के बफर स्टॉक को रखने के लिए किया जाएगा, वहीं जरूरी होने पर इन अन्य खाद्य वस्तुओं के बढ़े दामों को नियंत्रित करने के लिए भी इस कोष का इस्तेमाल किया जा सकेगा। इसके अलावा चालू वित्त वर्ष के बजट के तहत इस वर्ष खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग के लिए खाद्य भंडारण और वेयरहाउसिंग के लिए ऋणों की राशि दोगुनी करके 50000 करोड़ रुपए सुनिश्चित की गई है, जो उल्लेखनीय है। निश्चित रूप से खाद्य पदार्थों की महंगाई रोकने के लिए सरकार के द्वारा तात्कालिक उपायों के साथ दीर्घकालीन उपायों पर भी ध्यान दिया जाना जरूरी होगा। इस समय ग्रामीण भारत में जल्द खराब होने वाले ऐसे कृषि उत्पादों की आपूर्ति श्रृंखला बेहतर करने पर प्राथमिकता से काम करना होगा, जिनकी खाद्य महंगाई के उतार-चढ़ाव में ज्यादा भूमिका होती है। ऐसे में सरकार को खाद्य उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ कृषि उपज की बर्बादी को रोकने के बहुआयामी प्रयासों की कारगर रणनीति पर आगे बढना होगा। चूंकि देश में फसल कटाई के बाद की उपयुक्त व्यवस्था न होने से 12 से 14 फीसदी तक खाद्यान्न और करीब 35 फीसदी तक सब्जी और फलों की पैदावार बर्बाद हो जाती है, ऐसे में इस बर्बादी को रोकने के लिए खाद्य भंडारण और वेयरहाउसिंग की कारगर व्यवस्था की डगर पर बढना होगा। हम उम्मीद करें कि इन विभिन्न रणनीतिक प्रयासों से देश में खुदरा महंगाई को नियंत्रित किया जा सकेगा और चालू वित्त वर्ष 2024-25 में खुदरा महंगाई लक्ष्य के अनुरूप 4.5 फीसदी तथा आगामी वर्ष 2025-26 में चार फीसदी के दायरे में रहते हुए दिखाई दे सकेगी। ऐसी स्थिति से जहां देश के आम आदमी को राहत मिलेगी, वहीं अर्थव्यवस्था को भी गतिशीलता मिलेगी। महंगाई को रोकना वक्त की मांग है। मध्यम वर्ग सर्वाधिक प्रभावित वर्ग है।

> त्योहार के बाद भी नवंबर में प्याज और आलू के साथ अन्य सब्जियों के तेज दाम और खाने के तेल के दाम भी ऊंचे रहने से महंगाई बढ़ी हुई है। हाल ही में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इस समय देश में खाद्य कीमतों में वृद्धि से खुदरा महंगाई बढ़ी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्रामीण इलाकों में महंगाई शहरी इलाकों की तुलना में ज्यादा बढ़ी है। विदेशों से देश में आयात की जा रही विभिन्न वस्तुओं की कीमतों में इजाफे से भी महंगाई बढ़ी है। ऐसे में महंगाई नियंत्रण के मद्देनजर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया लंबी अवधि तक ब्याज दर को स्थिर रख सकता है।

दृष्टि कोण

मेले की घटती प्रासंगिकता और पुनर्जीवित करना

लवी मेला हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के रामपुर शहर में आधिकारिक तौर पर 11 नवंबर से 14 नवंबर तक आयोजित होने वाला एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व का मेला है। यह मेला सदियों पुरानी परंपराओं और व्यापारिक गतिविधियों का प्रतीक रहा है। 1911 से कुछ वर्ष पूर्व रामपुर में तिब्बत और हिंदुस्तान के बीच व्यापार शुरू हुआ। उस समय राजा केहरी सिंह ने तिब्बत सरकार के साथ व्यापार को लेकर संधि की थी। व्यापार मेले में करमुक्त व्यापार होता था। लवी मेले में किन्नौर, लाहौल-स्पीति, कुल्लू और प्रदेश के अन्य क्षेत्रों से व्यापारी पैदल पहुंचते थे। तब लवी मेले में करमुक्त व्यापार होता था। यह मेला न केवल व्यापारिक गतिविधियों का केंद्र था, बल्कि यह संस्कृति, परंपरा और सामुदायिक जुड़ाव का भी प्रतीक था। यहां पर ऊनी कपड़े, पश्मीना, शॉल, जड़ी-बूटियां और स्थानीय हस्तशिल्प का व्यापार बड़े पैमाने पर होता था। यह मेला पर्यटकों और व्यापारियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र था। हाल के वर्षों में लवी मेले की लोकप्रियता और प्रासंगिकता में धीरे-धीरे कमी देखी जा रही है। इसके पीछे कई कारण हैं। जैसे आधुनिकता और बदलती जीवनशैली। लोगों की जीवनशैली में बड़े पैमाने पर परिवर्तन आया है। परंपरागत वस्तुएं, जो कभी इस मेले का प्रमुख हिस्सा थीं, अब कम लोग खरीदते हैं। आधुनिक बाजारों और ऑनलाइन शॉपिंग के दौर में इस मेले की व्यापारिक उपयोगिता निश्चित ही घट गई है। लवी मेला अपने पारंपरिक रूप में मुख्य रूप से व्यापार पर आधारित था, लेकिन अब यह एक सांस्कृतिक उत्सव के रूप में अधिक देखा जाता है। साथ ही, कई अन्य पर्यटन स्थलों के विकास के कारण इस मेले में आने वाले आगंतुकों की संख्या में गिरावट आई है। दूसरा प्रशासन और व्यापारियों के बीच समय पर संवाद न होना। इस वर्ष भी प्लाट महंगे होने को लेकर व्यापारियों और प्रशासन के बीच तनातनी बनी रही। इस मेले की खोई प्रासंगिकता को वापस लाने के लिए कुछ तो प्रयास करने होंगे। व्यापार और संस्कृति का सांझा संतुलित आदान-प्रदान कैसे हो, इसे प्रशासन और लोगों को भी समझने की आवश्यकता है। हिमाचल प्रदेश में कुछ मेले और त्योहार ही तो अंतरराष्ट्रीय हैं। इस बार हिमाचल में इंटरनेशनल कुल्लू दशहरा में 17 देशों के सांस्कृतिक दलों ने कल्चरल परेड निकाली। यह जिला प्रशासन पर भी निर्भर करता है कि किस तरह इन मेलों को अधिक लोगों के मध्य आकर्षण का केंद्र बनाया जाए। इसी के समानांतर अब लवी मेले में अंतरराष्ट्रीय उत्पादों को लाया जाना चाहिए, ताकि इस मेले के खोए आकर्षण को वापस प्राप्त किया जा सके। मुख्यमंत्री बनने के बाद वीरभद्र सिंह ने वर्ष 1985 में इस मेले को अंतरराष्ट्रीय मेला घोषित किया था। उनकी दूरदर्शी सोच के साथ यह मेला फल-फूल रहा था । अब समय के साथ-साथ लवी मेले का स्वरूप भी बदल गया है। अंतरराष्ट्रीय लवी मेले में तिब्बत, अफगानिस्तान और उज्बेकिस्तान के व्यापारी कारोबार करने के लिए आते थे। वे विशेष रूप से ड्राई फ्रूट, ऊन, पशम और भेड़-बकरियों सहित घोड़ों को लेकर यहां आते थे। बदले में व्यापारी रामपुर से नमक, गुड़ और अन्य राशन लेकर जाते थे। यह नमक मंडी जिले के गुम्मा से लाया जाता था। लवी मेले में 4 नवंबर से 6 नवंबर तक घोड़ा दौड़ के साथ चामुर्थी घोड़ों का भी कारोबार किया जाता था। ये घोड़े उत्तराखंड से लाए जाते थे। अब यह मेला किन्नौर जिले से ही लाकर खासकर सूखे मेवों के लिए ही जाना जाता है। इसमें अब किसी भी तरह का अंतरराष्ट्रीय स्तर शेष नहीं बचा है। अब यह मेला कबाड़ी पुराने वस्त्रों तक ही सीमित रह गया है। साथ ही जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय चुनौतियां जैसी समस्याएं भी हैं। हिमाचल प्रदेश में जलवायु परिवर्तन का भी प्रभाव पड़ा है।

कुछ अलग

उल्लास के साथ पर्यावरणीय जवाबदेही भी

पांच दिन की दिवाली पर्व श्रृंखला उत्साह सहित भैया दूज के साथ संपन्न हो गयी। भारत एक ऐसा देश है, जहां संस्कृति और लोक उत्सवों के प्रति गहरी श्रद्धा है, और ये उत्सव समाज को उमंग और खुशी से भर देते हैं। लेकिन अब जबकि उत्सव संपन्न हो चुके हैं, केवल उसकी परछाइयां बची हैं—घुटन भरा धुआं, खांसते हुए लोग और स्वास्थ्य पर असर डालते प्रदूषण के कारण बीमार होते बच्चे-बुजुर्ग। यह चित्र उत्सवों के बाद की कड़वी हकीकत को उजागर करता है, जब खुशियां भी स्वास्थ्य और पर्यावरण पर भारी पड़ने लगती हैं। हाल ही में एक अंतर्राष्ट्रीय सर्वेक्षण में यह बात सामने आई कि पर्यावरण प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग और कूड़े के निस्तारण में निरंतर असफलता के कारण देश की जलवायु पर गंभीर असर पड़ा है। इसके परिणामस्वरूप भारतीयों की औसत आयु में वृद्धि नहीं हो पा रही है, और नई पीढ़ी के बच्चे छोटे कद के पैदा हो रहे हैं। यह जलवायु संकट का सीधा प्रभाव है, जो स्वास्थ्य और विकास को प्रभावित कर रहा है। मौसमी बीमारियां अब महामारियों के रूप में उभरने लगी हैं। कभी मलेरिया था, जो अब बढ़कर डेंगू बन गया है। कोविड महामारी ने देश को आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर कर दिया था, और जैसे ही उसका दबाव कुछ कम हुआ, मंकीपॉक्स और बिगड़ा हुआ टायफायड नई समस्याएं बनकर उभरे हैं। इन बीमारियों ने देश की स्थिति को और अधिक गंभीर बना दिया है, जिससे समाज का स्वास्थ्य और जीवनशैली प्रभावित हो रही है। इस बीच, दिवाली के लिए बड़े-बड़े वादे किए गए थे कि इस बार पटाखा रहित, धुआं रहित दिवाली मनाई जाएगी, और लोग शांतिपूर्वक, कानूनी सीमाओं में रहते हुए खुशियां मनाएंगे। लेकिन असलियत यह है कि उत्सवों में शोर-शराबा और प्रदूषण पर नियंत्रण पाना अभी भी चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। दिल्ली और उत्तर भारत के कई शहरों में घुटन का सामना हो रहा था, जिसकी मुख्य वजह पंजाब में पराली जलाना था। सरकारों ने कड़े कदम उठाने का वादा किया था, लेकिन उत्सव के दौरान कानूनी ढील के कारण पराली जलाने की घटनाएं बढ़कर 4 हजार से अधिक हो गईं। दिवाली के बाद इन घटनाओं में 216 नई घटनाएं जुड़ गईं, और संगरूर जैसे खुले इलाके में 59 घटनाएं दर्ज की गईं। प्रदूषण के अन्य कारण भी स्पष्ट हो गए, जैसे बिगड़ी हुई गाड़ियाँ, उनके जहरीले धुएं, अधबनी सड़कों से उड़ती धूल और बढ़ते कूड़े के ढेर। सफाई कर्मचारी हड़ताल पर थे, और कूड़ा निस्तारण के लिए जरूरी मशीनें या तो मौजूद नहीं थीं, या उनके चलाने वाले प्रशिक्षकों की कमी थी। इस प्रकार, उत्सवों के बाद की नई जिंदगी की उम्मीदें जल्दी ही विफल होती दिखाई दीं, और यह स्थिति निराशा का कारण बन गई। यह बेतुकी आहें अवैध पटाखों के व्यापार से उत्पन्न हो रही थीं, जो स्पष्ट निर्देशों के बावजूद जारी रहे। लाइसेंसधारी व्यापारियों के लिए निर्धारित नियमों के बावजूद गली-गली और बाजारों में छिपाकर पटाखों का संग्रह कई दिनों तक चलता रहा, जिससे प्रदूषण और मौसम की विषाक्तता बढ़ती गई। दिवाली तो मनाई जा चुकी है, लेकिन उसके प्रभावों ने समाज के माहौल और देश की आर्थिक स्थिति पर गहरी खरोंचें छोड़ दी हैं। इस दिवाली से उम्मीद थी कि बाजारों में मंदी का असर खत्म हो जाएगा और त्योहारों के उत्साह में खरीदारी से कम मांग का विरोधाभास नहीं दिखाई देगा। सचमुच, दिवाली और उसके बाद के सप्ताह में मांग बढ़ी, लेकिन यह बढ़ोतरी प्रीमियम वस्तुओं में हुई।

देश दुनिया से

मोदी और ट्रंप से प्यार और खार के द्वंद्व

व्हाइट हाउस में डोनाल्ड ट्रंप की वापसी से अमेरिका में इन दिनों ठीक वैसी भावनाओं की तीव्रता उमड़ रही है जैसी पिछले एक दशक में नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद से भारत में अनुभव हुई है। वहां की तथाकथित 'उदारवादी प्रेस' ने ट्रंप के जीतने पर एक अंधकारमय, प्रलंयकारी परिदृश्य को चित्रित करने के लिए अपनी हदें पार कर दीं, जबकि ट्रंप समर्थक तथाकथित 'रूढ़िवादी मीडिया' – जिसकी अगुवाई एलन मस्क का सोशल मीडिया मंच एक्स कर रहा था–उसने अमीरों के कुलीन पहनावे वाले व्यक्ति (ट्रंप) की छवि चमकता बख्तरबंद पहने एक योद्धा के रूप में पेश की, जो बचाने आया है। यह हैरानी भरा भाव है कि जिस प्रकार का भावनात्मक मिश्रण मोदी के प्रति भारत में दिखता है, उससे मिलता-जुलता ट्रंप के लिए भी दिखा। मोदी द्वारा 2014, 2019 और 2024 में पाई सफलता में चुनावी उल्लास बनाम उदासी भरा आक्रोश, तीनों बार एक पहचान रही। निश्चित रूप से, यह स्पष्ट है कि भारत में भी, अमेरिका की तर्ज पर ध्रुवीकरण करने वाले व्यक्तित्व -मोदी और ट्रंप – के वजन के तले खुशहाल मध्य वर्ग का हिस्सा काफी हद तक गायब हो गया है। बड़ा सवाल यह है कि क्योंकर मीडिया और चुनाव-पंडितों, दोनों के अनुमान लगातार गलत निकल रहे हैं। क्या हमें मोदी और ट्रंप को खारिज करना इतना भाता है कि हम वास्तव में यह देखने और सुनने से इनकार कर रहे हैं कि जिन लोगों के विचारों, इच्छाओं और चिंताओं को हम व्यक्त करने का दावा करते हैं, वे वास्तव में क्या कहते हैं? अमेरिका की तरह – जहां चुनाव-पंडितों ने दौड़ को बराबरी पर ला दिया था, अख़बारों ने तो फ्लोरिडा में ट्रंप द्वारा विजय-भाषण देने के बहुत बाद तक यह मानने से इनकार किए रखा कि वे जीत गए हैं – भारत में भी, हममें से कइयों ने अपने दिल को अपने दिमाग पर हावी होने दिया, संयोगवश दोनों दिशाओं में। साल 2014 और 2019 में, हम यह यकीन नहीं कर पा रहे थे कि भारतीय अपने दोनों हाथों से मोदी को वोट दे रहे हैं, साल 2022 में, हमने यह मानने से इनकार कर दिया कि योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में जीत हासिल की है – हमने कहा, क्या कोविड-19 के दौरान हुई हज़ारों मौतें इस बात का सुबूत नहीं हैं कि ईश्वर स्वयं उनके खिलाफ हो गए हैं? साल 2024 में, हमें उतनी ही हैरानी हुई जब उसी उत्तर प्रदेश ने खुद को पूरी तरह से भाजपा को सौंपने से इनकार कर दिया। इन तमाम मामलों में, हमने खुद को मुगालतों में इतनी गहराई तक डुबो दिया कि ज़मीनी हकीकत पर ध्यान देने से आंखें मूंद लीं। इससे भी बदतर, एक बार जब ये जनादेश हमारे सामने थे, तब भी हममें से कई लोगों ने उन्हें सीधे तौर पर स्वीकार करने से इनकार कर दिया। हमने जोर देकर कहा कि मोदी और ट्रम्प के साथ कुछ तो गड़बड़ है – जो सच हो भी सकता है और नहीं भी। बदतर यह कि, हम राहुल गांधी या कमला हैरिस में से किसी पर भी वही सख्त पैमाना लागू करने से बचे। तो आइए, आज तथ्यों का सामना करें। तथ्य यह है कि हैरिस इसलिए हारी क्योंकि उसने किसी भी मुद्दे पर डटने की कोशिश नहीं की– भले ही ट्रम्प का कई मामलों में नाम है, उनकी छवि यौन उच्छृंखलता के आरोपों वाली है या इससे भी अधिक बुराइयां होने की है, लेकिन कम से कम उन्होंने इमिग्रेशन बंद करके (जो भारत के लिए बुरी खबर है) अमेरिका में रोजगार की उपलब्धता बढ़ाने का वादा किया। जहां तक राहुल का सवाल है, तथ्य यह है कि मेरे जैसे लोग डिनर के दौरान सियासत पर चर्चा में बेशक उनके कई विचारों से दिल से सहमत होंगे, लेकिन संकोचपूर्वक यह भी स्वीकार करेंगे कि ऐसा कौन सा मुद्दा है, जिसके लिए वे लड़ मरने को तैयार हों। अमेरिका और भारत जैसे प्रदूषित लोकतंत्र में बल्कि ट्रम्प और मोदी जैसी शख्सियतों को चुनना पसंद करेंगे क्योंकि वे इसकी गिरावट या रूपांतरण से समाज को मिली अराजकता का सरलीकरण करने में सक्षम हैं। जिन लोगों को हम चुनते हैं उनके जीवन के स्याह पक्षों को अनदेखा कर देते हैं–चाहे यह 6 जनवरी, 2021 को अमेरिका के सत्ता केंद्र यानि व्हाइट हाउस पर ट्रंप समर्थकों का हमला हो या फिर 2002 में गुजरात में घटा दुःस्वप्न हो- क्योंकि हम उनके वर्तमान आश्वासनों में यह सुकून ढूंढ़ते हैं कि वे हमारे मौजूदा कठिन जीवन को बेहतर बनाएंगे। वे हमें सहज ढंग से यह पेश करते हैं। उनके विरोधियों पर यकीन करने से अधिक हमें उन पर अविश्वास कम होता है। मतदाताओं ने ट्रंप को वोट देने की एक वजह यह बताई – यहां तक कि डेमोक्रेट पार्टी के रिवायती समर्थक दक्षिणी अमेरिकी राज्य जॉर्जिया के अश्वेत लोगों की बहुलता वाले जिले भी लगभग पूरी तरह से उनके पक्ष में चले गए, इसके अलावा उनके लेटिन वोट में 14 प्रतिशत का इजाफा हुआ – क्योंकि उनका मानना था कि डेमोक्रेट्स अपने मतदाताओं को हल्के में लेने लगे हैं। यह कुछ सुना-सुना सा लगता है न? निश्चित रूप से यह राहुल की कांग्रेस की तरह है, खासकर वे जो शिकायत कर रहे हैं कि हरियाणा में ईवीएम में धांधली थी। मतदाताओं ने हैरिस के खिलाफ रुख दिखाया, ठीक उसी तरह जैसे उन्होंने भूपेंद्र सिंह हुड्डा के मामले में किया, जब उन्होंने अपनी पार्टी के कुमारी सैलजा, रणदीप सुरजेवाला और बीरेंद्र सिंह जैसे नाराज़ नेताओं को साथ लेकर चलने से इनकार कर दिया। हरियाणा के हर निर्वाचन क्षेत्र के अपने माइक्रो-मैनेजमेंट से गैर-जाट वोटों पर ध्यान केंद्रित करने वाली भाजपा की तरह, डाटा दिखाता है कि ट्रंप ने पिछले 40 वर्षों में किसी भी अन्य रिपब्लिकन उम्मीदवार की तुलना में अधिक गैर-श्वेत वोट जीते हैं। बदतर कि जब यूपी में भाजपा ने 29 सांसद गंवाए और इसके परिणामवश लोकसभा में बहुमत, तो कांग्रेस इसका राग अलापना नहीं छोड़ा, वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी ने जल्द बूझ लिया कि आधे-अधूरे नीतिगत निर्णयों जैसी कोई अवस्था नहीं होती इसलिए वे बतौर प्रधानमंत्री वह सब करने में सक्षम हैं जो पूर्ण बहुमत के साथ करते। लिहाजा अपनी सत्ता को मजबूत करने और यूपी का बदला चुकाने का एकमात्र रास्ता आने वाले प्रांतीय चुनावों को जीतना है-हरियाणा हो या महाराष्ट्र या फिर झारखंड।

आप का नजरिया

प्रदूषकों को दंड

ऐसे वक्त में जब केंद्र सरकार जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने तथा स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहन देने के लिये प्रतिबद्ध है, तो देश के विभिन्न संस्थानों व विभागों को भी पहल करनी चाहिए। सरकार के प्रयासों के बीच राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण यानी एनजीटी द्वारा वायु व मिट्टी प्रदूषण फैलाने के लिये पानीपत थर्मल पावर स्टेशन पर 6.93 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाना, तमाम प्रदूषक उद्योगों के लिये सबक है। ट्रिब्यूनल की कार्रवाई कानूनों का उल्लंघन करके पर्यावरण व जन-स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वालों के लिये संदेश है कि लक्ष्मण रेखा पार की तो बख्शे नहीं जाएंगे। पर्यावरण को क्षति पहुंचाने पर भारी मुआवजा देना होगा। दरअसल, इस थर्मल प्लांट से निकलने वाली राख आस-पास के ग्रामीणों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रही है। जिससे श्वसन समेत कई तरह के रोग बढ़ रहे हैं। इतना ही नहीं सड़कों पर प्रदूषण के चलते दृश्यता कम होने से दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। वहीं दूसरी ओर एनजीटी ने थर्मल प्लांट के प्रबंधकों द्वारा पर्यावरण की क्षतिपूर्ति के लिये पेड़ों को लगाने में की गई खानापूर्ति को आड़े हाथ लिया। ट्रिब्यूनल ने कहा कि आप ने पौधे लगाने का दावा तो किया है लेकिन क्या सुनिश्चित किया है कि उन पौधों में से कितने पेड़ बन पाए। हरित न्यायाधिकरण का कहना था कि पौधरोपण से ज्यादा महत्वपूर्ण पेड़ों की उत्तरजीविता सुनिश्चित करना है। यह उपाय पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले प्रदूषकों के निवारण के आधे-अधूरे प्रयासों को ही उजागर करता है। निश्चित रूप से एनजीटी की जुर्माना लगाने की यह कार्रवाई प्रदूषण फैलाने वाली औद्योगिक इकाइयों को अपने तौर-तरीके बदलने को बाध्य करेगी। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने पिछले एक दशक में तेल व गैस क्षेत्र में राजकोषीय सब्सिडी कम करने की दिशा में सार्थक पहल की है। लेकिन अभी भी स्वच्छ ऊर्जा से बिजली क्षमता का आधा हासिल करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य प्राप्त करने हेतु बड़े प्रयासों की जरूरत है। तभी भारत वर्ष 2030 तक गैर जीवाश्म ईंधन स्रोतों से ऊर्जा हासिल करने के लक्ष्य को हासिल कर पाएगा। जलवायु परिवर्तन सम्मेलन तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन लगातार जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता व सब्सिडी कम करने पर बल देते रहे हैं। निस्संदेह, स्वच्छ ऊर्जा के स्थायी विकल्पों में निवेश करने से प्रदूषण से पैदा होने वाली बीमारियों पर अंकुश लग सकेगा। इसके साथ ही हम लक्षित कार्बन उत्सर्जन में भी कटौती कर सकते हैं। जलवायु परिवर्तन का दंश झेल रही दुनिया में जन स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिये जरूरी है कि प्रदूषण के कारकों की नियमित निगरानी हो व कानून के क्रियान्वयन में सख्ती से उद्योगों की जवाबदेही तय की जा सकेगी। जिससे हम प्रकृति के अनमोल संसाधनों हवा, पानी और मिट्टी को जहरीला बनने से रोक पाएंगे। इसमें दो राय नहीं कि पर्यावरण तथा स्वास्थ्य के आपातकाल से बचने के लिये शून्य सहिष्णुता का दृष्टिकोण नितांत जरूरी है। हाल में पराली जलाने पर जुर्माना दुगना करने की नीति को इसी आलोक में देखना चाहिए। लेकिन साथ ही किसानों को पर्याप्त विकल्प भी उपलब्ध कराए जाने चाहिए।

बांग्लादेश में बंगभवन के दरबार हॉल से हटाई गई बंगबंधु की तस्वीर

ढाका, 11 नवंबर (एजेंसियां)।

अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पिता और बांग्लादेश के संस्थापक बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की तस्वीर मुल्क के राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास बंगभवन के दरबार हॉल में अब दिखाई नहीं देगी। वहां से बंगबंधु रहमान की एक तस्वीर हटा दी गई है।

राजधानी ढाका से छपने वाले अखबार प्रोथोम अलो ने अपनी खबर में सलाहकार महफूज आलम की फेसबुक पोस्ट के आधार पर यह दावा किया है। फेसबुक पोस्ट के अनुसार, शेख मुजीबुर रहमान की तस्वीर-पोस्ट %71 फासीवादी, दरबार हॉल से हटा दी गई है। यह हमारे लिए शर्म की बात है कि हम 5 तारीख के बाद बंगभवन से उनकी तस्वीरें नहीं हटा सके। अगस्त की क्षमायाचना, लेकिन, जब तक लोगों में जुलाई की भावना जीवित रहेगी तब तक वह कहीं दिखाई नहीं देगी।

आलम ने लिखा है, शेख मुजीब और उनकी बेटी ने बांग्लादेश के लोगों के साथ जो किया है, वह अवामी लीग को स्वीकार करना चाहिए और माफी मांगनी चाहिए, जिसमें गैर-लोकतांत्रिक %72 संविधान से लेकर अकाल, अरबों टका की लूट और हजारों की गैर-न्यायिक हत्याएं शामिल हैं। असंतुष्टों और विरोधियों की (1972-75, 2009-2024)। फिर, हम बिना माफी और फासीवादियों के परीक्षण के पूर्व 71 के शेख मुजीब के बारे में बात कर सकते हैं। किसी भी प्रकार का मेल-मिलाप नहीं होगा। प्रोथोम अलो के अनुसार इस संबंध में संपर्क करने पर राष्ट्रपति के प्रेस सचिव जोयनाल आबेदीन ने कोई जवाब नहीं दिया। हालांकि, प्रेस विंग के एक अधिकारी ने कहा कि कल रात तीन नए सलाहकारों ने दरबार हॉल में शपथ ली। इस दौरान बंगबंधु की तस्वीर मौजूद थी। उन्होंने कहा, शपथ कार्यक्रम के बाद वे घर चले गए। मुझे घटना के बारे में कोई जानकारी नहीं है। बांग्लादेश के संविधान के अनुच्छेद 4ए के अनुसार, राष्ट्रपिता बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के चित्र को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, स्पीकर और मुख्य न्यायाधीश के साथ-साथ प्रमुख सरकारी कार्यालयों में संरक्षित और प्रदर्शित किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

रूस की यूक्रेन पर हमला कर कुर्स्क पर नियंत्रण की तैयारी

वाशिंगटन। रूस ने यूक्रेन पर हमला कर कुर्स्क क्षेत्र में नियंत्रण की सामरिक तैयारी की है। अमेरिकी और यूक्रेनी अधिकारियों का दावा है कि रूस ने 50,000 सैनिकों को इकट्ठा किया है। खबर के अनुसार, रूस की सेना ने उत्तर कोरिया के सैनिकों सहित 50,000 सैनिकों की बड़ी टुकड़ी इकट्ठी की है। रूस कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेन द्वारा जब्त किए गए क्षेत्र को पुनः प्राप्त करने के उद्देश्य से हमला शुरू करने की तैयारी कर रहा है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार,रूस ने पूर्वी यूक्रेन से सैनिकों को हटाए बिना ही बड़ी संख्या में सेना तैनात कर दी है। रूसी सैनिक कुर्स्क क्षेत्र के कुछ हिस्से में काबिज होना चाहते हैं। यूक्रेन ने इस साल कुर्स्क के इस क्षेत्र में कब्जा कर लिया था। यूक्रेनी अधिकारियों का कहना है कि उन्हें आने वाले दिनों में उत्तर कोरियाई सैनिकों से जुड़े ऐसे हमले की आशंका है।

ब्रिटेन पीएम ने दी दीपावली पर पार्टी मांस, मदीरा परोसने से भारतीय हुए नाराज

लंदन। ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर ने 10 डाउनिंग स्ट्रीट में दीपावली पार्टी का आयोजन किया था कि उनकी ब्रिटिश भारतीयों में अच्छी छवि बनेगी लेकिन पीएम स्टार्मर की यह कोशिश बेकार हो गई, जब खबर आई कि दीपावली पार्टी में शराब और मांस परोसा गया है। इस पार्टी में ब्रिटिश भारतीय समुदाय के नेता सहित लेबर सांसदों, लेबर काउंसिलरों और सेना के सदस्य शामिल हुए थे। हालांकि, कुछ मेहमान हैरान रह गए जब उन्होंने देखा कि वहां कबाब, मछली, बीयर और वाइन परोसी जा रही थी। कुछ ने कैटरिंग स्टाफ से आपत्ति जताई, लेकिन उन्हें बताया गया कि ये चीजें ऑर्डर की गई थीं। ब्रिटिश भारतीयों ने बताया कि यह अपमानजनक, घृणास्पद था और त्योहार की आध्यात्मिक भावना को गंदा कर रहा था। ब्रिटिश भारतीय ने बताया कि दीपावली का धार्मिक पहलू ऐसा है कि इसे आमतौर पर सात्विक भोजन के साथ मनाया जाता है। इसमें पूजा का एक तत्व शामिल होता है। आप उस वक्त देवताओं से समृद्धि और धन की प्रार्थना नहीं कर सकते, जबकि आप नशे में हों। ब्रिटिश हिंदुओं और भारतीयों के सामाजिक आंदोलन, इनसाइट यूके के प्रवक्ता ने कहा कि दीपावली के धार्मिक महत्व को कम नहीं आंका जाना चाहिएज। इंस्टाग्राम पर एक बयान में इनसाइट यूके ने कहा कि दीपावली केवल उत्सव का समय नहीं है, बल्कि इसका गहरा धार्मिक महत्व भी है। प्रधानमंत्री द्वारा आयोजित दीपावली समारोह में मेनू का सेलेक्शन से जुड़े धार्मिक परंपराओं की समझ या सम्मान की कमी को दिखाता है। यह भी महत्वपूर्ण सवाल उठाता है कि क्या हिंदू समुदाय संगठनों और धार्मिक नेताओं से अधिक सांस्कृतिक संवेदनशीलता और समावेशिता के लिए सलाह-मशविरा किया गया था।

चीन जमीन ही नहीं समुद्र में भी आंखे दिखाता है, फिलीपींस ने सिखाया सबक

बीजिंग। अपने पड़ोसी देशों पर प्रभाव जमाने की कोशिशों में लगे चीन को अब कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की दादागिरी से तंग आ चुके देशों ने क्वॉड के माध्यम से नई शक्ति और समर्थन प्राप्त किया है, जिससे अब वे चीन के प्रभाव में नहीं आना चाहते। इसी क्रम में, फिलीपींस ने हाल ही में दो नए समुद्री कानून लागू किए हैं, जो चीन के विवादित दावों के खिलाफ एक साहसिक कदम हैं। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस ने 'समुद्री क्षेत्र अधिनियम' और 'द्वीप समुद्री लेन अधिनियम' पर हस्ताक्षर किए, जिसमें चीन के हुआनयान और नानशा द्वीप समूह को फिलीपींस के समुद्री क्षेत्रों में शामिल कर लिया गया है। यह कदम घरेलू कानून के माध्यम से फिलीपींस की समुद्री संप्रभुता को मजबूत करने और एक नई राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति का हिस्सा है। चीन ने इस कदम का कड़ा विरोध करते हुए इसे अपनी क्षेत्रीय संप्रभुता का उल्लंघन बताया और दक्षिण चीन सागर पर अपने अधिकार को दोहराया। चीन ने कहा है कि वह दक्षिण चीन सागर मध्यस्थता मामले में दिए गए निर्णय को न तो स्वीकार करता है और न ही मान्यता देगा। इसके विपरीत, फिलीपींस का यह कदम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चीन के खिलाफ एक सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

इजराइली चीफ ऑफ स्टाफ ब्रेवरमैन पर लगे जबरन वसूली के आरोप

प्रधानमंत्री नेतन्याहू की गिर रही साख, राजनीति उथल-पुथल भी मची

यरूशलम, 11 नवंबर (एजेंसियां)।

इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के आफिस में चल रहा विवाद तेज होता रहा है, जहां उनके चीफ ऑफ स्टाफ तजाची ब्रेवरमैन जबरन वसूली के एक मामले में फंसे नजर आ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन पर आरोप है कि इजराइली पीएमओ के सदस्यों ने सेना से जुड़े एक अधिकारी की व्यक्तिगत जानकारी हासिल की थी, जिसे सरकारी फैसलों पर दबाव डालने के उद्देश्य से उपयोग करने की योजना थी। इस प्रकरण से नेतन्याहू के कार्यालय की साख गिर रही है और यह मामला देश में राजनीतिक उथल पुथल का कारण बना रहा है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक यह मामला इजराइली सेना प्रमुख के पास महीनों पहले पहुंचा था, जिसमें गंभीर दावे किए गए थे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि पीएमओ के पास आईडीएफ के एक अधिकारी से संबंधित सुरक्षा फुटेज और व्यक्तिगत दस्तावेज थे। यह संवेदनशील जानकारी पीएमओ के अन्य अधिकारियों तक भी पहुंचाई गई थी। इन आरोपों के बाद चीफ ऑफ स्टाफ ब्रेवरमैन ने इन दावों को खारिज करते हुए इसे झूठा और अपमानजनक बताया। उन्होंने कहा कि उनके पास ऐसा कोई वीडियो नहीं है और उन्होंने किसी भी प्रकार का ब्लैकमेल करने का प्रयास नहीं किया है। ब्रेवरमैन ने आरोपों को युद्ध के समय उन्हें और पीएमओ को नुकसान पहुंचाने का प्रयास बताया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक एक करीबी सूत्र ने सेना प्रमुख को सूचित किया था कि आईडीएफ अधिकारी का पीएमओ में कार्यरत एक महिला कर्मचारी के साथ अनुचित संबंध था। सेना की जांच में पाया गया कि इस संबंध में कोई सत्ता का दुरुपयोग नहीं था। यह स्कैंडल इस महीने की शुरुआत से ही पीएमओ को झकझोर रहा है और सुरक्षा में चूक और संवेदनशील जानकारी के दुरुपयोग के आरोपों ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है।

3अपनी नगरी को नहीं बचा पा रहे पुतिन, यूक्रेन ने कर दिया सबसे बड़ा हमला

कीव। यूक्रेन ने 34 ड्रोन के साथ मास्को पर अब तक का सबसे बड़ा हमला किया है। इसकी वजह से मॉस्को के तीन प्रमुख एयरपोर्ट्स- डोमोडेडोवो, शेरेमेत्येवो और झुकोवस्की पर उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा। इस हमले में कम से कम पांच लोग घायल हो गए, जिससे मॉस्को और आसपास के क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। कुछ अधिकारियों के अनुसार, यह युद्ध अब अपने अंतिम चरण में प्रवेश कर सकता है। इस बीच, हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप संयुक्त राज्य अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति चुने गए हैं और जनवरी में पदभार ग्रहण करेंगे। ट्रंप ने अपने चुनाव अभियान में दावा किया था कि वे 24 घंटों के भीतर यूक्रेन में शांति स्थापित कर सकते हैं, लेकिन उन्होंने इस संबंध में कोई स्पष्ट योजना नहीं बताई है। यह संघर्ष न केवल रूस और यूक्रेन के लिए बल्कि पूरे यूरोप और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती बना हुआ है, जिसमें अब शांति स्थापना की उम्मीद ट्रंप प्रशासन पर टिकी है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि रविवार को पश्चिमी रूस के अन्य क्षेत्रों में 50 ड्रोन को नष्ट कर दिया गया ।मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेन का कीव शासन रूसी संघ पर आतंकवादी हमला करने का प्रयास कर रहा था, लेकिन रूसी एयर फोर्स ने इसे विफल कर दिया। रूस की संघीय हवाई परिवहन एजेंसी ने भी जानकारी दी कि मॉस्को के हवाई अड्डों ने अस्थायी रूप से उड़ानों को डायवर्ट किया, लेकिन स्थिति नियंत्रण में आने के बाद परिचालन पुनः शुरू कर दिया गया ।यूक्रेन की ओर से दावा किया गया कि रूस ने भी रात भर में रिकॉर्ड 145 ड्रोन लॉन्च किए, जिनमें से 62 ड्रोन को यूक्रेनी हवाई सुरक्षा बलों ने मार गिराया। यूक्रेन ने रूस के ब्रांस्क क्षेत्र में एक शस्त्रागार पर हमला करने की बात भी कही, जिसमें 14 ड्रोन गिराए गए थे।

बाइडन अपने पद से दें इस्तीफा, कमला हैरिस को बनाएं अमेरिका का राष्ट्रपति

वॉशिंगटन, 11 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में कमला हैरिस के राष्ट्रपति चुनाव हार जाने से उनके समर्थक काफी निराश हैं। इस बीच अब कमला हैरिस की टीम के पूर्व कर्मचारी ने राष्ट्रपति जो बाइडन से इस्तीफा की मांग कर दी है। उन्होंने कहा कि बाइडन इस्तीफा देकर कमला हैरिस को देश की पहली महिला राष्ट्रपति बनाएं।

हालांकि यह कार्यकाल थोड़े ही समय के लिए होगा लेकिन हैरिस की टीम के पूर्व संचार निदेशक जमाल सिमंस ने एक टॉक शो में इसी तरह का सुझाव दिया। बाद में एक सोशल मीडिया पोस्ट पर उन्होंने कहा कि जो बाइडन अद्भुत रहे हैं, लेकिन उन्हें एक आखिरी वादा पूरा करना चाहिए और वक्त की नजाकत को समझते हुए बदलाव की ओर

पूर्व संचार निदेशक जमाल ने एक टॉक शो में दिया सुझाव

कदम बढ़ाना चाहिए।

पूर्व संचार निदेशक ने कहा कि बाइडन अगले 30 दिनों में राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दें और इसके बाद कमला हैरिस को संयुक्त राज्य अमेरिका का राष्ट्रपति बना सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि इससे उन्हें छह जनवरी को अपनी हार के बाद होने वाले बदलावों की निगरानी करने से मुक्ति मिल जाएगी।

एक ऐसे बिंदु पर जहां डेमोक्रेट्स को नाटक और पारदर्शिता सीखनी होगी और वे चीजें करनी होंगी जो जनता देखना चाहती है। यह हमारे लिए डेमोक्रेट्स के काम करने के तरीके के पूरे परिप्रेक्ष्य को बदलने का समय है। एक सवाल के जवाब में जमाल सिमंस ने कहा कि यह सबसे अच्छी बात है जो बिडेन यह कर सकते हैं।

पाकिस्तान में दो आत्मघाती आतंकवादी गिरफ्तार

क्वेटा, 11 नवंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान में दो आत्मघाती आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। बताया गया है कि दोनों कराची में हमले की योजना बना रहे थे।

सूत्रों के मुताबिक़ सुरक्षा बलों ने खुफिया आधारित ऑपरेशन के दौरान बलूचिस्तान के विभिन्न इलाकों में लक्षित अभियानों के दौरान इनको दबोचा गया। दोनों आतंकवादी कथित तौर पर कराची में सुरक्षा बलों और विदेशी नागरिकों पर हमले की योजना बना रहे थे।

इसके अलावा कराची हवाई अड्डे के सिग्नल के पास चीनी इंजीनियरों पर योजनाबद्ध आत्मघाती हमले के पीछे के मास्टरमाइंड को भी विंडर में हिरासत में लिया गया है। चार अन्य आतंकवादियों को विभिन्न स्थानों से गिरफ्तार किया गया है।

पेशावर दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में, वायु गुणवत्ता सूचकांक 509

इस्लामाबाद, 11 नवंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की राजधानी पेशावर में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 509 के खतरनाक स्तर पर पहुंच गया। दूषित हवा के इस खतरनाक स्तर ने पेशावर को दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की श्रेणी पर पहुंचा दिया है। मुल्क के पंजाब प्रांत के शहरों को ढकने वाली धुंध भरी हवा अब खैबर पख्तूनख्वा की ओर बढ़ गई है और पेशावर और आसपास के जिलों को अपनी चपेट में ले लिया है।

लाहौर में पार्क और बागवानी प्राधिकरण ने प्रदूषण को कम करने के लिए हरित पट्टियों और सड़कों के किनारे के पेड़ों और पौधों को धोने के प्रयासों में तेजी ला दी है। गुलबर्ग, मॉडल टाउन और अन्य मुख्य मार्गों पर इसी तरह की गतिविधियों के साथ मॉल रोड, जेल रोड और फिरोजपुर रोड पर रोजाना पेड़ धोने का कार्य चल रहा है। प्राधिकरण के महानिदेशक मुहम्मद ताहिर वट्टू के अनुसार टीम सुबह से रात तक काम कर रही है। धुंध और प्रदूषण से निपटने के लिए आवश्यक उपाय के रूप में पौधरोपण को प्राथमिकता दी जा रही है।

ग्रीन मास्टर प्लान की हालिया एक रिपोर्ट ने लाहौर में स्मॉग की चिंताजनक वृद्धि के कारकों का जिक्र किया गया है। इसमें कहा गया है कि शहर के तेजी से विकास ने लाहौर को कंक्रीट के जंगल में बदल दिया है। इससे लाहौर में स्मॉग की समस्या बढ़ गई है। हरे-भरे स्थानों में कमी के कारण तापमान में वृद्धि हुई है। इस वजह से शहर हीट आइलैंड में बदल गया है। इस रिपोर्ट से पता चलता है कि 33 वर्ग किलोमीटर औद्योगिक क्षेत्र तो आवासीय क्षेत्रों के पास स्थित है। यह लाहौर की धुंध समस्या में महत्वपूर्ण कारक है। इसमें चेतावनी दी गई है कि यदि अगले दशक के भीतर बिखरे हुए उद्योगों को निर्दिष्ट औद्योगिक क्षेत्रों में स्थानांतरित नहीं किया गया, तो स्थिति और भी गंभीर हो सकती है।

कनाडा के लोगों पर देश की कुल जीडीपी से भी ज्यादा का कर्ज, मुश्किल में फंसे ट्रूडो

ओटावा, 11 नवंबर (एजेंसियां)।

कनाडा की अर्थव्यवस्था कठिन दौर से गुजर रही है। देश में हाउसहोल्ड डेट यानी परिवारों पर कर्ज, अब जीडीपी के मुकाबले 103 फीसदी तक पहुंच गया है। इसका मतलब है कि कनाडा के नागरिकों पर देश की कुल जीडीपी से भी ज्यादा का कर्ज चढ़ गया है, जिसमें ब्याज और मूलधन दोनों शामिल हैं।

यह आंकडो दर्शाते हैं कि कनाडा के लोग अपनी खर्च योग्य आय से कहीं ज्यादा कर्ज में दबे हैं, जिससे देश की आर्थिक स्थिरता पर गंभीर संकट छा गया है। इस असंतुलन की वजह से कनाडाई लोगों को संपत्तियां खरीदने और अन्य जरूरी खर्चों के लिए अत्यधिक कर्ज लेना पड़ता है।

विश्लेषकों का मानना है कि यह कर्ज देश की आर्थिक सेहत के लिए खतरनाक संकेत है। जिन देशों में हाउसहोल्ड डेट ज्यादा होता है, वहां परिवारों को वित्तीय अनिश्चितता का सामना करना पड़ता है। कनाडा के बाद ब्रिटेन का नंबर आता है, जहां लोगों पर देश की जीडीपी का 80 फीसदी कर्ज है। अन्य देशों में यह अनुपात तुलनात्मक रूप से कम है, जैसे कि अमेरिका में 73 फीसदी, फ्रांस में 63 फीसदी, चीन में 62 फीसदी और जर्मनी में 52 फीसदी। वहीं, भारत में यह आंकड़ा 37 फीसदी है, जो कनाडा की तुलना में काफी कम है इससे पता चलता है कि भारतीय परिवारों पर कर्ज का बोझ कम है।

कनाडा की मुश्किलें यहीं खत्म नहीं हो रही है। अमेरिका में हाल में हुए राष्ट्रपति चुनावों में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद कनाडा की आर्थिक स्थिति पर और ज्यादा दबाव आने की संभावना है। ट्रंप ने अपने चुनाव अभियान में आयात पर ऊंचे टैरिफ लगाने और नॉर्थ अमेरिका फ्री ट्रेड एग्रीमेंट की समीक्षा करने का वादा किया था। अगर ट्रंप यह कदम उठाते हैं तो कनाडा के सबसे बड़े ट्रेडिंग पार्टनर अमेरिका के साथ उसके व्यापार संबंध प्रभावित हो सकते हैं, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को बड़ा झटका लग सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो देश को आर्थिक अस्थिरता का सामना करना पड़ सकता है। बढ़ते कर्ज के चलते कनाडाई लोगों को महंगाई और वित्तीय अनिश्चितताओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में यह देखना होगा कि कनाडा की सरकार इस संकट से निपटने के लिए क्या कदम उठाती है, ताकि देश आर्थिक संतुलन बना सके और लोगों को कर्ज के जाल से मुक्ति मिल सके।

कुमामोटो मास्टर्स जापान बैडमिंटन: सिंधु लक्ष्य को फॉर्म हासिल करने की उम्मीद

कुमामोटो, 11 नवंबर (एजेंसियां)।
स्टार शटलर पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन मंगलवार से यहां शुरू हो रहे कुमामोटो मास्टर्स जापान सुपर 500 टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुआई करते हुए फॉर्म हासिल करने के लिए बेताब होंगे। पेरिस ओलंपिक में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद से दोनों खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ फॉर्म पाने के लिए संघर्ष करना पड़ा है। सिंधु डेनमार्क ओपन सुपर 750 में क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं, वहीं लक्ष्य सेन आर्कटिक ओपन सुपर 500 और डेनमार्क ओपन दोनों में शुरुआती दौर में ही बाहर हो गए। दोनों खिलाड़ियों को अपने मैचों में प्रतिस्पर्धी बने रहने के बाद निर्णायक दौर में पहुंचने में संघर्ष करना पड़ा। फिनलैंड में कनाडा की मिशेल ली से पहले दौर में चौंकाने वाली हार के बाद सिंधु ने ओडेंस में क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, लेकिन निर्णायक मुकाबले में पेरिस कांस्य पदक विजेता इंडोनेशिया की ग्रेगोरिया मारिस्का टुनजुंग से हार गईं। दूसरी ओर, लक्ष्य फिनलैंड और ओडेंस में चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन और चीन के लू गुआंग ज़ू के खिलाफ़ हार गए। इन असफलताओं के बावजूद, सिंधु ने अपनी तैयारियों पर भरोसा जताया है, उन्होंने नए कोच अनूप श्रीधर और कोरियाई दिग्गज ली स्यून इल के साथ मिलकर काम किया है। सिंधु ने कहा, मैं शारीरिक और मानसिक रूप से अच्छी स्थिति में हूँ। सिंधु अपने अभियान की शुरुआत आठवीं वरीयता प्राप्त थाई बुसानन ओंगबामरुंगफान के खिलाफ़ करेंगी। पुरुष एकल में, लक्ष्य के पास दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को चुनौती देने का खेल है, लेकिन टोक्यो ओलंपिक में उनके लगभग चूकने के बाद उनकी मानसिक दृढ़ता पर सवाल उठाए गए हैं, जहाँ वे दिल तोड़ने वाली हार में पदक की स्थिति से फिसल गए थे। 23 वर्षीय खिलाड़ी मलेशिया के लियोंग जुन हाओ के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेंगे, जबकि अगले दौर में उनका सामना इंडोनेशिया के आठवें वरीय एंथनी गिंटिंग से हो सकता है।

एकमात्र अन्य भारतीय जोड़ी जो एक्शन में होगी, वह ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल टीम होगी, जो अपने शुरुआती मैच में ताइपे की ह्सू यिन-हुई और लिन झिह युन का सामना करेंगी।

न्यूज़ ब्रीफ

न्यूज़ीलैंड सीरीज में भारत के खराब प्रदर्शन पर गौतम गंभीर ने कहा-हम तीनों विभागों में पिछड़ गए

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने न्यूजीलैंड श्रृंखला में टीम के हालिया प्रदर्शन का

खुलकर आकलन किया और उन क्षेत्रों को स्वीकार किया है, जहां टीम कमजोर पड़ी थी। गंभीर ने कहा, जाहिर है, सीख यह है कि हम स्वीकार करते हैं कि हम परास्त हुए। मैं यहां बैठकर बचाव नहीं करने जा रहा हूं। मुझे लगता है कि हम तीनों विभागों में परास्त हुए। उन्होंने कहा, वे अधिक पेशेवर थे और हम इसे स्वीकार करते हैं। मुझे लगता है कि हमें जो आलोचना मिल रही है, हम उसे दोनों हाथों से लेते हैं और हम आगे बढ़ते रहते हैं और हर दिन बेहतर होते रहते हैं। असफलताओं के बावजूद, गंभीर ने टीम के कप्तान रोहित शर्मा के साथ अपने मजबूत संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपनी पिछली सफलताओं को दर्शाते हुए कहा, रोहित के साथ मेरा रिश्ता अविश्वसनीय रहा है। भारतीय टीम के मुख्य कोच ने कहा, तीन टेस्ट मैचों से पहले, हमने कानपुर में भी एक अविश्वसनीय टेस्ट मैच खेला था। मुझे पता है कि हमने अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेला है, लेकिन इससे कुछ भी नहीं बदलता है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को देखते हुए, गंभीर ने सकारात्मक मानसिकता के साथ आगे बढ़ने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलिया एक नई सीरीज और नया प्रतिद्वंद्वी है। हम यह सोचकर मैदान पर उतरते हैं कि हम निश्चित रूप से उस सीरीज को जीतने की कोशिश करेंगे। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर भारत की शर्मनाक हार के बाद, डब्ल्यूटीसी फाइनल की राह मुश्किल हो गई है। 3-0 से सीरीज जीतने के बाद, भारत को लगातार तीसरी बार डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने के लिए लंदन में 4-0 से सीरीज जीतनी होगी।

रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में नहीं खेलेंगे तो बुमराह करेंगे भारत की कप्तानी: गंभीर

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने पुष्टि की है कि अगर नियमित कप्तान रोहित

शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बहुप्रतीक्षित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं होते हैं, तो तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह राष्ट्रीय पुरुष क्रिकेट टीम का नेतृत्व करेंगे। शुरुआती मैच 22 नवंबर को पर्थ में शुरू होने वाला है। सोमवार को मुंबई से ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होने से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान गंभीर ने कहा, बुमराह उप-कप्तान हैं; अगर रोहित उपलब्ध नहीं हैं, तो वह पर्थ में कप्तानी करेंगे। रोहित शर्मा फिलहाल टीम के साथ नहीं हैं, लेकिन उन्हें आधिकारिक तौर पर सीरीज के पहले मैच से बाहर नहीं किया गया है। गंभीर ने रोहित की स्थिति पर अपडेट देते हुए कहा, फिलहाल, कोई पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन हम आपको बताएंगे कि स्थिति क्या होगी। उम्मीद है कि वह उपलब्ध होंगे, लेकिन सीरीज की शुरुआत में हमें सब कुछ पता चल जाएगा। गंभीर की घोषणा ने टीम की आकस्मिक योजनाओं को उजागर किया क्योंकि वे ऑस्ट्रेलिया का सामना करने की तैयारी कर रहे हैं, जिसमें बुमराह जरूरत पड़ने पर नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर भारत की शर्मनाक हार के बाद, डब्ल्यूटीसी फाइनल की राह मुश्किल हो गई है।

सुमा शिरूर ने जीता महिला कोच ऑफ द ईयर का पुरस्कार

मुंबई। ओलंपियन और भारतीय शूटिंग टीम की पूर्व मुख्य कोच, सुमा शिरूर को इंडियन स्पोर्ट्स ऑनर्स

2024 में महिला कोच ऑफ द ईयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह समारोह कॉर्नरस्टोन स्पोर्ट द्वारा आयोजित किया गया था। सुमन शिरूर, जो किसी भी ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला भी हैं , को पेरिस ओलंपिक्स और पैरालिंपिक्स में भारतीय शूटिंग टीम को सफलता की ओर ले जाने और भारतीय खेलों में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए उनके समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार समारोह में देश के प्रमुख एथलीटों, कोचों और खेल हस्तियों का जमावड़ा हुआ, जिसमें सुमा शिरूर अपनी उत्कृष्टता के प्रति अडिग प्रयासों के लिए अलग नजर आईं। उनके मार्गदर्शन में, भारत के शूटर्स ने तीन ओलंपिक पदक जीते, जिससे वैश्विक मंच पर भारतीय शूटिंग में एक पुनर्जागरण हुआ। खासकर, उनके मार्गदर्शन ने अवनि लेखरा को महिला 10 मीटर इवेंट में दूसरा पैरालिंपिक्स गोल्ड जीतने में मदद की, जिससे शिरूर का एक कोच के रूप में प्रभाव स्पष्ट होता है, जो एथलीटों को अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने के लिए प्रेरित करती हैं।

खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया ने 50 लाख छात्रों को पंजीकृत करने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया

नई दिल्ली,11 नवंबर (एजेंसियां)।
भारत के स्वदेशी खेल को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की एक अभूतपूर्व पहल में खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) ने देश भर में स्कूली छात्रों को लक्षित करते हुए एक व्यापक पंजीकरण अभियान शुरू किया है। इस काम के लिए यह सबसे अच्छा समय है क्योंकि भारत 13 से 16 जनवरी, 2024 तक नई दिल्ली के आईजीआई स्टेडियम में पहली बार खो-खो विश्व कप की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है।

ऑफ डिजिटल एंटरप्रेन्योर्स (एसओडीई) के सहयोग से जारी इस डिजिटल पंजीकरण अभियान ने पहले ही उल्लेखनीय प्रगति की है। यह पूरे भारत में 7,132 शहरों और 1,160 स्कूलों तक पहुँच चुका है। दक्षिणी राज्य तेलंगाना से लेकर उत्तर प्रदेश तक, अब तक कक्षा 6 से 11 तक के छात्रों ने इस अनोखे अभिनव जमीनी स्तर के प्रोग्राम में सक्रिय रूप से पंजीकरण कराया है।

केकेएफआई के महासचिव एम.एस. त्यागी, जो इस खेल में लगभग छह दशकों का अनुभव रखते हैं, ने कहा, हमारा सपना जनवरी में होने वाले विश्व कप से पहले 50 लाख से अधिक छात्रों को जोड़ना है। अगर हम ऐसा करने में सफल होते हैं, तो हम 50 लाख परिवारों को खो-खो की दुनिया से जोड़ देंगे।

त्यागी ने आगे कहा, मैं 1964 से खो-खो खेल से जुड़ा हुआ हूं। पहले एक खिलाड़ी के रूप में, बाद में एक कोच के रूप में और अब महासचिव के रूप में। मैंने जो देखा है, वह यह है कि किसी भी खेल को आगे बढ़ाने और आगे बढ़ाने के लिए हमें इस तरह के पंजीकरण अभियान की आवश्यकता होती है।

इस पहल के तहत महत्वाकांक्षी खो-खो खिलाड़ियों का एक व्यापक डेटाबेस बनाने के लिए सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म की शक्ति का लाभ उठाया जाता है।

त्यागी ने इवेंट की क्षमता और उसके प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए बताया, सबसे बड़ा फायदा यह है कि जब एक छात्र हमारे साथ शामिल होता है, तो उसके दोस्त भी हमारे साथ जुड़ते हैं और फिर यह उनके परिवारों तक फैलता है, जिससे कभी न खत्म होने वाला जुड़ाव बना रहता है।

केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने भी अपनी महत्वाकांक्षी दृष्टि साझा करते हुए कहा, भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने की ओर अग्रसर है, इसलिए हम खो खो को ओलंपिक मानकों तक बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस पंजीकरण अभियान का उद्देश्य केवल एक डेटाबेस बनाना नहीं है। यह एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के बारे में है जो भविष्य के चैंपियनों को पोषित करेगा और इस स्वदेशी खेल को वैश्विक मंच पर ले जाएगा। हमारा लक्ष्य खो खो को न केवल भारत का गौरव बनाना है, बल्कि एक ऐसा खेल बनाना है जो दुनिया की कल्पना को पकड़ ले।

महासंघ यह सुनिश्चित करता है कि पंजीकृत छात्रों को उनके डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से खेल के अवसरों, संभावित करियर पथों और अन्य लाभों के बारे में नियमित अपडेट प्राप्त होंगे। इस व्यापक दृष्टिकोण का उद्देश्य भारत की खेल विरासत को संरक्षित करके और बढ़ावा देते हुए युवा एथलीटों के लिए एक स्थायी मार्ग बनाना है।

अब तक, अर्जेंटीना उन 24 देशों में शामिल हो गया है जिन्होंने आगामी विश्व कप में अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। विश्व कप के करीब आने और ग्रासरूट प्रोग्राम के गति पकड़ने के साथ, खो खो एक नए युग की दहलीज पर खड़ा है, जो एक प्रिय स्थानीय खेल से वैश्विक खेल में बदलने के लिए तैयार है।

महिला क्रिकेट : चांदनी ने की शानदार गेंदबाजी स्काई ने जीता मैच

लखनउ, 11 नवंबर (एजेंसियां)।

जीसीआरजी महिला क्रिकेट लीग की शुरुआत सोमवार को हो गयी। पहले दिन तीन लीग मैच खेले गये। स्काई सुपर ने डाइनामिक को 77 रन से हरा दिया। इस मैच में स्काई की चांदनी शर्मा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए मात्र 22 रन देकर चार विकेट लिये।

वहीं विक्टर वाइपर्स और ब्रेव ब्लेजर्स ने भी अपने-अपने मैच जीत लिये। स्काई सर्फर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर में पांच विकेट गवांकर 202 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज टेथियर फातिमा ने अपनी टीम में सर्वाधिक 69 रन का योगदान दिया। वहीं शशि बाला 45 रन और अप्रिता 28 रन बनाईं। वहीं डायनेमिक की पूरी टीम 125 रन बनाकर ही पवेलियन लौट गयी और स्काई ने 77 रन से मैच जीत लिया।सलामी बल्लेबाज आयुषी श्रीवास्तव ने अपनी टीम में आयुषी श्रीवास्तव ने 58 रन बनाईं। वहीं सोनल ने 13 रन का योगदान दिया। वहीं दूसरे मैच में माइटी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 95 रन बनाये। नैन्सिका यादव ने 18 रन बनाये। वहीं महिमा शुक्ला ने 14 रन का योगदान दिया। वहीं विक्टोरी की टीम ने तीन विकेट गवांकर ही 96 रन बना लिये और मैच को सात विकेट से जीत लिया। दिवा श्रीवास्तव 32 रन बनाई वहीं सलामी बल्लेबाज शर्गुन यादव ने 31 रन का योगदान दिया। तीसरे मैच में ग्लोरियस ज्वाइंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 विकेट गवांकर 165 रन बनाये। अपनी टीम में सर्वाधिक अरोमा त्यागी ने 46 रन का योगदान दिया। वहीं ब्रेव की टीम ने चार विकेट गवांकर 169 रन बना लिये और मैच को छह विकेट से जीत लिया।

एटीपी फाइनल्स : सिनर ने जीत के साथ की अपने अभियान की शुरुआत

ट्यूरिन,11 नवंबर (एजेंसियां)।
विश्व के नंबर एक खिलाड़ी और घरेलू पसंदीदा खिलाड़ी जननिक सिनर ने रविवार को टूर्नामेंट में पदार्पण कर रहे एलेक्स डी मिनौर को 6-3, 6-4 से हराकर एटीपी फाइनल्स में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की।

पिछले साल प्रतिष्ठित साल के अंत वाले टूर्नामेंट में नोवाक जोकोविच के बाद दूसरे स्थान पर रहे सिनर पहले सेट में जल्दी ही पिछड़ गए, लेकिन जल्द ही वापसी करते हुए मुकाबले पर हावी हो गए।

इस साल ऑस्ट्रेलियन और यू.एस. ओपन खिताब जीतकर ग्रैंड स्लैम में अपना खाता खोलने वाले इतालवी खिलाड़ी ने ऐस के साथ जीत पूरी की और डी मिनौर के खिलाफ आठ में से आठ जीत दर्ज की।

इससे पहले इली नास्टेस ग्रुप में अमेरिकी टेलर फ्रिट्ज ने रूसी डेनियल मेदवेदेव को 6-4, 6-3 से हराया।

23 वर्षीय सिनर ने शंघाई में खिताब जीतने के बाद से चार सप्ताह तक कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला था, जो उनका सत्र का सातवां खिताब था। शुरुआती सेट में 2-1 से पिछड़ने के कारण उन्होंने अपनी सर्विस खो दी, लेकिन उन्होंने तुरंत वापसी की और बेसलाइन से उनकी ताकत डी मिनौर के लिए बहुत ज़्यादा साबित हुई।

मैच के बाद सिनर ने कहा, यह देखते हुए कि मैंने चार सप्ताह तक कोई मैच नहीं खेला था, मैं बहुत खुश हूँ। मैंने मैच की शुरुआत में कुछ अनफोर्स्ड एरर किए, लेकिन मैं मानसिक रूप से वहीं रहा, यह जानते हुए कि मैं जल्द ही लय हासिल कर लूंगा। यह काफी पहले आ गया और बहुत अच्छी तरह से वापस आने लगा। आज मैं जीत से खुश हूं और इससे मुझे आत्मविश्वास मिलेगा।

लीग में सफलता के बाद हरियाणा स्टीलर्स का लक्ष्य नोएडा में भी अपनी लय बरकरार रखना

नोएडा , 11 नवंबर (एजेंसियां)।
हरियाणा स्टीलर्स ने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 11वें सीजन की शानदार शुरुआत की, हैदराबाद में अपने पहले सात मैचों में पांच जीत दर्ज की। पिछले सीजन में उपविजेता रहने के बाद, सभी की निगाहें जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के स्वामित्व वाली इस फ्रेंचाइजी पर थीं, खासकर इस साल की शुरुआत में नीलामी में टीम ने अपनी टीम में कुछ बदलाव किए थे।

सामरिक प्रतिभा वाले हेड कोच मनप्रीत सिंह के मार्गदर्शन में, स्टीलर्स ने प्रत्येक गेम में अंत तक लड़ने के लिए प्रभावशाली रक्षात्मक और लचीला प्रदर्शन किया है और करीबी मुकाबलों में रोमांचक जीत हासिल की है। हैदराबाद लेग के अंत तक हरियाणा तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गया और फिर रविवार को नोएडा लेग की शुरुआत में गुजरात जायंट्स पर 39-23 से जीत हासिल की और 7 मैचों में 26 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गया।

ईरानी ऑलराउंडर मोहम्मदरेज़ा शादलोई 7 मैचों में 18 रेड पॉइंट और 22 टैकल पॉइंट के साथ स्टार खिलाड़ी साबित हुए हैं। रेडिंग विभाग में शिवम पटारे सबसे सफल साबित हुए, उन्होंने अपनी टीम के लिए 31 रेड अंक अर्जित किए।

अपनी टीम के अब तक के प्रदर्शन पर कोच मनप्रीत ने कहा, हर टीम में कुछ ऐसे क्षेत्र होते हैं, जहां सुधार की जरूरत होती है। यह बताना मुश्किल है कि हम अपनी गलतियों को कहां सुधार सकते हैं, लेकिन पूरा सीजन उन्हें सुधारने पर निर्भर करता है और हम इस दिशा में काम कर रहे हैं। खिलाड़ी भी समर्पित रूप से सुधार कर रहे हैं और हमें लगता है कि अब हम अधिक नियंत्रण में हैं। टीम ने हैदराबाद में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है और हम अच्छी फॉर्म में हैं। हमने खिलाड़ियों के अपने विजयी संयोजन का पता लगा लिया है और यह वास्तव में नोएडा लेग में हमारी मदद करेगा।

यू मुंबा के कप्तान सुनील कुमार ने की युवा खिलाड़ियों की तारीफ, कहा- अच्छे प्रदर्शन का श्रेय युवाओं को

नोएडा, 11 नवंबर (एजेंसियां)।

प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 11 के एक और रोमांचक मुकाबले में, यू मुंबा ने रविवार को नोएडा इंडोर स्टेडियम में घरेलू टीम यूपी योद्धा पर 35-33 से रोमांचक जीत हासिल की। यह जीत विशेष रूप से महत्वपूर्ण थी क्योंकि यह नोएडा लेग के शुरुआती मैच में मिली थी।

यूपी योद्धा के भरत हुड्डा द्वारा सुपर 10 हासिल करने के बावजूद, अजीत चौहान और रोहित राघव के संयुक्त रेडिंग प्रयासों ने, जिन्होंने 8-8 अंक बनाए, यू मुंबा के लिए निर्णायक साबित हुए।

करीबी मुकाबले पर यू मुंबा के कप्तान सुनील कुमार ने टीम के शुरुआती संघर्षों को स्वीकार किया, लेकिन उनके लचीलेपन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, हमने शुरुआत में कुछ गलतियाँ कीं, लेकिन हमने बढ़त को बहुत दूर नहीं जाने दिया। लेकिन तीन महत्वपूर्ण सुपर टैकल हमारे पक्ष में काम आए, जिसने यूपी योद्धा को पर्याप्त बढ़त बनाने से रोक दिया।

कुमार ने अंतिम मिनट तक लड़ने के महत्व पर जोर दिया, एक ऐसा दर्शन जो इस जीत में महत्वपूर्ण साबित हुआ। उन्होंने बताया, लीड चाहे कितनी भी हो, हमें अंतिम क्षण तक लड़ना होगा। 45 मिनट बीत जाने के बाद भी हम लड़ते रहेंगे।

इस मानसिकता का फायदा यू मुंबा को मिला, क्योंकि खेल के महत्वपूर्ण अंतिम मिनटों में उन्होंने अपना संयम बनाए रखा। कप्तान ने टीम के नए खिलाड़ियों की भी प्रशंसा की, खास तौर पर अजीत और रोहित की, जिन्होंने खेल के अंत में महत्वपूर्ण अंक हासिल किए।

कुमार ने कहा, नए खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं और टीम के लिए महत्वपूर्ण अंक हासिल कर रहे हैं।

अपनी अगली चुनौतियों को देखते हुए कुमार ने गलतियों को कम करने के महत्व पर जोर दिया, खासकर मजबूत विरोधियों के खिलाफ।

उन्होंने कहा, हमें डिफेंस और ऑफेंस दोनों पक्षों पर काम करने की जरूरत है। हमने कुछ अच्छे टैकल किए हैं, लेकिन हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि हम इस प्रदर्शन के स्तर को बनाए रखें।

इस जीत ने यू मुंबा की करीबी मैचों में दबाव को संभालने की क्षमता को दर्शाया, एक ऐसा गुण जो सीजन के आगे बढ़ने के साथ महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। टीम का संतुलित प्रदर्शन, जिसमें चौहान और राघव की प्रभावी रेडिंग और रणनीतिक बचाव शामिल है, आखिरकार इस करीबी मुकाबले में अंतर साबित हुआ।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के लिए पंजीकरण की तिथि 15 नवंबर तक बढ़ी

नई दिल्ली,11 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के लिए पंजीकरण की अवधि 15 नवंबर तक बढ़ा दी गई है। पहले इसके लिए पात्र युवाओं के लिए पोर्टल रजिस्ट्रेशन के लिए 10 नवंबर, 2024 तक के लिए खुला था।

कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) ने सोमवार को प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के लिए पंजीकरण प्रक्रिया की समय-सीमा 15 नवंबर तक बढ़ा दी। इसके लिए योग्य उम्मीदवार आधिकारिक पोर्टल के जरिए विभिन्न इंटर्नशिप पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके तहत 21-24 वर्ष की आयु के उम्मीदवार आवेदन के पात्र हैं। इस योजना के तहत भारत की टॉप 500 कंपनियों में 12 महीने तक इंटर्नशिप करने का अवसर मिलेगा। इंटर्नशिप अवधि के दौरान इंटर्न करने वालों को 5 हजार रुपये का मासिक वजीफा मिलेगा। इसमें से 500 रुपये की राशि मेजबान कंपनी अपने सीएसआर फंड के माध्यम से देगी जबकि शेष राशि 4,500 रुपये सरकार मुहैया कराएगी। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना 2024 के लिए पात्रता मानदंड इस प्रकार हैं: उम्मीदवारों की आयु 21 से 24 वर्ष के बीच होनी चाहिए। उम्मीदवार हाई स्कूल या हायर सेकेंडरी स्कूल पास किया हो। इसके साथ आईटीआई प्रमाणपत्र, पॉलिटेक्निक संस्थान से डिप्लोमा या बीए, बीएससी, बीकॉम, बीसीए, बीबीए या बी फार्मा जैसी डिग्री होनी चाहिए। कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के अनुसार करीब 800 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली इस योजना की शुरुआत 2 दिसंबर से पायलट प्रोजेक्ट्स के तहत की जाएगी। इस योजना की घोषणा केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2024-25 में की थी। इस योजना को कॉर्पोरेट मंत्रालय के विकसित पोर्टल के माध्यम के जरिए लागू किया गया है।

न्यूज़ब्रीफ

सरकार ने हिंदुस्तान जिंक में 1.6 फीसदी हिस्सा बेची

मुंबई। सरकार ने हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड में ऑफर फार सेल के माध्यम से 1.6 फीसदी हिस्सा बेचकर 3,449 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं। इस बिक्री में कुल 5.28 करोड़ शेयर बेचे गए हैं। संस्थागत निवेशकों ने 3,400 करोड़ रुपये के लिए बोली लगाई है। खुदरा निवेशकों ने इसमें कम बोली लगाई है। हिंदुस्तान जिंक में सरकार की हिस्सेदारी 29.54 फीसदी है। सरकार ने अब तक बिक्री के माध्यम से कंपनियों में अल्पांश हिस्सेदारी बेचकर 8,625 करोड़ रुपये जुटाए हैं। जीआईसी के ओएफएस के माध्यम से जुटाए गए 2,346 करोड़ रुपये और कोचीन शिपयार्ड से 2,015 करोड़ रुपये शामिल हैं। यह नवम्बर तक चालू वित्त वर्ष में आया है। देश का कोयला आयात अप्रैल से सितंबर के बीच 7.8 फीसदी बढ़कर 140.60 टन प्रति पहुंच गया है। यह एक साल पहले समान अवधि में 130.34 टन था। कंपनी ने बताया कि सितंबर में आयात 10.09 फीसदी घटकर 19.42 टन रह गया है।

एक टाइपो से कंगाल होने के कगार पर पहुंच गया था यह बैंक

नई दिल्ली: एक टाइपो कितना भारी पड़ सकता है जरा जापान के बैंक मिजुहो सिक्योरिटीज से पूछिए? जापान के सबसे बड़े निवेश बैंकों में से एक मिजुहो सिक्योरिटीज को दिसंबर 2005 में एक टाइपो बहुत भारी पड़ा था। एक ब्रोकर ने गलती से 1 येन प्रति शेयर के हिसाब से 610,000 शेयर बेच दिए जबकि उसे 610,000 येन में एक शेयर बेचना था। इस गलती को सुधारने की कोशिश नाकाम रही और बैंक को कुछ ही मिनट में 225 मिलियन डॉलर यानी करीब 18,98,91,22,500 रुपये का फटका लग गया। हालत यह हो गई कि बैंक कंगाल होते-होते बचा।मिजुहो सिक्योरिटीज के लिए काम करने वाली एक एजेंसी जे-कॉम कंपनी को 1 येन प्रति शेयर के हिसाब से 610,000 शेयर बेचने थे लेकिन उसने गलती से एक येन में 610,000 शेयर बेच दिए। जब तक ब्रोकर को अपनी गलती का अहसास हुआ तब तक काफी नुकसान हो चुका था।

समस्या यह थी कि टोक्यो स्टॉक एक्सचेंज का कंप्यूटर सिस्टम इस गलती को रोक नहीं पाया। ब्रोकरेज फर्म ऑर्डर को कैंसिल नहीं कर पाई। जापान की फाइनेंशियल सर्विसेज एजेंसी ने कंपनी को अपने कंप्लायंसेज में सुधार करने को कहा ताकि भविष्य में ऐसी गलती न हो।

फिर बढ़ गई प्याज की कीमत, खुदरा बाजार में 80 रुपए किलो के पार, नई फसल नहीं आने और निर्यात में तेजी से प्याज की कीमत में तेजी आई

नई दिल्ली । प्याज की कीमत एक बार फिर से बढ़ने लगी है, जैसे बाजारों में यह 80 रुपये किलो पार कर गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक खासकर राजस्थान, महाराष्ट्र, और कर्नाटक में खरीफ फसल की गुणवत्ता खराब रही है, जिसकी वजह से नई फसल न आने के कारण प्याज की कीमतों में वृद्धि आई है। नासिक के पिंपलगांव बाजार में बेहतरीन गुणवत्ता वाले प्याज की मांग बढ़ गई है और कीमतें 15 दिनों में 70 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई हैं। इसी दौरान, औसत कीमत भी 58 रुपये प्रति किलोग्राम तक बढ़ गई है। बांग्लादेश की ओर से प्याज पर आयात शुल्क हटाने से निर्यात में तेजी आई है, लेकिन व्यापारियों को उम्मीद है कि जब नई फसल की आवक शुरू होगी, तो कुछ हफ्तों के बाद कीमतों में गिरावट आएगी। व्यापारियों के अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक अगस्त में भारी बारिश के कारण नई फसल की आवक में देर आ रही है, लेकिन राजस्थान के अलवर में और कुछ अन्य बाजारों में खरीफ की नई फसल की आवक बढ़ रही है। व्यापार जगत के जानकारों के अनुमान है कि नवंबर के अंत तक प्याज की कीमतें थोक बाजारों में 30 रुपये प्रति किलोग्राम के आरामदायक स्तर पर आ जाएंगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कर्नाटक में कांग्रेस...

भाजपा नेताओं ने कथित तौर पर कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी करने और पारदर्शिता की आवश्यकताओं को दरकिनार करने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और अन्य मंत्रियों से जवाबदेही की मांग की है।

भूमि और संपत्ति घोटाला

बीबीएमपी अपशिष्ट प्रबंधन घोटाले के अलावा, कांग्रेस सरकार को कथित भूमि और संपत्ति घोटालों को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ा है। रिपोर्ट्स से पता चलता है कि प्रमुख कांग्रेस नेताओं को करीबी सहयोगियों और निजी डेवलपर्स को लाभ पहुंचाने के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रियाओं में हेरफेर करने में फंसाया गया है। कुछ मामलों में, सरकारी स्वामित्व वाली भूमि कथित तौर पर चुनिंदा व्यक्तियों को बाजार से कम कीमत पर बेची गई है, जिसका लाभ राजनीतिक संपर्क वाले लोग उठा रहे हैं। इसके अलावा, प्रमुख शहरी क्षेत्रों में विरासत संपत्तियों और राज्य के स्वामित्व वाली भूमि के सरकार के संचालन के बारे में शिकायतें मिली हैं, जिसमें आरोप लगाया गया है कि सार्वजनिक उपयोग या संरक्षण के लिए बनाई गई भूमि को निजी विकास परियोजनाओं के लिए बेच दिया गया है, जिसमें कथित तौर पर अधिकारियों और बिचौलियों को रिश्वत दी गई है।

मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) भूमि घोटाला

कर्नाटक का मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) भूमि घोटाले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उनकी पत्नी पार्वती शामिल हैं। मुडा शहरी विकास के दौरान अपनी जमीन खोने वाले लोगों के लिए एक योजना लेकर आई थी। 50:50 नाम की इस योजना में जमीन खोने वाले लोग विकसित भूमि के 50 प्रतिशत के हकदार होते थे। यह योजना 2009 में पहली बार लागू की गई थी। जिसे 2020 में उस वक्त की भाजपा सरकार ने बंद कर दिया।

सरकार द्वारा योजना को बंद करने के बाद भी मुडा ने 50:50 योजना के तहत जमीनों का अधिग्रहण और आवंटन जारी रखा। सारा विवाद इसी से जुड़ा है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती को इसी के तहत लाभ पहुंचाया गया। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी की 3 एकड़ और 16 गुंटा भूमि मुडा द्वारा अधिग्रहित की गई। इसके बदले में एक महंगे इलाके में 14 साइटें आवंटित की गईं। मैसूर के बाहरी इलाके केसारे में यह जमीन मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती को उनके भाई मल्लिकार्जुन स्वामी ने 2010 में उपहार स्वरूप दी थी। आरोप है कि मुडा ने इस जमीन का अधिग्रहण किए बिना ही देवनूर तृतीय चरण की योजना विकसित कर दी।मुआवजे के लिए मुख्यमंत्री की पार्वती ने आवेदन किया जिसके आधार पर, मुडा ने विजयनगर फेज 3 और 4 में 14 साइटें आवंटित कीं। यह आवंटन राज्य सरकार की 50:50 अनुपात योजना के तहत कुल 38,284 वर्ग फीट का था। जिन 14 साइटों का आवंटन मुख्यमंत्री की पत्नी के नाम पर हुआ उसी में घोटाले के आरोप लग रहे हैं। विपक्ष का कहना है कि पार्वती को मुडा द्वारा इन साइटों के आवंटन में अनियमितता बरती गई है। विजयनगर में जो साइटें आवंटित की गई हैं उनका बाजार मूल्य केसारे में मूल भूमि से काफी अधिक है।

खड़गे ट्रस्ट भूमि एलॉटमेंट घोटाला

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पारिवारिक ट्रस्ट को हाई-टेक डिफेंस एयरोस्पेस पार्क में बेशकीमती पांच एकड़ जमीन आवंटित कर दी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पारिवारिक ट्रस्ट सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को दी गई बेशकीमती जमीन कर्नाटक में सरकारी तंत्र द्वारा किए जा रहे भूमि घोटाले का प्रमुख हिस्सा है। कर्नाटक इंडस्ट्रियल एरिया डेवलपमेंट बोर्ड (केआईएडीबी) ने सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को बेंगलुरु के पास हाई-टेक डिफेंस एयरोस्पेस पार्क में पांच एकड़ जमीन एलॉट की, लेकिन सेना से जुड़े इलाके में बहुमूल्य जमीन एलॉट करने की पात्रता की कोई जांच परख नहीं की। सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट की खासियत यही है कि ट्रस्ट में मल्लिकार्जुन खड़गे, उनकी पत्नी राधाबाई खड़गे, बेटा प्रियांक खड़गे, दामाद राधाकृष्ण दोड्डामणि और छोटा बेटा राहुल खड़गे शामिल हैं। विडंबना यह है कि मल्लिकार्जुन खड़गे का बेटा प्रियांक खड़गे कर्नाटक सरकार में मंत्री भी है। साफ है कि खड़गे ने राज्य में सत्ता का दुरुपयोग करके यह जमीन हासिल की है। इस घोटाले की सीबीआई से जांच कराने की मांग हो रही है।

निर्माण अनुबंध और बुनियादी ढांचे में घोटाला

कांग्रेस सरकार पर विभिन्न निर्माण और बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं में कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया गया है। विपक्ष का दावा है कि सरकार ने अत्यधिक बजट बनाने और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा के बिना अनुबंध देने में संलग्न है। सड़क निर्माण और शहर के सौंदर्यीकरण की पहल जैसी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में कथित तौर पर घटिया गुणवत्ता और देरी हुई है, जिसका श्रेय भाजपा नेताओं ने ठेकेदारों को दिया है, जिन्होंने कथित तौर पर अनुबंध की लागत बढ़ा-चढ़ाकर बताई है। यह भी व्यापक रूप से माना जाता है कि राज्य के बुनियादी ढांचे के बजट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बढ़े हुए बिलों और फर्जी बिलिंग प्रथाओं के कारण खो गया है, जिसमें शेल कंपनियों और बिचौलियों के नेटवर्क के माध्यम से शीर्ष अधिकारियों और राजनीतिक नेताओं को वापस धन दिया जा रहा है। कई हाई-प्रोफाइल प्रोजेक्ट कथित तौर पर लागत में वृद्धि, जवाबदेही की कमी और बार-बार विस्तार से ग्रस्त हैं, जिससे राज्य सरकार की उचित शासन के प्रति प्रतिबद्धता पर और सवाल उठते हैं।

शिक्षा और रोजगार घोटाला

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर भी शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में अनियमितताओं के आरोप लगे हैं, जिसमें शिक्षक भर्ती, छात्र छात्रवृत्ति और व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भ्रष्टाचार के आरोप शामिल हैं। रिपोर्ट बताती हैं कि रिश्वत और राजनीतिक प्रभाव ने योग्यता-आधारित चयन को दरकिनार करते हुए पदों और फंडिंग को सुरक्षित करने में भूमिका निभाई है। स्कूल सुधार, छात्र संसाधनों और शिक्षकों के वेतन के लिए निर्धारित धन के दुरुपयोग के बारे में कई शिकायतें उठाई गई हैं। शिक्षा विभाग ने कथित तौर पर संदिग्ध परियोजनाओं में पैसा लगाया है, जिसमें स्कूल सुविधाओं के लिए आवंटित धन अक्सर बिना हिसाब के रह जाता है। भाजपा नेताओं का तर्क है कि इस तरह के कुप्रबंधन से कर्नाटक के युवाओं का भविष्य खतरे में पड़ता है और राज्य की शिक्षा प्रणाली कमजोर होती है।

स्वास्थ्य सेवा धोखाधड़ी और दवा घोटाला

हाल के वर्षों में, कांग्रेस सरकार स्वास्थ्य सेवा अनुबंधों में कथित अनियमितताओं और सार्वजनिक स्वास्थ्य निधि के कुप्रबंधन के लिए आलोचनाओं के घेरे में आई है। सरकारी अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, कथित तौर पर अपर्याप्त निधि और खराब गुणवत्ता वाले उपकरणों से पीड़ित हैं, कई लोगों ने आरोप लगाया है कि स्वास्थ्य सेवा के लिए निर्धारित निधि का गबन किया गया है। इसके अतिरिक्त, दवा कंपनियों को अनुबंध देने में पक्षपात के आरोप लगे हैं, जिसमें दावा किया गया है कि सार्वजनिक अस्पतालों को कम गुणवत्ता वाली दवाएं बढ़ी हुई कीमतों पर दी गई हैं। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया है कि राज्य सरकार ने राजनीतिक संबंधों वाले निजी खिलाड़ियों को लाभ पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की उपेक्षा की है, जिससे कर्नाटक में स्वास्थ्य सेवा मानकों में गिरावट आई है।

किसान योजनाएं और ऋण माफी घोटाला

कांग्रेस सरकार द्वारा किसान राहत कोष और ऋण माफी योजनाओं को संभालना लगातार विवाद का विषय रहा है। हालाँकि सरकार ने संघर्षरत किसानों के लिए ऋण माफी की घोषणा की है, लेकिन भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सत्तारूढ़ पार्टी पर केवल एक चुनिंदा समूह को लाभ पहुंचाने के लिए योजना में हेरफेर करने का आरोप लगाया है, जो अक्सर राजनीतिक संबंधों से प्रभावित होते हैं। इसके अलावा, राहत निधि के वितरण में कथित तौर पर देरी और अक्षमता देखी गई है, जिसमें दावा किया गया है कि किसानों के लिए निर्धारित निधि का एक बड़ा हिस्सा भ्रष्ट अधिकारियों द्वारा हड़प लिया गया है। किसान संगठनों ने निराशा व्यक्त करते हुए आरोप लगाया है कि वादा किया गया राहत जरूरतमंदों तक नहीं पहुंची है, जबकि बिचौलियों ने बढ़े हुए प्रशासनिक खर्चों से लाभ उठाया है।

न्यायिक जांच और जवाबदेही तय करने की मांग

इन आरोपों के बढ़ने के साथ ही भाजपा नेताओं ने कांग्रेस सरकार के कामकाज की न्यायिक जांच और सार्वजनिक ठेके देने में अधिक पारदर्शिता की मांग की है। एनआर रमेश द्वारा राज्यपाल और लोकायुक्त को हाल ही में की गई शिकायत ने इन मांगों को और तेज कर दिया है और भाजपा के प्रतिनिधि सिद्धारमैया सरकार पर व्यवस्थागत भ्रष्टाचार और जवाबदेही की कमी का आरोप लगा रहे हैं। बढ़ते जन असंतोष और चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच भाजपा नेताओं ने कांग्रेस मंत्रिमंडल के खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने लोकायुक्त से भ्रष्टाचार के आरोपों की गहन जांच करने का आग्रह किया है और तर्क दिया है कि ऐसा न करने से राज्य की अर्थव्यवस्था और जनता के विश्वास पर असर पड़ेगा।

समाज को बांटने ...

ये मेरे जैसे हर व्यक्ति के लिए, जो वड़ताल धाम में अनन्य आस्था के साथ बड़ा हुआ है, उसके लिए बहुत बड़ा अवसर है।पीएम मोदी ने कहा, मैं मानता हूं कि हमारे लिए ये अवसर भारतीय संस्कृति के शाश्वत प्रवाह का प्रमाण है। 200 साल पहले जिस वडताल धाम की स्थापना भगवान भगवान श्री स्वामीनारायण ने की थी, हमने आज भी उसकी अध्यात्मिक चेतना को जागृत रखा है। हम आज भी यहां भगवान श्री स्वामीनारायण की शिक्षाओं को, उनकी ऊर्जा को अनुभव कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस बार प्रयागराज में कुंभ मेला लग रहा है। यह कुंभ मेला 12 साल बाद लग रहा है। दुनिया ने भी इस विरासत को स्वीकार किया है। 13 जनवरी से शुरू होकर करीब 45 दिनों तक चलने वाले इस कुंभ मेले में 40-50 करोड़ लोग आएंगे। दुनियाभर के लोगों को शिक्षित करें और जो विदेशी भारतीय मूल के नहीं हैं, उन्हें कुंभ मेला क्या है, यह समझाएं और कम से कम 100 विदेशियों को बड़ी श्रद्धा के साथ प्रयागराज के इस कुंभ मेले में लाने का प्रयास करें। यह पूरी दुनिया में जागरूकता फैलाने का काम होगा।पीएम मोदी ने कहा कि स्वामीनारायण समुदाय ने हमेशा नशा मुक्ति पर बहुत मेहनत की है। हमारे संत और महात्मा युवाओं को नशे से दूर रखने और उन्हें नशा मुक्त बनाने में बहुत बड़ा योगदान दे सकते हैं। युवाओं को नशे से बचाने के लिए ऐसे अभियान और प्रयास हमेशा जरूरी हैं और हमें यह लगातार करना होगा। उन्होंने कहा कि अब अयोध्या का उदाहरण हम सभी के सामने है। 500 साल बाद एक सपना पूरा हुआ है। काशी और केदार का परिवर्तन हमारे सामने है। एक नई चेतना, एक नई क्रांति हर जगह दिखाई दे रही है। इतना ही नहीं, हमारे देश से चोरी हुई सैकड़ों साल पुरानी मूर्तियों को खोजने वाला कोई नहीं था, आज दुनिया से चुराई गई हमारी मूर्तियों को खोज-खोज कर, ढूंढ़ कर, हमारे देवी-देवताओं के चुराए गए स्वरूप वापस आ रहे हैं, हमारे मंदिरों में लौट रहे हैं।पीएम मोदी ने कहा कि आज हमारे युवाओं के सामने एक बहुत बड़ा उद्देश्य उभर कर आया है। पूरा देश एक निश्चित लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहा है, ये लक्ष्य है- विकसित भारत का। वडताल के और समस्त स्वामीनारायण परिवार के संत महात्माओं से मेरा आग्रह है कि विकसित भारत के महान उद्देश्य से जन-जन को जोड़ें। जैसे आजादी के आंदोलन में एक शताब्दी तक समाज के भिन्न-भिन्न कोने से आजादी की ललक, आजादी की चिंगारी देशवासियों को प्रेरित कर रही थी। एक भी दिन, एक भी पल ऐसा नहीं गया जब लोगों आजादी के इरादों को, संकल्पों को छोड़ा। जैसी ललक आजादी के आंदोलन में थी वैसी ही ललक, वैसी ही चेतना विकसित भारत के लिए 140 करोड़ देशवासियों में हर पल होना जरूरी है। युवा, राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं और करेंगे, इसके लिए हमें सशक्त और शिक्षित युवाओं का निर्माण करना होगा। विकसित भारत के लिए हमारे युवा सशक्त होने चाहिए। स्किल्ड युवा हमारी सबसे बड़ी ताकत बनेंगे।

वोट के लिए...

हम घुसपैठियों की पहचान करने, उन्हें बाहर निकालने और उनके द्वारा हड़पी गई जमीन को वापस लेने के लिए एक समिति भी बनाएंगे। अमित शाह ने कहा कि जब चंपई सोरेन ने घुसपैठ का मुद्दा उठाया तो उनका अपमान किया गया और हेमंत सोरेन ने उन्हें सीएम पद से इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया। उन्होंने झामुमो-कांग्रेस और राजद नेताओं पर खुद के विकास के लिए काम करने और भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया। झारखंड में भाजपा की सरकार बनने पर झामुमो गठबंधन के भ्रष्ट नेताओं को सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। अमित शाह ने कहा कि 1,000 करोड़ रुपए के मनरेगा घोटाले, 300 करोड़ रुपए के भूमि घोटाले, 1,000 करोड़ रुपए के खनन घोटाले और शराब घोटाले के पीछे झामुमो सरकार थी। इसके अलावा वह केंद्र द्वारा भेजे गए 3.90 लाख करोड़ रुपए भी खा गई। उन्होंने कहा कि राज्य में अगर भाजपा की सरकार बनी तो हम तय करेंगे कि अगर केंद्र एक रुपया भेजता है तो राज्य उसमें 25 पैसे और जोड़े ताकि लोगों तक 1.25 रुपए पहुंचे।झारखंड में विधानसभा चुनाव दो चरणों में हो रहे हैं। इसके तहत पहले चरण में 13 नवंबर को 43 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। वहीं दूसरे चरण में 38 विधानसभा सीटों पर 20 नवंबर को मतदान होंगे। जबकि विधानसभा चुनाव के परिणाम 23 नवंबर को आएंगे। राज्य में फिलहाल झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व में कांग्रेस और राजद का गठबंधन पांच साल से सरकार में है। वहीं विपक्ष में भाजपा और आजसू का गठबंधन है। हालांकि इस विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपने एनडीए सहयोगियों को भी कुछ सीटें दी है, जिसमें आजसू के साथ-साथ जेडीयू और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) भी शामिल हैं। वहीं राज्य के सत्ताधारी गठबंधन को लेफ्ट की पार्टियों का भी समर्थन प्राप्त है।

घुसपैठियों के लिए...

सोरेन परिवार, लालू प्रसाद के परिवार और गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि रांची, पटना और दिल्ली में तीन परिवारों ने व्यक्तिगत विकास के लिए लूट और भ्रष्टाचार किए। यूपी के सीएम ने कहा, झामुमो के नेतृत्व वाले शासन में प्राकृतिक संसाधनों की लूट हो रही है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो देश की सुरक्षा, गौरव और महिला सशक्तिकरण की गारंटी दे सकती है।

जस्टिस संजीव...

इसके अतिरिक्त, वे राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष और राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी, भोपाल के गवर्निंग काउंसिल के सदस्य भी हैं। जस्टिस संजीव खन्ना 13 मई 2025 तक भारत के मुख्य न्यायाधीश के पद पर रहेंगे।

फिर लगा ...

उपमुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्री, मुख्य सचिव, प्रशासनिक सचिव और विभागाध्यक्षों ने भी जम्मू से अपना काम फिर से शुरू कर दिया है। 23 अक्टूबर को जारी सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश के अनुसार, केवल प्रशासनिक सचिव और शीर्ष विभागाध्यक्ष ही दरबार स्थानांतरण में कटौती के तहत श्रीनगर से जम्मू स्थानांतरित होंगे। आदेश के अनुसार श्रीनगर में सिविल सचिवालय भी चालू रहेगा।

जम्मू कश्मीर में लंबे समय से चली आ रही वार्षिक स्थानांतरण परंपरा को 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान रोक दिया गया था। घाटी में कड़ाके की ठंड की स्थिति के कारण अक्टूबर से मई तक सरकार को श्रीनगर से जम्मू स्थानांतरित करने की प्रथा थी। केंद्र शासित प्रदेश के रूप में पुनर्गठन के बाद अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री हैं।

दरबार-मूव की परंपरा को आधिकारिक तौर पर वर्ष 2021 से बंद किया जा चुका है। लेकिन सच्चाई यह है कि यह गैर सरकारी तौर पर लगभग 500 कर्मियों के साथ फिलहाल जारी है।

ये कर्मी पिछले तीन साल से उपराज्यपाल, मुख्य सचिव और वित्त विभाग के वित्त आयुक्त, सामान्य प्रशासनिक विभाग के आयुक्त सचिव तथा पुलिस महानिदेशक के कार्यालयों में तैनात कर्मी हैं जो दोनों राजधानियों में आ-जा रहे हैं। जम्मू में मुख्यमंत्री और अन्य मंत्रियों के साथ ही उप राज्यपाल मनोज सिन्हा का दरबार सजाने के लिए नागरिक सचिवालय से लेकर राजभवन में साज सज्जा व मरम्मत कार्य अक्टूबर से ही शुरू हो चुका था।

आफत में है हजारों ...

इस क्षेत्र में अलग-थलग हो चुके हिंदू समुदाय कई तरह की चुनौतियों से जूझते रहते हैं। स्थानीय मुस्लिम बहुसंख्यक उन्हें मछली मारने नहीं देते। इस तरह वे इस पेशे से दूर हो गए। इसके अलावा, स्थानीय अल्पसंख्यक हिंदुओं को अपनी फसलें बचाने के लिए मुस्लिमों को कर के रूप में कुछ देना पड़ता है।

संवाददाताओं से बात करते हुए इलाके के धनी चौधरी बताते हैं, हम वर्षों से कर दे रहे हैं, लेकिन 2014 के बाद चीजें बदल गईं। जब हमें लगा कि केंद्र सरकार ने हमें समर्थन दिया है। इस बदलाव से चुनौतियां भी आईं। अब हमें मछली पकड़ने वाले क्षेत्रों में जाने नहीं दिया जाता है। एक अन्य ग्रामीण अशोक चौधरी ने दबाव में त्योहार मनाने के बारे में बात की। चौधरी ने कहा, शादियों के दौरान भी संगीत के कारण विवाद पैदा कर दिया जाता है। जब अजान दी जाती है या नमाज पढ़ी जाती है तो बारात को शांत रहना पड़ता है। ढोल-नगाड़े सब बंद करने पड़ते हैं। ऐसा नहीं करने पर हमारे साथ झगड़े और मारपीट के कारण अक्सर खुशियों को खराब कर देती हैं।

एक अन्य निवासी राजकुमार चौधरी ने तेजी से हो रहे जनसांख्यिकीय बदलाव को लेकर आशंका जताई। उन्होंने कहा, ये नए लोग हमारे देश के मुसलमान नहीं हैं। महीने दर महीने उनकी संख्या बढ़ती जा रही है और जल्द ही वे बंगाल तक फैल जाएंगे। जनसांख्यिकीय बदलाव के बीच छठ पूजा सिर्फ एक उत्सव से कहीं बढ़कर हो गई है। यह लचीलेपन का संदेश है।

चुनावों की ग्राउंड रिपोर्टिंग के लिए मधुपुर गए पत्रकारों से भी हिंदुओं ने इसी तरह की भावनाएं व्यक्त कीं। एक बुजुर्ग हिंदू ने कहा कि हिंदुओं को कुओं से पानी भरने भी नहीं दिया जाता है। जब बुजुर्ग से पूछा गया कि वहां के लोगों के मुख्य चुनावी मुद्दे क्या हैं तो बुजुर्ग का गला रुंध गया, उन्होंने कहा, कुंआ बनवाना। उन्होंने कहा, हम चार महीने पहले स्थानीय मंत्री हफीजुल अंसारी के पास कुआं बनवाने के लिए गए थे उन्होंने मदद करने से इन्कार कर दिया और कहा कि हिंदुओं को कुछ नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि मुस्लिमों को सारी सुविधाएं मिलती हैं, लेकिन हिंदुओं को कुछ नहीं मिलता।

अपने खेत की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, अगर हमारे पास कुआं होता तो हम सब्जियां उगा सकते थे।एक अन्य स्थानीय हिंदू निवासी ने आपबीती बताई और कहा कि प्रदीप मोदी नाम के एक हिंदू व्यक्ति का घर जलाने की कोशिश की गई। उसने कहा, दुर्गा पूजा के दौरान हमारी मूर्ति विसर्जन जुलूस को रोक दिया गया। इस दुर्गा पूजा के दौरान पुलिस स्टेशन से लेकर हर विभाग तक दबाव बनाए रखा जाता है। इसका आरोप भी उस व्यक्ति ने मंत्री हफीजुल अंसारी पर लगाया। उसने कहा कि मंत्री हफीजुल अंसारी ने स्थानीय प्रशासन पर हिंदुओं को त्यौहार मनाने और कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति नहीं देने का दबाव बना रखा है। उन्होंने कहा, जहां हिंदू अल्पसंख्यक हो जाते हैं, वहां वे हमें अज़ान के दौरान डीजे बजाने या मुस्लिम बहुल इलाकों से जुलूस निकालने की अनुमति नहीं देते।

हिंदू महिलाओं ने भी अपनी आपबीती साझा की। उन्होंने बताया कि कैसे इस साल जून में गोपीनाथपुर में मुस्लिमों ने उन पर पथराव किया था। पास में ही खड़े एक बुजुर्ग व्यक्ति ने कहा, उनकी संख्या 10,000 से ज़्यादा थी। पुलिस उन्हें नियंत्रित नहीं कर सकी। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए उन्हें हवा में गोलियां चलानी पड़ीं। उस दिन सिर्फ़ पुलिस की वजह से हम सब बच पाए थे। हिंदू महिला ने कहा, वे अब भी हम पर हमला करते हैं। वे हमारे घरों में घुस जाते हैं। झारखंड में जहां हिंदू अल्पसंख्यक हैं, वहां की स्थिति खतरनाक हो गई है। इन इलाकों में जनसांख्यिकीय और सांस्कृतिक तनाव बहुत गहरा है। इस चुनाव में वे स्वतंत्र रूप से मतदान कर पाएंगे या नहीं, यह भी बहुत बड़ा सवाल है।

आंध्र प्रदेश...

ध्यान में रखते हुए और धन सृजन के जरिए राज्य को वित्तीय रूप से बहाल करने के लिए बनाया गया है। इसका मकसद राज्य के वित्तीय ढांचे को फिर से मजबूत करना है। बजट में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास के लिए 16,739 करोड़ रुपए आवंटित किए गए। इस विभाग का प्रभार उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण के पास है। वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में स्कूली शिक्षा के लिए कुल 29,909 करोड़ रुपए और स्वास्थ्य सेवा एवं परिवार कल्याण के लिए 18,421 करोड़ रुपए आवंटित किए गए।पूर्ववर्ती युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) सरकार पर हमला बोलते हुए केशव ने कहा कि जब पिछली सरकार सत्ता से बाहर हुई तो राज्य की वित्तीय स्थिति ढहने की कगार पर थी।

राज्य की वित्तीय स्थिति चरमरा चुकी थी। राज्य सरकार ने आवास योजना के लिए बजट में 4,012 करोड़ रुपए, सड़क निर्माण के लिए 9,554 करोड़ रुपए, कृषि के लिए 43,402 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। गौरतलब है कि राज्य की 62 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है। कृषि के बजट में मिट्टी की जांच पर भी फोकस किया गया है। बजट में कौशल विकास के लिए 1,215 करोड़ रुपए, पिछड़ा वर्ग कल्याण के लिए 39,007 करोड़ रुपए, अनुसूचित जनजाति वर्ग कल्याण के लिए 7,557 करोड़ रुपए, पुलिस के लिए 8,595 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।

आज सर्वार्थसिद्धि योग मनाई जाएगी देवउठनी एकादशी

इस साल 12 नवंबर 2024 को देवउठनी एकादशी का व्रत रखा जाएगा। इस दिन हर्षण योग और सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग बन रहा है। इस योग में विष्णु जी की पूजा करने से साधक को मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती हैं। इस दौरान मां लक्ष्मी की पूजा करना और भी लाभकारी माना जाता है। दोनों की साथ में पूजा करने से वैवाहिक जीवन में सुख-समृद्धि का वास होता है। देवउठनी एकादशी से मंगलकार्य शुरू हो जाते हैं और इसके अगले दिन तुलसी विवाह किया जाता है। ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि की शुरुआत 11 नवंबर की शाम 6:46 मिनट पर होगी। वहीं, इस तिथि की समाप्ति अगले दिन यानी 12 नवंबर को 4:14 मिनट पर होगी। ऐसे में उदयातिथि को देखते हुए इस साल देवउठनी एकादशी का व्रत12 नवंबर को ही रखा जाएगा। माना जाता है कि देवउठनी एकादशी को भगवान श्रीहरि चार माह की गहरी निद्रा से उठते हैं। भगवान के सोकर उठने की खुशी में देवोत्थान एकादशी मनाया जाता है। इसी दिन से सृष्टि को भगवान विष्णु संभालते हैं। इसी दिन तुलसी से उनका विवाह हुआ था। इस दिन महिलाएं व्रत रखती हैं। परम्परानुसार देव देवउठनी एकादशी में तुलसी जी विवाह किया जाता है, इस दिन उनका श्रृंगार कर उन्हें चुनरी ओढ़ाई जाती है। उनकी परिक्रमा की जाती है। शाम के समय रौली से आंगन में चौक पूर कर भगवान विष्णु के चरणों को कलात्मक रूप से अंकित करेंगी। रात्रि को विधिवत पूजन के बाद प्रात:काल भगवान को शंख, घंटा आदि बजाकर जगाया जाएगा और पूजा करके कथा सुनी जाएगी।

हिन्दू पंचांग के अनुसार प्रत्येक वर्ष कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को तुलसी विवाह का आयोजन किया जाता है। इस एकादशी को 'देवउठनी एकादशी' या 'प्रबोधिनी एकादशी' भी कहा जाता है। इस बार तुलसी विवाह 12 नवंबर को पड़ रहा है। सनातन धर्म में तुलसी विवाह का विशेष महत्व माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार तुलसी विवाह के दिन माता तुलसी और भगवान शालिग्राम की पूजा करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और उनके वैवाहिक जीवन में सुख-समृद्धि आती है। साथ ही पति-पत्नी के बीच उत्पन्न होने वाली समस्याएं भी दूर हो जाती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, विधि-विधान के साथ तुलसी विवाह कराने वालों पर भगवान विष्णु की विशेष कृपा रहती है। मान्यता है कि तुलसी विवाह करने से कन्यादान के समान पुण्य की प्राप्ति होती है। भगवान शालीग्राम और माता तुलसी का विवाह कराने से वैवाहिक जीवन सुखी रहता है। महिलाएं सुख-समृद्धि की प्राप्ति के लिए इस दिन व्रत-पूजन करती हैं।

शुभ मुहूर्त

ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा ने बताया कि कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 11 नवंबर को संध्याकाल 06 बजकर 46 मिनट पर शुरू होगी और 12 नवंबर को संध्याकाल 04 बजकर 04 मिनट पर समाप्त होगी। इस प्रकार 12 नवंबर को देवउठनी एकादशी है। इसके अगले दिन तुलसी विवाह है। तुलसी विवाह तिथि से सभी प्रकार के शुभ कार्य किए जाते हैं।

देवउठनी एकादशी शुभ मुहूर्त – 12 नवंबर

एकादशी तिथि 11 नवंबर : शाम 6:46 मिनट से शुरू

एकादशी तिथि 12 नवंबर : शाम 4:14 मिनट पर समाप्त

शुभ योग–

देवउठनी एकादशी को शाम 07:10 मिनट तक हर्षण योग का निर्माण हो रहा है। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग का निर्माण सुबह 07:52 मिनट से हो रहा है, जो 13 नवंबर को सुबह 05:40 मिनट पर समाप्त हो रहा है। साथ ही रवि योग का संयोग बन रहा है। यह योग सुबह 06:42 मिनट से लेकर सुबह 07:52 मिनट तक है। इन योग के दौरान भगवान विष्णु एवं मां लक्ष्मी की पूजा करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है।

चातुर्मास मास होगा समाप्त

ज्योतिषाचार्या ने बताया कि देवउठनी एकादशी के दिन चातुर्मास समाप्त होगा। मान्यताओं के अनुसार चतुर्मास में भगवान विष्णु आराम करते हैं। शास्त्रों के अनुसार इस दौरान कोई भी शुभ और मांगलिक कार्य वर्जित रहते हैं।

देवउठनी एकादशी का महत्व

देवउठनी एकादशी तिथि से चतुर्मास अवधि खत्म हो जाती है। ऐसा कहा जाता है कि भगवान विष्णु शयनी एकादशी को सो जाते हैं। वह इस दिन जागते हैं। देवउठनी एकादशी के दिन जातक सुबह जल्द उठकर स्वस्छ वस्त्र पहनते हैं। भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा करते हैं। शास्त्रों के अनुसार विष्णुजी के अवतार भगवान श्रीकृष्ण ने एकादशी को देवी वृंदा (तुलसी) से शादी की थीं। इस साल तुलसी विवाह 5 नवंबर को मनाया जाएगा।

इन बातों का रखें विशेष ध्यान

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान विष्णु चार माह की योग निद्रा के बाद इसी दिन जागते हैंए इसी कारण इस दिन को देवउठनी एकादशी कहा जाता है। ऐसे में भगवान विष्णु का आर्शीवाद पाने के लिए भक्त कई उपाय भी करते हैं। लेकिन आर्शीवाद पाने के साथ कुछ ऐसे नियम भी हैंए जिन्हें देवउठनी एकादशी के दिन भूलकर भी नहीं तोड़ना चाहिए।

चावल न खाएं इस दिन

मान्यताओं के अनुसार किसी भी एकादशी पर चावल का सेवन नहीं करना चाहिए। दरअसल जानकारों के अनुसार केवल देवउठनी एकादशी ही नहीं बल्कि सभी एकादशी पर चावल खाना हर किसी के लिए वर्जित माना गया है। चाहे जातक ने व्रत रखा हो या न रखा हो। माना जाता है कि इस दिन चावल खाने से मनुष्य को अगला जन्म रेंगने वाले जीव में मिलता है।

मांस-मदिरा से रहें दूर

हिंदू धर्म में वैसे ही मांस-मंदिरा को तामसिक प्रवृत्ति बढ़ने वाला माना गया है। ऐसे में किसी पूजन में इन्हें खाने को लेकर मनाही है।

ऐसे में एकादशी पर इन्हें खाना तो दूर घर मे लाना तक वर्जित माना गया है। माना जाता है कि ऐसा करने वाले जातक को जीवन में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

महिलाओं का अपमान न करें

एकादशी के दिन महिलाओं का भूलकर भी अपमान न करें चाहें वे आपसे छोटी हो या बड़ी। दरअसल माना जाता है कि किसी का भी अपमान करने से आपके शुभ फलो में कमी आती हैए वहीं इस दिन इनके अपमान से व्रत का फल नहीं मिलता है। साथ ही जीवन में कई तरहों की समस्याओं का सामना करना पड़ता है

क्रोध से बचें

एकादशी के दिन भक्त भगवान विष्णु की अराधना करते हैंए ऐसे में माना जाता है कि इस दिन सिर्फ भगवान का गुणगान करना चाहिए। साथ ही एकादशी के दिन भूलकर भी किसी पर क्रोध नहीं करना चाहिए और वाद-विवाद से भी दूरी बनाकर रखनी चाहिए।

ब्रह्मचर्य का पालन करें

एकादशी के दिन ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। इस दिन भूलकर भी शारीरिक संबंध नहीं बनाने चाहिए। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से विशेष लाभ की प्राप्ति होती है।

एकादशी के दिन करें ये काम

एकादशी के दिन दान करना उत्तम माना जाता है। एकादशी के दिन संभव हो तो गंगा स्नान करना चाहिए। विवाह संबंधी बाधाओं को दूर करने के लिए एकादशी के दिन केसर, केला या हल्दी का दान करना चाहिए। एकादशी का उपवास रखने से धन, मान-सम्मान और संतान सुख के साथ मनोवांछित फल की प्राप्ति होने की मान्यता है। कहा जाता है कि एकादशी का व्रत रखने से पूर्वजों को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

देवउठनी एकादशी पूजा विधि

देवउठनी एकादशी पर भगवान विष्णु को धूप, दीप, पुष्प, फल, अर्घ्य और चंदर आदि अर्पित करें। भगवान की पूजा करके नीचे दिए मंत्रों का जाप करें।

उत्तिष्ठोत्तिष्ठ गोविंद त्यज निद्रां जगत्पते। त्वयि सुप्ते जगन्नाथ जगत् सुप्तं भवेदिदम्।।

उत्तिष्ठोत्तिष्ठ वाराह दंष्ट्रोद्धृतवसुंधरे। हिरण्याक्षप्राघातिन् त्रैलोक्यो मंगल कुरु।।

इसके बाद भगवान की आरती करें। वह पुष्प अर्पित कर इन मंत्रों से प्रार्थना करें।

इयं तु द्वादशी देव प्रबोधाय विनिर्मिता।
त्वयैव सर्वलोकानां हितार्थं शेषशायिना।।
इदं व्रतं मया देव कृतं प्रीत्यै तव प्रभो।
न्यूनं संपूर्णतां यातु त्वत्वप्रसादाज्जनार्दन।।

इसके बाद सभी भगवान को स्मरण करके प्रसाद का वितरण करें।

देवउठनी एकादशी गीत

उठो देव बैठो देव
हाथ-पाँव फटकारो देव
उँगलियाँ चटकाओ देव
सिंघाड़े का भोग लगाओ देव
गन्ने का भोग लगाओ देव
सब चीजों का भोग लगाओ देव ।।
उठो देव बैठो देव
उठो देव, बैठो देव
देव उठेंगे कातक मोस
नयी टोकरी, नयी कपास
ज़ारे मूसे गोवल जा
गोवल जाके, दाब कटा
दाब कटाके, बोण बटा
बोण बटाके, खाट बुना
खाट बुनाके, दोवन दे
दोवन देके दरी बिछा
दरी बिछाके लोट लगा
लोट लगाके मोटों हो, झोटो हो
गोरी गाय, कपला गाय
जाको दूध, महापन होए,
सहापन होएख
जितनी अम्बर, तारिइयो
इतनी या घर गावनियो
जितने जंगल सीख सलाई
इतनी या घर बहुअन आई
जितने जंगल हीसा रोड़े
जितने जंगल झाऊ झुंड
इतने याघर जन्मो पूत
ओले क़ोले, धरे चपेटा
ओले क़ोले, धरे अनार
ओले क़ोले, धरे मंजीरा
उठो देव बैठो देव

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर,अजमेर

श्वेत अपराजिता त्रिदेवों को है पसंद, घर के इस दिशा में लगाने भर जाएगी तिजोरी

अपराजिता, जिसे विष्णुकांता या शंकरपुष्पी भी कहा जाता है, एक सुंदर और महत्वपूर्ण पौधा है, जिसे घर में सुख-शांति और धन-समृद्धि लाने के लिए उगाया जाता है। यह पौधा विशेष रूप से वास्तु शास्त्र में महत्वपूर्ण माना जाता है। सफेद अपराजिता के फूलों को भगवान विष्णु और शिवजी बहुत प्रिय होते हैं, और इन्हें नकारात्मक ऊर्जा से बचाने वाला माना जाता है।

अपराजिता का धार्मिक महत्व

अपराजिता के फूलों को हिंदू धर्म में विशेष महत्व प्राप्त है। इन्हें मां दुर्गा का अवतार माना जाता है और भगवान विष्णु के प्रिय फूलों में से एक है। पूजा में इनका उपयोग घर में सुख-शांति और समृद्धि लाता है। शनि देव को प्रसन्न करने के लिए भी इस फूल का उपयोग किया जाता है।

सफेद अपराजिता का महत्व

वैसे तो नीले और श्वेत रंग के फूल वाले अपराजिता के विशेष महत्व है, लेकिन सफेद अपराजिता का पौधा न केवल लान की सजावट के लिए उपयुक्त है, बल्कि इसे धनलक्ष्मी को आकर्षित करने वाला भी माना जाता है। इसके फूलों को श्वेत अपराजिता, भगवान विष्णु और शिवजी को प्रिय होने के कारण विशेष धार्मिक महत्व प्राप्त है।

घर में कहां लगाएं सफेद अपराजिता

सफेद अपराजिता के पौधे को घर के मुख्य द्वार के दाईं तरफ या घर के कोने में लगाया जा सकता है। स्वस्थ और अच्छी तरह से बढ़ाने के लिए इसे सही स्थान, हल्की अम्लीय मिट्टी, नियमित पानी, 6-8 घंटे धूप और संतुलित उर्वरक की आवश्यकता होती है।

अपराजिता के औषधीय गुण

यह पौधा न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से लाभकारी है, बल्कि इसके पोषक तत्व भी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। इसके फूलों में मौजूद तत्व दिल की बीमारियों का खतरा कम करने में मदद करते हैं। साथ ही, इसके सेवन से रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रहते हैं। यह मेटाबॉलिज्म को तेज करता है और ओवरईटिंग को नियंत्रित करता है।

आज से गूंजेगी शहनाइयां

चार महीने की योग निद्रा के बाद भगवान श्री हरि विष्णु 12 नवंबर को जागेंगे। इसके साथ ही चार महीने से मांगलिक कार्यों पर लगा विराम भी हट जाएगा। नवंबर और दिसंबर में 19 दिन विवाह के मुहूर्त मिलेंगे। इसके बाद खरमास की शुरुआत हो जाएगी और सभी मांगलिक कार्य मकर संक्रांति तक बंद रहेंगे। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि कार्तिक मास में आने वाली देवउठनी एकादशी फिर से शादी ब्याह की शहनाई की गूंज सुनाई देगी। इसी के साथ ही शादी ब्याह व मांगलिक कार्य का दौर फिर से प्रारंभ हो जाएगा। इस बार नवंबर में 9 दिन तक और दिसंबर में 10 दिन तक शादी ब्याह की धूम रहेगी। गौरतलब है कि देवउठनी एकादशी के बाद करीब 123 दिन के विराम के बाद मांगलिक कार्य प्रारंभ होंगे। हिंदू पंचांग के अनुसार इस साल कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि की शुरुआत 11 नवंबर की शाम 6:46 मिनट पर होगी। वहीं, इस तिथि की समाप्ति अगले दिन यानी 12 नवंबर को 4:14 मिनट पर होगी। ऐसे में उदयातिथि को देखते हुए इस साल देवउठनी एकादशी का व्रत12 नवंबर को ही रखा जाएगा।

देवउठनी एकादशी से विवाह के मुहूर्त शुरू होते हैं, क्योंकि इस दिन भगवान विष्णु अपनी चार महीने की योग निद्रा से जागृत होते हैं। इसे देव जागरण का पर्व भीकहा जाता है और इस दिन से लेकर आगामी कई शुभ तिथियों में विवाह जैसे मांगलिक कार्य प्रारंभ होते हैं। इस वर्ष देवउठनी एकादशी 12 नवंबर को है और इसके साथ ही शादियों का सीजन जोर-शोर से शुरू हो जाएगा। इस वर्ष नवंबर और दिसंबर में कई महत्वपूर्ण तिथियां हैं, जिन्हें विवाह के लिए विशेष रूप से शुभ माना जा रहा है। देवउठनी एकादशी का पर्व 12 नवंबर को मनाया जाएगा और इस दिन तुलसी-शालिग्राम विवाह के साथ मांगलिक कार्यों की शुरुआत होगी। चार महीने तक भगवान विष्णु के विश्राम के कारण विवाह जैसे कार्य वर्जित रहे। 12 नवंबर से विवाह मुहूर्तों की शुरुआत होगी, लेकिन 16 दिसंबर से खरमास की शुरुआत होगी, जो 15 जनवरी 2025 तक चलेगा।

16 दिसंबर से खरमास

देवउठनी एकादशी का पर्व 12 नवंबर को रहेगा। इस दिन घरों में देव उठाए जाएंगे। नवंबर और दिसंबर के पहले पखवाड़े में लग्न मुहूर्त अधिक रहेंगे । इसके बाद 16 दिसंबर से सूर्य के धनु राशि में प्रवेश के साथ ही खरमास की शुरुआत हो जाएगी, जो 15 जनवरी 2025 मकर संक्रांति तक रहेगा। इस दौरान मांगलिक कार्यों पर विराम रहेगा। 15 जनवरी को सूर्य के मकर राशि में प्रवेश के साथ ही खरमास समाप्त होगा और फिर से लग्न मुहूर्त की शुरुआत हो जाएगी।

चार दिन रहेगी विशेष तिथियां

22 और 23 नवंबर के बाद 9 और 10 दिसंबर की तिथियां विशेष रूप से अत्यधिक शुभ मानी गई हैं। इस दौरान पूरे दिन और रात विवाह के लिए उत्तम मुहूर्त उपलब्ध रहेंगे, जो इसे एक आदर्श समय बनाते हैं। दिसंबर की 14 तारीख को केवल दिन का समय ही विवाह के लिए अनुकूल है, क्योंकि शाम के बाद खरमास शुरू हो जाएगा, जिसके कारण मांगलिक कार्यों पर रोक लग जाती है।

शुभ मुहूर्त

शुभ मुहूर्त में विवाह करने से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। भारतीय समाज में बिना मुहूर्त के विवाह करना अशुभ माना जाता है, क्योंकि मान्यता है कि ऐसा करने से जीवन में कठिनाइयां आ सकती हैं। इसी वजह से शुभ मुहूर्तों में विवाह करने का प्रचलन है और विवाह सीजन के दौरान लोग ज्योतिषाचार्यों से परामर्श कर मुहूर्त निकालने पर विशेष जोर देते हैं।

वर्ष 2024 के शुभ मुहूर्त

नवंबर: 16 से 18, 22 से 26,28 (9 दिन)

दिसंबर: 2 से 5, 9 से 11, 13 से 15 (10 दिन)

(कुछ पंचांग में भेद होने के कारण तिथि घट बढ़ सकती है और परिवर्तन हो सकता है।)

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

मासिक शिवरात्रि 29 को
पूजा विधि और शुभ मुहूर्त

मासिक शिवरात्रि का व्रत सुख-सौभाग्य में वृद्धि करने वाला माना गया है। इस दिन व्रत रखने के साथ-साथ भगवान शंकर की उपासना करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। साथ ही जीवन में खुशहाली बनी रहती है। नवंबर में मार्गशीर्ष माह की मासिक शिवरात्रि का व्रत किया जाएगा। इसमें भगवान शंकर को बेलपत्र, पुष्प, धूप-दीप और भोग चढ़ाने के बाद शिव मंत्र का जप किया जाता है।

मार्गशीर्ष मासिक शिवरात्रि

मार्गशीर्ष माह की मासिक शिवरात्रि 29 नवंबर 2024 को है। अविवाहित महिलाएं इस व्रत को विवाहित होने हेतु एवं विवाहित महिलाएं अपने विवाहित जीवन में सुख और शान्ति बनाये रखने के लिए इस व्रत को करती है।

मुहूर्त –मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी 29 नवंबर 2024 को सुबह 08 बजकर 39 मिनट से शुरू होगी और अगले दिन 30 नवंबर 2024 को इस तिथि का समापन होगा।

शिव पूजा का समय - रात 11।41 से प्रात: 12।35, 30 नवंबर

मासिक शिवरात्रि व्रत महत्व

मान्यता है कि जो भक्त मास शिवरात्रि का व्रत करते हैं, भगवान शिव उनसे प्रसन्न होकर उनके सभी कामों को सफल बनाते है। उनके दांपत्य जीवन में खुशियां ही खुशियां आती है। साथ ही अविवाहित जातक के विवाह में आ रही अड़चनें दूर हो जाती है और सुयोग्य वर या वधू की प्राप्ति होती है। आर्थिक तंगी से छुटकारा मिलता है।

मासिक शिवरात्रि पूजा विधि

* मासिक शिवरात्रि के दिन प्रात:काल उठकर स्नान आदि कर साफ कपड़े पहन लें। इसके बाद व्रत का संकल्प लें।
* मंदिर की सफाई कर गंगाजल छिड़कर शुद्ध करें।
* फिर शिवलिंग, भगवान शिव और मां पार्वती की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें।
* शिवलिंग पर गंगाजल बेलपत्र, पुष्प, धूप-दीप और भोग अर्पित करें।
* महादेव के सामने घी या तेल का दीया जलाएं और शिव चालीसा का पाठ करें।
* इसके बाद शिवजी की आरती करें और बाद में मंत्रों का जप करें।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कुबेर से रश्मिका मंदाना का नया पोस्टर जारी

धनुष के साथ फिल्म में इस किरदार में नजर आएंगी अभिनेत्री

साउथ सुपरस्टार धनुष और अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों कुबेर को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित कुबेर धनुष और सुपरस्टार नागार्जुन के बीच पहला सहयोग है। फिल्म में रश्मिका मंदाना मुख्य नायिका की भूमिका में हैं। रश्मिका के किरदार की झलक पहले ही जारी हो चुकी है, जिसे देख दर्शक उत्साहित हो गए थे। वहीं, अब दर्शकों के इस उत्साह को बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने फिल्म से रश्मिका का नया पोस्टर जारी किया है।शेखर कम्मुला की आगामी फिल्म कुबेर के निर्माताओं ने मुख्य अभिनेत्री रश्मिका मंदाना का नया पोस्टर जारी किया है। पोस्टर में मंदाना मुंबई के बांद्रा-वर्ली सी लिंक ब्रिज की पृष्ठभूमि में मुस्कुराते हुए खड़ी हैं। उनके पहनावे से पता चलता है कि वह एक जमीनी जीवन जीने वाले किरदार को निभा रही हैं और उनके कंधों पर लटका बैग उनकी यात्रा के रोमांच की ओर इशारा करता है।इससे पहले निर्माताओं ने प्रशंसकों को दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए घोषणा पोस्ट साझा किया था, जिसमें टीजर रिलीज के बारे में जानकारी दी गई थी। पोस्ट में लिखा था, शेखर कम्मुला की कुबेर की ओर से आपको शानदार दिवाली की शुभकामनाएं। इंतजार लगभग खत्म हो गया है। 15 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा पर धमाकेदार कुबेर का टीजर देखें।फिल्म में धनुष के किरदार की बात करें तो कुबेर में धनुष एक ऐसे किरदार को निभा रहे हैं, जो एक बेघर व्यक्ति के रूप में शुरू होता है, लेकिन अंतत: एक शक्तिशाली माफिया सरगना बन जाता है। रश्मिका और धनुष के साथ फिल्म में अक्किनेनी नागार्जुन, संदीप किशन, जिम सर्भ और अन्य भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म में नागार्जुन एक पुलिस ऑफिसर का किरदार निभा सकते हैं।सुनील नारंग और पुष्कर राम मोहन राव द्वारा निर्मित कुबेर में संगीत देवी श्री प्रसाद ने दिया है और सिनेमैटोग्राफी निकेथ बोम्मी ने की है। प्रोडक्शन डिजाइनर रामकृष्ण सब्बानी और मोनिका निगोत्रे तकनीकी दल का हिस्सा हैं। इस फिल्म के जरिए निर्देशक शेखर कम्मुला और धनुष पहली बार साथ काम कर रहे हैं। कुबेर शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित एक बहुभाषी फिल्म है।

पुष्पा 2 में श्रीलीला की एंट्री, धांसू पोस्टर रिलीज

पुष्पा 2 साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है इसीलिए इससे जुड़ी हर एक अपडेट के लिए फैंस उत्साहित रहते हैं. फिल्म दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है इससे पहले फैंस इसके ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे. इसी बीच मेकर्स ने एक बड़ी खुशखबरी फैंस को दे दी. पुष्पा 2 में होने वाले स्पेशल डांस नंबर में कोई और नहीं बल्कि श्रीलीला की दिखाई देंगी. पुष्पा द राइज में सामंथा ने अपने शानदार डांस से करोड़ों लोगों का दिल जीता था अब वहीं करिश्मा श्रीलीला दोहराने आ रही हैं.मेकर्स ने हाल ही में अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पेज पर श्रीलीला का एक शानदार पोस्टर शेयर करते हुए स्पेशल डांस में उनकी एंट्री कंफर्म कर दी है. साथ ही गाने का टाइटल भी रिवील कर दिया है. पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन लिखा, टीम पुष्पा 2 द रूल ने किसिक सॉन्ग ऑफ द ईयर के लिए डांसिंग क्वीन श्रीलीला का स्वागत किया. यह सॉन्ग बेहतरीन होगा जिसमें डांस और म्यूजिक का शानदार फ्यूजन होगा. तो तैयार हो जाइए 5 दिसंबर, 2024 को दुनिया भर में पुष्पा 2 द रूल की भव्य रिलीज.पुष्पा की तरह ही पुष्पा 2 के गाने भी प्रशंसकों को बहुत पसंद आए हैं। अंगारो, सुस्की जैसे गाने प्रशंसकों की पसंद बन गए हैं। अंगारो गाने में तो अल्लू अर्जुन और रश्मिका की कैमिस्ट्री को प्रशंसकों ने बहुत पसंद किया है।

अक्षय कुमार की भूत बंगला में शामिल हुईं वामिका गब्बी!

अक्षय कुमार ने अपने जन्मदिन पर हॉरर-कॉमेडी भूत बंगला की घोषणा करके अपने प्रशंसकों को खुश किया। अभिनेता ने एक मोशन पोस्टर भी साझा किया जिसे दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। वहीं, अब फिल्म से जुड़ी नई जानकारी सामने आई रही है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अभिनेत्री वामिका गब्बी फिल्म की टीम में शामिल हो गई हैं।फिल्म की नायिका के साथ साथ इसकी शूटिंग के बारे में भी दिलचस्प जानकारी सामने आई है। फिल्म की शूटिंग अगले साल शुरू होगी। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि वामिका ने डिजिटल दुनिया में अपने काम से सभी को प्रभावित किया है और अब वह बेबी जॉन और भूत बंगला जैसी फिल्मों के साथ थिएटर मीडियम पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने डॉटेड लाइन्स साइन कर ली हैं और भूत बंगला में उनकी भूमिका दमदार है, जो सिनेमा देखने वाले दर्शकों के बीच हंसी का माहौल पैदा करेगी।दावा किया गया कि अक्षय और वामिका भूत बंगला में एक अनोखी भूमिका में नजर आएंगे और इस बारे में विस्तृत जानकारी गुप्त रखी गई है। बताया गया है कि वामिका के अलावा फिल्म में दो और महिला कलाकार होंगी। यह हॉरर तत्वों से भरपूर एक कॉमिक कैपर है, जिसमें एक ही घर में तीन लड़कियां हैं। साथ ही परेश रावल, राजपाल यादव और असरानी जैसे पागल कलाकारों की टोली भी है। भूत बंगला के लिए और कास्टिंग चल रही है।अक्षय कुमार ने मोशन पोस्टर शेयर करते हुए लिखा था, साल दर साल मेरे जन्मदिन पर आपके प्यार के लिए धन्यवाद। इस साल का जश्न भूत बंगला के पहले लुक के साथ मना रहा हूं। मैं 14 साल बाद फिर से प्रियदर्शन के साथ काम करने के लिए उत्साहित हूं। यह ड्रीम कोलेबोरेशन लंबे समय से आ रहा था। इस अविश्वसनीय यात्रा को आप सभी के साथ साझा करने का इंतजार नहीं कर सकता। जादू के लिए बने रहें। लुक में अक्षय कुमार दूध पीते हुए दिखाई दे रहे थे, जबकि एक काली बिल्ली उनके कंधे पर बैठी थी।इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म के बारे में अभी ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन उम्मीद है कि इसमें काला जादू होगा, जिसमें अक्षय तीन अभिनेत्रियां के साथ काम करेंगे। फिल्म का ज्यादातर हिस्सा हैदराबाद, केरल के एक जंगल, श्रीलंका में शूट किया जाएगा।

नुसरत भरूचा ने खुद को दिया नया शॉर्ट नेम कोल, वजह भी बताई

एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने खुद को नया नाम कोल दिया है। ऐसा उन्होंने क्यों किया है ये भी समझाया है।नुसरत ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह गोवा में एक परफॉरमेंस के लिए मेकअप करवा रही हैं।क्लिप में वह कहती हुई सुनाई दे रही हैं, मैं रोना चाहती हूं.. मैं 48 घंटों से सोई नहीं हूं और मैं यहां गोवा में हूं और मुझे लगा कि मैं झपकी ले पाऊंगी और तैयार होने से पहले सो पाऊंगी, लेकिन नहीं, अब इवेंट को प्रीपोंड (तय समय से पहले) कर दिया गया है।उन्होंने कहा, मुझे अपने कॉल टाइम से 2 घंटे पहले परफॉर्म करना है। इसलिए मैंने खाना भी नहीं खाया है और मैं तैयार हो रही हूं...मैं यह नहीं कर सकती। मैं सोना चाहती हूं।उन्होंने क्लिप को कैप्शन दिया, मेरा नया पर्सनल शॉर्ट नेम कोल क्राइंग ऑउट लाउड!!पिछले सप्ताह, एक्ट्रेस ने दीपावली मनाते हुए एक हेल्थ अपडेट पोस्ट शेयर किया और कहा कि वह अस्वस्थ हैं क्योंकि उन्हें बुखार, शरीर में दर्द और आंखों में संक्रमण है।नुसरत ने इंस्टाग्राम पर एक कार सेल्फी शेयर की और बताया कि बीमार होने के बावजूद वह खुद को घसीटकर मीटिंग में ले गईं।कैप्शन में लिखा था, दीपावली के बाद की स्थिति, सर्दी, बुखार, खांसी, शरीर में दर्द और.. कुछ आंखों का संक्रमण! फिर भी किसी तरह खुद को मीटिंग में ले जा रही हूं!नुसरत के बारे में बात करें तो, 2002 के टेलीविजन शो किट्टी पार्टी से एक्टिंग शुरू की। उन्हें 2006 में जय संतोषी मां से बॉलीवुड में ब्रेक मिला। वह कल किसने देखा, ताज महल, लव सेक्स और धोखा जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं।इसके बाद नुसरत लव रंजन द्वारा लिखित और निर्देशित रोमांटिक कॉमेडी बडी फिल्म प्यार का पंचनामा में दिखाई दीं। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन, दिव्येंदु शर्मा, रायो एस बखिरता, सोनाली सहगल और इशिता ने एक्टिंग की थी।उन्होंने आकाश वाणी, सोनू के टीटू की स्वीटी, ड्रीम गर्ल, छलांग, अजीब दास्तां, छोरी, हुड़दंग, राम सेतु, सेल्फी, छत्रपति में काम किया है। 39 वर्षीय एक्ट्रेस को आखिरी बार प्रणय मेश्राम द्वारा निर्देशित एक्शन थ्रिलर अकेली में देखा गया था।उनकी अगली फिल्म विशाल फुरिया की हॉरर-थ्रिलर फिल्म छोरी 2 है। फिल्म की शुरुआत वहीं से होती है, जहां 2021 में रिलीज हुई पहली किस्त खत्म हुई थी। हॉरर सीक्वल की कास्ट में अभिनेत्री सोहा अली खान भी शामिल हो गई हैं।छोरी मराठी भाषा की 2017 की

केट शर्मा ने व्हाइट बिकिनी पहन कर झरने में लगाई आग

एक्ट्रेस केट शर्मा सोशल मीडिया पर अपनी बोल्डनेस और ग्लैमरस अंदाज के चलते सुर्खियों में बनी रहती हैं। उनकी एक एक तस्वीर सोशल मीडिया का पारा हाई किए रहती है। वहीं, उनकी कातिलाना तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आती हैं। एक्ट्रेस केट शर्मा को एक बार फिर बिकिनी अवतार में अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं।टीवी एक्ट्रेस केट शर्मा बाखूबी जानती हैं कि उन्हें अपने फैंस का दिल कैसे चोरी करना है। आए दिन वे हॉट और सेक्सी तस्वीरों और वीडियो के चलते सुर्खियों में बनी रहती हैं। केट शर्मा ने हाल ही में अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से एक हॉट वीडियो शेयर किया है। केट व्हाइट कलर की बिकिनी पहनी है और प्राकृतिक झरने में लुत्फ उठा रही हैं। एक्ट्रेस की हॉटनेस ने इंटरनेट का पारा हाई कर दिया है टीवी एक्ट्रेस की हॉटनेस ने फैंस को घायल कर दिया है और वे कमेंट बॉक्स पर जमकर तारीफ करते नजर आ रहे हैं। केट शर्मा अपनी बोल्डनेस और हॉटनेस से इंटरनेट पर कहर बरपाए रहती हैं। उनकी किलर तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आती हैं। एक यूजर ने कहा, क्या हॉटनेस है। दूसरे ने लिखा, सही कॉन्फिडेंस है। एक्ट्रेस की पोस्ट पर इस तरह के कमेंट लगातार आ रहे हैं।केट शर्मा अपनी बोल्ड तस्वीरें देने से कभी नहीं झिझकती हैं। फैंस उनकी तस्वीरों के लिए व्याकुल रहते हैं।केट शर्मा रूहदार और कुछ तो जरूरी है जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। एक्ट्रेस केट शर्मा ने अक्टूबर 2018 में मशहूर फिल्ममेकर सुभाष घई पर मीटू के तहत गंभीर आरोप लगाए थे। केट शर्मा भले ही फिल्मों में कुछ ज्यादा खास नहीं कर पाईं हो

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज काम पूरा होने पर आप रिलैक्स महसूस करेंगे. आपको किसी मामले में बड़ा निर्णय लेना पड़ सकता है. आप अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिता सकते हैं. कुछ जरूरी चीजें आपको फायदे दिला सकती हैं. इस राशि के कारोबारियों को किसी से जरूरी मुलाकात करनी पड़ सकती है. धन के मामले में स्थिति ठीक रहेगी. परिवारजनों के लिए समय निकालेंगे. उनकी सलाह आपके लिये महत्वपूर्ण रहेगी. शिवलिंग पर जल अर्पित करें, रिश्ते मजबूत होंगे.

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

कारोबार में व्यस्तता रहेगी. कार्यक्षेत्र में सम्मान मिल सकता है. मेहनत से धन कमा लेंगे. जो काम पिछले कई दिनों से अधूरे पड़े थे, वे निपट सकते हैं. नए एग्रीमेंट या नए संबंध बनने की संभावना है. समय अच्छा है. कई क्षेत्रों में आप एक साथ सक्रिय भी रहेंगे. आगे बढ़ने के लिए आपको अपने जीवन में कुछ बदलाव करने पड़ सकते हैं. अविवाहित लोगों को रोमांस के अवसर मिल सकते हैं. यात्रा के भी योग हैं.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज आपका आत्मविश्वास और साहस चरम पर रहेगा. राजनीति या सामाजिक कार्यों से जुड़े लोग कई बैठकों आदि में भाग लेंगे. आपको सम्मान मिलेगा और कुछ नई जिम्मेदारी भी मिल सकती है. आप जटिल समस्याओं का समाधान पाएंगे. वित्त में किए गए प्रयास वांछित परिणाम देंगे. पुराना भुगतान भी मिल सकता है. प्रतिद्वंद्वी और प्रतियोगी आपको नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे. आप शुभ स्वास्थ्य का आनंद लेंगे. आप में से कुछ के लिए प्रेम सम्बन्ध का आरम्भ हो सकता है. आज आप अपने परिवार के साथ आनंद और मौज-मस्ती युक्त समय बिताएंगे.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का अंत हो सकता है. अगर आप ख़रीदारी पर जाएं तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें. किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से अचानक आया कोई संदेश पूरे परिवार के लिए रोमांचक रहेगा. उलझे हुए काम सुलझाने के लिए स्थितियां आपके फेवर में हो सकती है. आपके सोचने के तरीके में बदलाव हो सकता है. दोस्तों से समय पर मदद मिल सकती है. ऑफिस के कुछ खास काम निपटाने में आप सफल हो सकते हैं.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज माता-पिता अपने बच्चों के साथ कहीं पिकनिक मनाने जा सकते हैं. आप किसी समारोह में जाने की प्लानिंग भी कर सकते हैं. ऑफिस में माहौल थोड़ा गंभीर रह सकता है. आपको अपने बॉस की बातों को ध्यान से सुनने के बाद ही अपनी कोई राय देनी चाहिए. आज आपको थोड़ा आलस्य भी महसूस हो सकता है. आपको अपना खान-पान हेल्दी रखना चाहिए. कुछ मामलों में आप थोड़े भावुक भी हो सकते हैं. अपने गुरु को कुछ उपहार दें, आपकी सभी परेशानियां दूर होंगी.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

कारोबार बढ़ेगा. अपने से निचले स्तर के कर्मचारियों से सहयोग मिलेगा. आपकी मुलाकात खास लोगों से हो सकती है. आपको नियमित कामकाज से कुछ समय के लिए छुटकारा मिल सकता है. आपकी ज्यादातर परेशानियां खत्म होने के योग हैं. जिस काम को आप अधूरा समझ रहे हैं, वह पूरा हो जाएगा. बड़े लोगों से सहयोग मिल सकता है. आपको फायदा भी हो सकता है. दिन थकान भरा रहेगा. आराम करें नहीं तो परेशानी हो सकती है.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

यदि आप अपना स्वयं का व्यवसाय कर रहे हैं तो साझेदारी में प्रवेश करने का यह एक अच्छा समय है जो भविष्य में लाभकारी होगा. अगर आप नौकरी के लिए परीक्षा या प्रतियोगिता या साक्षात्कार में उपस्थित होते हैं तो आपको सफलता मिलेगी. सामाजिक गतिविधियों में आपकी रुचि होगी. परिवार में कोई धार्मिक समारोह या कोई अन्य उत्सव मनाया जा सकता है. लंबी दूरी की यात्रा फायदेमंद साबित होगी. आप खुश और शांत रहें-गे.विवाह योग्य संतान का रिश्ता पक्का हो सकता है.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपके रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है. विदेशी संस्थान से छात्रवृत्ति या प्रवेश संबंधी खबर की प्रतीक्षा कर रहे छात्रों को अच्छी खबर मिलेगी. सही दिशा में ईमानदारी से उठाए गए क़दम निश्चित तौर पर लाभ देंगे. रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी न होने से आपके वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है. ध्यान रखें आज किसी अनजान शख्स से सलाह ना लें. बेहतर होगा आप उनसे बातचीत करके अपनी समस्या का समाधान करने का प्रयास करें.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा. शाम को जीवनसाथी के साथ मूवी का प्लान बनायेंगे. इससे आपके रिश्तों के बीच नजदीकियां बढ़ेंगी. नए लोगों से मुलाकात होने से आपको बड़े फायदे होंगे. आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे. आज छात्रों के अंदर कॉम्पिटिशन के प्रति जागरूकता पैदा होगी. करियर में तरक्की के योग बन रहे हैं. बिजनेस में आपको बड़ा मुनाफा होगा. आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा. गणेश जी की आरती करें, लाभ के अवसर प्राप्त होंगे.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

नए सौदे आज न करें तो ही अच्छा है. पैसा भी रुक सकता है. दिन की शुरुआत ठीक नहीं रहेगी. न चाहते हुए भी पैसा खर्चा हो सकता है. परिवार के लोग आप-को किसी कठिन स्थिति में डाल सकते हैं. आज आप अपनी प्लानिंग गुप्त रखें. किसी से शेयर नहीं करें. रिश्तों के क्षेत्र में भी कुछ कठिन स्थितियां बन सकती हैं. वाद-विवाद में उलझ सकते हैं. कामकाज में सुस्ती का माहौल रहेगा. सिर और पेट दर्द हो सकता है. भोजन में सावधानी रखें.

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

यद्यपि आपकी माँ की स्वास्थ्य-स्थिति आपको चिंतित रखेगी और आपके बच्चे भी अच्छे स्वास्थ्य में नहीं हो सकते हैं. किन्तु भौतिक समृद्धि की स्थिति बहुत फायदेमंद होगी और आपको विभिन्न स्रोतों से लाभ होगा. आपके कुछ शत्रु मित्र के रूप में आपके घेरे में रह सकते हैं. लेकिन आप उन्हें नियंत्रित करने में सक्षम होंगे. आपके पेशेवर क्षेत्र में आपको प्रशंसा मिलेगी और सामाजिक रूप से आप अधिक लोकप्रिय हो जाएंगे. आपके पास नए अधिग्रहण हो सकते हैं जो आपको खुश करेंगे.

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा. परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन-शैली में बदलाव लाने का सही समय है. स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा. विवाद न करें. किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी. लेन-देन के मामले सुलझने से राहत मिलेगी. प्रेम संबंध रोमांटिक रहेंगे. व्यापार में नए अनुबंध हो सकते हैं. यात्रा के दौरान चोरी, दुर्घटना का भय है. मित्रों की सलाह महत्वपूर्ण साबित होगी.

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 12 नवंबर 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी सायं 04:06 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपद प्रातः 07:52 तक
योग : हर्षण रात्रि 07:08 तक
करण : विष्टि सायं 04:06 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 06:19, सूर्यास्त 05:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:17 , सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:10 , सूर्यास्त 05:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 05:33 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : देवोत्थिनी एकादशी व्रत , भीष्म पंचक व्रत आरंभ , चातुर्मास समाप्ति , तुलसी विवाह , भद्रा सायं 04:05 तक

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

थम गया चुनाव प्रचार

सात सीटों पर 69 प्रत्याशियों का भाग्य 13 को होगा तय

राजस्थान,11 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में सात विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए प्रचार सोमवार शाम थम गया। सातों सीटों के लिए भाजपा-कांग्रेस समेत कुल 69 प्रत्याशी मैदान में हैं। 13 नवंबर को इनके भाग्य का फैसला करने के लिए मतदान होगा। चुनाव आयोग ने सोमवार को 48 घंटे के 'साइलेंस पीरियड' की घोषणा कर दी। इस दौरान चुनावी रैली, रोड शो और चुनावी सभा आदि प्रचार अभियानों पर प्रतिबंध लागू हो गया।

'एग्जिट पोल' का प्रसारण भी 20 नवम्बर की शाम 6:30 बजे तक प्रतिबंधित रहेगा। रामगढ़, दौसा, झुंझनूं, सलूम्बर, चौरासी, खींवसर और देवली-उनियारा सीटों पर मतदान के लिए 9 हजार से अधिक सुरक्षाकर्मी नियुक्त किए गए हैं। इनमें केंद्रीय पुलिस बलों की 43 कंपनियां तैनात रहेंगी। 604 मतदान लोकेशन को संवेदनशील माना गया है। सभी विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव के नजरिए से 12 अंतरराज्यीय पुलिस नाके तथा आबकारी विभाग के 11 नाके लगाए गए हैं।

126.24 करोड़ रुपये की अवैध सामग्री जब्त

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीज महाजन ने बताया कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद आयोग के उड़न दस्ते, निगरानी टीमें एवं पुलिस की ओर से 7 जिलों में अब तक कुल 126.24 करोड़ रुपये की नकद राशि और अवैध शराब सहित अन्य सामग्री जब्त की गई है। दौसा जिले में सर्वाधिक 29.58 करोड़ रुपये मूल्य की अवैध वस्तुओं की जब्ती हुई है। सबसे कम टोंक जिले में 21.99 करोड़ रुपये कीमत की सामग्री जब्त हुई है।

भीलवाड़ा पुलिस ने 46 लाख रुपए का अवैध डोडा चूरा किया जब्त

एनएच 758 पर पुलिस ने कार्रवाई

भीलवाड़ा,11 नवंबर (एजेंसियां)। भीलवाड़ा जिले के बडलियास थाना पुलिस ने विधानसभा उपचुनाव 2024 के दौरान अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ अभियान में बड़ी कामयाबी हासिल की। पुलिस ने एनएच 758 पर एक पिकअप वाहन से करीब 46 लाख रुपये मूल्य का 936.860 किलोग्राम अवैध डोडा चूरा जब्त किया है। इस अभियान के तहत पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के परिवहन में प्रयुक्त पिकअप वाहन को भी जब्त कर लिया। मामले में फरार अज्ञात चालक के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह आईपीएस के अनुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस जैन और माण्डलगढ़ वृताधिकारी बाबू लाल विश्नोई के सुपरविजन में, थाना बडलियास के थानाधिकारी सिद्धार्थ प्रजापत ने अपनी टीम के साथ रात में गश्त के दौरान यह सफलता हासिल की। उन्होंने बताया कि 11 नवम्बर 2024 की रात चैकी सवाईपुर के इंचार्ज अशोक कुमार कड़वा हेड कांस्टेबल (कानि.) 885 के नेतृत्व में टीम एनएच-758 पर गश्त कर रही थी।

बीगोद की ओर से आ रही एक संदिग्ध पिकअप (रजिस्ट्रेशन नंबर आरजे 06 जीबी 7369) को चेकिंग के लिए रुकवाने का प्रयास किया गया, परन्तु पिकअप चालक ने वाहन रोकने की बजाय तेजी से भीलवाड़ा की ओर भागने का प्रयास किया। पुलिस ने पीछा किया, जिसके बाद पिकअप डेलाना की सीमा पर पलट गई।

चालक अंधेरे का लाभ उठाकर मौके से फरार हो गया। पिकअप वाहन की तलाशी में 48 कट्टों में भरा हुआ कुल 936.860 किलोग्राम डोडा चूरा बरामद हुआ। पुलिस ने इस मादक पदार्थ और पिकअप वाहन को जब्त कर अज्ञात पिकअप चालक के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

आंवले की मालाओं से सजे द्वारकाधीश, पति की लंबी उम्र के लिए महिलाओं ने की आंवला नवमी की पूजा

केकड़ी,11 नवंबर (एजेंसियां)। केकड़ी जिले में रविवार को आंवला नवमी धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर जगह-जगह विशेष धार्मिक अनुष्ठान और पूजा-पाठ किए गए। साथ ही महिलाओं ने आंवले के पेड़ की पूजा कर पति की लंबी उम्र की कामना की। कई जगहों पर भगवान की प्रतिमाओं का आंवले की मालाओं से शृंगार किया गया।

श्रद्धा और आस्था से जुड़ी कई परंपराएं सनातन धर्म की अनूठी विशेषताओं में शामिल है। समाज और परिवार संस्था को खुशहाल बनाने की कामना के साथ विभिन्न पर्व और त्योहारों के अंतर्गत भगवान की विविध प्रकार से भक्ति करने के धार्मिक रीति रिवाज आम जनमानस में गहरे रच बस गए हैं। इनमें से एक अनूठा पर्व है आंवला नवमी, जिसे महिलाओं द्वारा बड़े उत्साह से मनाया जाता है।

केकड़ी जिले में भी रविवार को आंवला नवमी पर्व की धूम रही। सांपला स्थित सुप्रसिद्ध भगवान गोपाल महाराज के मंदिर व केकड़ी शहर सहित जूनिया, कादेड़ा, बघेरा, सावर, सलारी, खवास, सांकरिया, मेहरूकलां, सदारा, बोगला, कालेड़ा कृष्ण गोपाल आदि कई छोटे बड़े गांवों और कस्बों में सजी धजी महिलाओं ने आंवले के पेड़ों की विशेष पूजा अर्चना की और भगवान से पति की लंबी उम्र की कामना के साथ साथ क्षेत्र की खुशहाली की प्रार्थना की।

जिले के सांपला गांव में स्थित सुप्रसिद्ध धाम द्वारकाधीश गोपालजी महाराज के मंदिर में इस पर्व पर भगवान द्वारकाधीश का विशेष शृंगार कर आरती की गई। द्वारकाधीश गोपाल महाराज केशव राय और राधिकाजी को आंवले की बनी मालाओं से आकर्षक शृंगार कर मनमोहक झांकी भी सजाई गई। आंवला नवमी पर कार्तिक स्नान करने वाली महिलाओं ने आंवले की पूजा कर पति की लंबी उम्र की कामना की।

कहासुनी के बाद पीड़ित के घर में घुसकर की मारपीट

अलवर,11 नवंबर (एजेंसियां)। खैरथल में शनिवार शाम को हुई एक घटना ने सुनने वालों के रोंगटे खड़े कर दिए। जानकारी के अनुसार गांव के कुछ लोगों के साथ पीड़िता के पति की कुछ कहासुनी हो गई थी। इसके बाद आरोपी उनके घर आ धमके और उसकी पत्नी और बेटी के साथ मारपीट करने लगी। मारपीट के दौरान ही कुछ महिलाओं ने पीड़िता को निर्वस्त्र कर उसके प्राइवेट पार्ट में मिर्ची डाल दी, जिससे वह बेहोश हो गई। परिजनों ने पीड़िता को ततारपुर हॉस्पिटल में भर्ती कराया, जहां से उसे अलवर रैफर कर दिया गया।

महिला के पति ने जानकारी देते हुए बताया कि किसी बात को लेकर गांव के ही कुछ लोगों के साथ कहासुनी होने के बाद उसके घर पहुंचे आरोपियों ने उसकी 16 साल की बेटी और पत्नी के साथ मारपीट की और कुछ महिलाओं ने उसकी पत्नी को निर्वस्त्र करते हुए उसके प्राइ-वेट पार्ट में मिर्ची डाल दी। परिजनों ने इस संबंध में ततारपुर थाने में नामजद मामला दर्ज कराया है। मामले के संबंध में थानाधिकारी अंकेश कुमार ने बताया कि महिला के परिजनों ने प्राइवेट पार्ट में मिर्ची की डालने और मारपीट की बात कही है। पुलिस ने नामजद मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है।

भर्ती प्रक्रिया में बदलाव पर सफाई कर्मचारियों का हल्लाबोल

जयपुर,11 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर नगर निगम ग्रेटर और हेरिटेज में सफाई कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया में अनुभव प्रमाण पत्र को लेकर विवाद बढ़ गया है। इसी मुद्दे पर जयपुर के सफाई कर्मचारियों ने आज बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में जुटे सैकड़ों कर्मचारियों ने नगर निगम के भर्ती अनुभव प्रमाण पत्र में 'सक्षम अधिकारी' की अनिवार्यता को हटाने की मांग की और पुराने भरे हुए फॉर्म को बहाल करने पर जोर दिया। उनका कहना है कि नई शर्तों के कारण बहुत से कर्मचारियों का भविष्य अधर में लटक गया है और उनकी नौकरियां खतरे में हैं।

सफाई कर्मचारियों का आरोप है कि सरकार द्वारा जारी भर्ती के नए दिशा-निर्देश उनके लिए बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। खासकर सक्षम अधिकारी से जारी अनुभव प्रमाण पत्र की अनिवार्यता के चलते कई अनुभवी सफाई कर्मचारी प्रक्रिया में अड़चन महसूस कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने इसे अनावश्यक शर्त बताया और मांग की कि इसे हटाया जाए। इसके अलावा, उनका कहना है कि जो कर्मचारी पहले से ही फॉर्म भर चुके हैं, उनके फॉर्म को निरस्त करना अनुचित है। कर्मचारियों ने इसे उनके रोजगार के भविष्य के साथ खिलवाड़ करार दिया। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारियों ने राजस्थान सरकार के मंत्री, जावर सिंह खर्रा के निवास के बाहर प्रदर्शन किया। वे मांगों को लेकर नारेबाजी करते हुए धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों ने सरकार को चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो वे आगामी दिनों में और भी उग्र आंदोलन करेंगे।

पुलिस ने किया लाठीचार्ज और कई गिरफ्तार

स्थिति बिगड़ती देख प्रशासन ने मौके पर पुलिस बल तैनात किया। पुलिस के कई प्रयासों के बावजूद प्रदर्शनकारियों का विरोध शांत नहीं हुआ, जिससे स्थिति नियंत्रण से बाहर होने लगी। हालात को काबू में रखने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा, जिससे कई प्रदर्शनकारी घायल हो गए। पुलिस ने मौके से कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में भी लिया और उन्हें स्थानीय थानों में ले जाया गया।

प्रशासन की ओर से अब तक इस विवाद पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन पुलिस का कहना है कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए उन्हें मजबूरन लाठीचार्ज करना पड़ा।

इस प्रदर्शन का असर पूरे जयपुर शहर की स्वच्छता सेव-ाओं पर पड़ सकता है। विरोध प्रदर्शन और गिरफ्तारी के चलते सफाई कर्मचारियों में असंतोष बढ़ सकता है, जिससे शहर में हड़ताल का माहौल बन सकता है। स्थानीय नागरिकों ने भी चिंता जताई है कि यदि इस समस्या का समाधान जल्द नहीं हुआ, तो जयपुर में सफाई सेवाओं पर संकट गहरा सकता है। नगर निगम के सफाई कर्मचारियों की बड़ी संख्या में संभावित हड़ताल से कचरा प्रबंधन प्रभावित हो सकता है, जो शहरवासियों के लिए परेशानी का सबब बन सकता है।

सफाई कर्मचारियों ने राज्य सरकार से अपील की है कि वे उनकी मांगों को गंभीरता से लें और भर्ती प्रक्रिया को लेकर विवादास्पद शर्तों को हटाएं। प्रदर्शनकारियों ने संकेत दिया है कि अगर सरकार उनकी मांगों पर ध्यान नहीं देती है, तो वे इस आंदोलन को और तेज करेंगे और जरूरत पड़ी तो लंबी हड़ताल पर भी जा सकते हैं।

हरियाणा में डेंगू से बच्ची की मौत

निजी अस्पताल में चल रहा था इलाज अधिकारी रिपोर्ट का कर रहे इंतजार

सिरसा,11 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में डेंगू का डंक बढ़ता जा रहा है। सिरसा में डेंगू से 11 साल की बच्ची की मौत का मामला सामने आया है। सूरतगढ़िया के निजी अस्पताल में डेंगू का उपचार करवा रही 11 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। सूचना मिलने पर मृतक बच्ची के घर के आसपास की मार्केट बंद कर दी गई है। लोग बच्ची के घर पर शोक मनाने के लिए पहुंचे हैं। बच्ची की मां और बहन का रो-रोकर बुरा हाल है।

सोमवार दोपहर दो बजे के बच्ची का अंतिम संस्कार शिवपुरी में किया गया। वहीं, इस मामले में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी डेंगू संदिग्ध मानकर चल रहे हैं, हालांकि अभी रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. महेंद्र भादू ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। अभी कुछ रिपोर्ट आना बाकी है। अभी तक संदिग्ध मानकर चल रहे हैं। नगर परिषद प्रशासन को कई बार शहर में फॉगिंग करवाने को नोटिस जारी किए जा चुके हैं।

डेंगू से मौत की सूचना जैसे ही शहर में फैली लोगों में भय का माहौल पैदा हो गया। वार्ड की पूर्व पार्षद नीतू सोनी ने तुरंत प्रभाव से अधिकारियों को पूरे वार्ड में फॉगिंग करवाने की मांग की। वहीं, इस मामले में नगर परिषद के अधिकारियों ने बताया कि नागरिक अस्पताल से आने वाली डेंगू की रिपोर्ट के अनुसार ही फॉगिंग करवाई जाती है। उस दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम साथ रहती है।

यदि किसी पार्षद की मांग आती है तो फॉगिंग करवाई जाती है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से आदेश आएंगे तो पूरे शहर में फॉगिंग करवा दी जाएगी।

दादरी, भिवानी और महेंद्रगढ़ जिला में चोरी करने वाले गिरोह के 5 गुर्गे गिरफ्तार, 19 चोरियां कबूल की

चरखी दादरी,11 नवंबर (एजेंसियां)। चरखी दादरी में दादरी, भिवानी और महेंद्रगढ़ जिले में किसानों के खेतों से कृषि उपकरण चोरी करनेवाले गिरोह के 5 गुर्गों को दादरी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बलकरा बणी में चिड़िया चौकी पुलिस के हत्थे चढ़े आरोपियों ने प्रारंभिक पूछताछ में तीनों जिलों में की गईं 19 चोरियां कबूल की हैं। उन्होंने कोर्ट में पेश कर सामान बरामदगी के लिए दो दिन के रिमांड पर लिया है।

सोमवार दोपहर बाद डीएसपी हेडक्वार्टर धीरज कुमार ने पांचों आरोपियों की गिरफ्तारी के संबंध में प्रेस वार्ता की। डीएसपी ने बताया कि पिछले कुछ माह से दादरी जिले में कृषि उपकरण चोरी करने वाला गिरोह सक्रिय था। एसपी अर्ष वर्मा ने नियमित अंतराल पर दर्ज हो रहीं कृषि उपकरण चोरी के मामलों को त्वरित सुलझाने के निर्देश दिए थे। धीरज कुमार ने बताया कि एसपी के निर्देशों का पालन करते हुए चिड़िया चौकी प्रभारी पीए-सआई विशाल सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने चोर गिरोह के पांच गुर्गों को बलकरा बणी से काबू कर लिया। उनके कब्जे से एक वाहन भी बरामद हुआ जिसमें वो चोरी किया गया सामान ले जाते थे।

डीएसपी ने बताया कि शुरुआती पूछताछ में आरोपियों ने भिवानी व महेंद्रगढ़ जिले की 11 और दादरी जिले की आठ चोरियां कबूल की हैं। महेंद्रगढ़ और भिवानी पुलिस से संपर्क कर दादरी पुलिस इस तथ्य को क्रॉस चेक करेगी। उन्होंने बताया कि दो दिन के रिमांड पर लेकर पुलिस आरोपियों से पूछताछ करेगी।दादरी पुलिस ने मूलरूप से जींद जिला की धीमान गांव निवासी और फिलहाल भिवानी के कोंट रोड पर रहने वाले जगमिंद्र, कोंट रोड निवासी राकेश, भिवानी के ढाण रोड निवासी अजय, मनोज और अनिल को गिरफ्तार किया है।

पानीपत में दो भाइयों ने खाया जहर

पानीपत,11 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत में दो भाईयों ने जहर खाकर मौत को गले लगा लिया। पानीपत की धमीजा कॉलोनी में महिला के टॉर्चर से परेशान होकर 18-19 साल के युवकों ने जहर खाकर अपनी जान दे दी। दोनों चाचा और ताऊ के लड़के हैं। मृतकों की पहचान कैफ और शाबाज के तौर पर हुई है।

मरने से पहले युवकों ने एक वीडियो भी जारी किया है। वीडियो में दोनों ने आरोप लगाया है कि वे 8 नवंबर सालारगंज गेट पर मोमास खाने के लिए गए थे। जहां दोनों का किसी युवती के साथ झगड़ा हो गया था। युवती ने मामले की शिकायत पुलिस को दी।वहीं युवकों के घर वालों का आरोप है कि महिला और पुलिस के दबाव के कारण उनके बच्चों ने यह कदम उठाया है।

भिवानी में नशेड़ी ने मां के सिर पर ईंट से किया हमला, आरोपी फरार

भिवानी,11 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के भिवानी में एक कलयुगी बेटे ने अपनी मां की निर्मम हत्या कर दी। आरोपी बेटा नशे का आदी है। घटना भिवानी के कितान पाना की है, जहां नशेड़ी बेटे ने मां के सिर में ईंट मार कर उसे जान से मार दिया। आरोपी घटना को अंजाम देकर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही शहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर सोमवार को जिला नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया। वहीं मृतक महिला के बेटे के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है। कितान पाना निवासी 55 वर्षीय जीवनी देवी की उसी के 23 वर्षीय बेटे सोनू ने सिर में ईंट मारकर रविवार रात को हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी बेटा मौके से भाग गया। सोमवार सुबह जब आसपास के लोगों ने महिला का शव घर के अंदर खून से लथपथ देखा तो इसकी सूचना शहर थाना पुलिस को दी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.